जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 132 प्रभात चूरू, शुक्रवार 9 सितम्बर, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ब्रिटेन की महारानी क्वीन ऐलिज़ाबैथ की गुरुवार दोपहर को मृत्यु हो गई। वे 96 वर्ष की थीं। बकिंघम पैलेस की ओर से जारी बयान के अनुसार वे लम्बे समय से उम्र से जुड़ी बीमारियों एवं समस्याओं से ग्रसित थीं। डॉक्टरों ने उनके स्वास्थ्य के बारे में बुधवार को जारी बुलेटिन में बताया था कि, उनकी हालात काफी गम्भीर है। क्वीन ऐलिज़ाबैथ ने ब्रिटेन पर 70 वर्षों तक शासन किया। स्कॉटिश एस्टेट बालमोरल में उनके खराब स्वास्थ्य को देखते हुए सारा परिवार इकट्ठा था। उनके पुत्र प्रिंस चार्ल्स अपनी पत्नी कमिला तथा पुत्र और पुत्रवधुओं व पोते-पोतियों के साथ बालमोरल पहुँच गए थे। क्वीन ऐलिज़ाबैथ काफी समय से बीमार थीं पर, राज परिवार की ओर से ज्यादा जानकारी नहीं दी गई, क्योंकि ब्रिटेन राज परिवार स्वास्थ्य को बेहद निजी मुद्दा मानता है।

'इतना गुस्सा क्यों?'

ममता बनर्जी ने प्र.मंत्री मोदी को यह सवाल संबोधित किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। भाजपा के नेतृत्व वाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने पहले बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा के दौरान प. बंगाल का मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नहीं बुलाया, फिर दिल्ली में नेताजी सुषाषचंद्र बोस की प्रतिमा के उद्घाटन के लिए उन्हें एक आई.ए.एस. अफसर द्वारा हस्ताक्षरित निमंत्रण पत्र भेज दिया, इसे ममता बनर्जी के अपमान के रूप में देखा जा रहा है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, जो चार दिन भारत की यात्रा पर हैं, से मुलाकात के लिए नहीं बुलाने पर एतराज जताते हुए ममता बनर्जी ने कहा, ''हसीना जी यहां हैं। मेरे उनसे व उनके परिवार से बहुत अच्छे संबंध हैं हम पूजा और ईद पर एक दूसरे को तोहफे देते हैं, वे मेरे लिए हिल्सा (मछली) व आम भिजवाती हैं। उन्हें मुझ से मिलने की इच्छा जताई थी। ऐसा पहली बार है जब बांग्लादेश की प्रधानमंत्री यहां है और बंगाल की उपेक्षा की गई है। हसीना जी मुझसे मिलना चाहती थीं मैं उनकी आभारी हूं। मैंने समाचारों में देखा था। खैर ये अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दे हैं, रहने दीजिए। पर आप इतने गुस्सा क्यों हैं? इतना गुस्सा क्यों?''

इसी के साथ उन्होंने कहा कि वे दिल्ली में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा के अनवरण कार्यक्रम में भाग नहीं लेंगी क्योंकि आमंत्रण उन्होंने कहा कि, उन्हें कल निमंत्रण मिला जिसमें एक सरकारी अफसर ने उन्हें कार्यक्रम की सूचना दी थी।

बनर्जी बोली, ''मुझे कल एक पत्र मिला जो शायद किसी अण्डर सैक्रेटरी ने लिखा था, जिसमें बताया गया था कि प्रधानमंत्री 7 बजे नेताजी की प्रतिमा का अनवरण करेंगे आपको 6 बजे तक पहुंचना होगा। मानो मैं कोई उनकी नौकर या बंधुआ मजदूर हूँ। एक अण्डर सैक्रेटरी मुख्यमंत्री को कैसे लिख सकता है? संस्कृति मंत्री इतने बड़े कैसे बन गए।

उन्होंने कहा, उनकी समझ खत्म हो गई है। इसलिए मैं यहां आई हूँ नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा प्रकट करने जो वे दिल्ली में करेंगे मैंने वो बंगाल में कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इंडिया गेट और सैंट्रल विस्टा तथा राज पथ, जिसका नाम कर्तव्य पथ हो गया है, के समीप नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 28 फूट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

इससे पूर्व उन्होंने यह भी कहा था कि वे हैरान हैं कि भाजपा नीत केन्द्र सरकार उनकी शेख हसीना से मुलाकात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ममता बनर्जी ने कहा, बंगलादेश की प्र.मंत्री शेख हसीना अपनी भारत यात्रा के दौरान मिलना चाहती थीं, पर मोदी सरकार ने उन्हें (ममता बनर्जी) को शेख हसीना से मिलने के लिये आमंत्रित नहीं किया।
- ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि, दिल्ली के एक अण्डर सैक्रेटरी का लिखा पत्र बुधवार को मिला कि, प्र.मंत्री गुरूवार को 7 बजे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करेंगे, आप 6 बजे तक समारोह में पहुंच जायें। मैं उनकी कोई बंधुआ मजदूर या नौकर नहीं हूँ, अतः मैंने इस अपमानजनक आमंत्रण को अस्वीकार कर समारोह में नहीं जाने का निर्णय लिया।
- ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि, शेख हसीना से उनके बड़े मधुर व आत्मीय संबंध हैं। वे दुर्गा पूजा व ईद पर गिफ्ट्स (भेंट) का आदान-प्रदान करते आये हैं और यह पहली बार हुआ है कि, बंगाल की मुख्यमंत्री को बंगलादेश के प्र.मंत्री या अन्य महत्वपूर्ण नेता से उनकी भारत यात्रा के दौरान मिलने नहीं बुलाया गया।
- ममता बनर्जी ने प्र.मंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''आपकी मन की बात आपके मन की व्यथा बन जायेगी। क्योंकि, गैर भाजपा मु.मंत्री व नेता, जैसे नीतीश कुमार, हेमन्त सोरेन व अखिलेश यादव अब एक हो गये हैं, भाजपा को हराने में, अतः भाजपा का 280-300 सीट पाने का घमण्ड चूर होगा।

नेताजी को 75 साल इंतजार करना पड़ा अपना उपयुक्त व उचित स्थान पाने के लिये

इस मौके पर प. बंगाल की ममता बनर्जी का समारोह का ''बॉयकॉट'' करना कुछ ओछा ही लगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को देश की आज़ादी की लड़ाई में अपने योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करवाने के लिए पूरे 75 साल इंतजार करना पड़ा।

इस पर भी नेताजी के गृह राज्य बंगाल की वर्तमान सरकार ओछे बहाने बना कर इस कार्यक्रम से दूर हो गई है और बंगाल को इसमे शामिल नही होने दे रह हैं।

सम्मान के इस क्षण में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजनैतिक कार्ड खेला है ताकि केन्द्र में सत्तारूट पार्टी को इस अवसर का राजनैतिक लाभ न मिल सके।

इसे बेहद ओछी हरकत माना जा सकता है। देश की राजधानी में हो रहे प्रतिभा अनावरण कार्यक्रम को कमतर करने के लिए ममता बनर्जी के कोलकाता में एक कार्य किया और बोस की मूर्तिपर माल्यार्पण किया।

उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया कि कही दिल्ली के कार्यक्रम में शामिल नहीं होने से बंगाल की जनता को बुरा न लगे। इससे कोई इन्कार नहीं है कि दिल्ली के कार्यक्रम पर उनकी प्रतिक्रिया असल में देश की आज़ादी के में बोस के योगदान व महत्व को उभारने के प्रयासों का अपमान हैं।

आज़ादी के बाद से ही बंगाल का यह सोच रहा है कि सुभाष चन्द्र बोस को उनके योगदान तथा बलिदान के लिए यथेष्ट राष्ट्रीय सम्मान नहीं मिला। नेहरू गाँधी परिवार के खिलाफ बंगाल में कड़ी जन भावना हैं। ममता बनर्जी का अभिमान और अनदेखी एक अन्य रूप में बंगाल के राजनेताओं के रवैये से मेल खाती हैं।

सच या झूठ तो अलग बात है, लेकिन बंगाली इस तथ्य से भली भांति परिचित हैं कि एक अन्य पूर्ण मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने ध्वाजारोहण के किसी भी कार्यक्रम में शामिल होने से इन्कार कर दिया था। कम्युनिस्टों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को लेकर यह कठोर नारा दिया था कि ''यह झूठा है।''

गणतंत्र दिवस परेड या स्वतंत्रता दिवस के स्मरण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- बंगाल में यह भावना काफी गहरी थी कि, स्वतंत्रता आंदोलन का श्रेय नेहरू-गांधी द्वय को ही मिला तथा सुभाष चन्द्र बोस की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका सदा दबायी गयी। अब जब यह अन्याय दुरूस्त हो रहा था, तो छोटी सी बात पर समारोह का बहिष्कार करना बंगाल की जनता को खलेगा, यह सोच कर ही ममता बनर्जी ने एक दिन पूर्व नेताजी की मूर्ति को माला पहनाकर, जनता को कुछ संतोष दिलाने की कोशिश की।
- प. बंगाल की कम्युनिस्ट पार्टी प्रारंभ से ही, सुभाष बाबू द्वारा जापान व हिटलर की जर्मनी से स्वतंत्रता संग्राम में मदद लेने की आलोचना करती आयी है, परन्तु सोवियत रूस द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के शुरूआती दौर में हिटलर की जर्मनी से गठबंधन करने को, कम्युनिस्ट पार्टियाँ युद्ध की रणनीति का हिस्सा बताकर जायज ठहराती आयीं, पर उनका विरोध किसी राजनीतिक सिद्धांत पर आधारित था, न कि, छोटी-मोटी ''प्रोटोकॉल'' की चूक पर।

मजबूत अर्थव्यवस्था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। भारत सरकार को उम्मीद है कि देश की अर्थव्यवस्था में इस वर्ष 7 प्रतिशत या उससे अधिक वृद्धि होगी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक खबर कहती है कि यह वृद्धि वैश्विक आर्थिक वृद्धि के प्रोजैक्शन्स से दोगुनी से भी अधिक है।

न्यूयॉर्क टाइम्स कहता है कि अर्थव्यवस्था का यह तीव्र विस्तार विपरीत परिस्थितियों में की गईं उन कोशिशों को आंशिक रूप से परिलक्षित करता है, जब अर्थव्यवस्था वैश्विक महामारी के दौरान लगे गहरे झटके से धराशायी हो गई थी और इससे बाध्य होकर मजदूरों ने शहरों से पलायन कर दिया था। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति को भी परिलक्षित करती है, जो वैश्विक ट्रैण्ड्स से आंशिक रूप से ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- न्यूयॉर्क टाइम्स कहता है कि, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और महामारी के झटकों से उबर कर तेजी से आगे बढ़ रही है।

कर्नाटक में भी भाषा विवाद गर्मायेगा?

हालांकि, तमिलनाडू ''हिन्दी थोपने'' के विरोध में दक्षिण भारत में सबसे अग्रणी है, पर कर्नाटक में भी यह आंदोलन सुलगता रहा है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। दूरगामी असर की सम्भावना वाली एक घटना के अन्तर्गत, एक डिस्ट्रिक्ट कन्ज्यूमर ग्रीवेंसेज रिड्रैसल फोरम ने भारतीय स्टेट बैंक को कन्नड़ भाषा में लिखे चैक को ''डिसऑनर'' करने का दोषी ठहराया है, ज्ञातव्य है कि कन्नड़ कर्नाटक राज्य की भाषा है तथा यह बैंक कर्नाटक में ही था। धारवाड़ कन्जूमर फोरम ने बैंक को ''सेवा की कमी'' (डेफिसिएन्सी ऑफ सर्विस) का दोषी ठहराते हुये, स्टेट बैंक पर 85,177रू का जुर्माना लगाया हैं।

वेद्रिराजाचार्य इनामदार, जो अंग्रेजी के व्याख्याता हैं, ने 3 सितम्बर, 2020 को अपने बिजली के बिल के भुगतान के लिये हुबली इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कम्पनी लिमिटैड (एच.ई.एस.कॉम. अर्थात हैसकॉम) के नाम 6000रू का चैक जारी किया था। चूँकि हेसकॉम का खाता कैनरा बैंक में है, इसलिये यह चैक क्लिअरेंस के लिये उत्तर कन्नड़ जिले के हलियाल कस्बे में स्थित एस.बी.आई. ब्रांच में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा कन्नड़ भाषा में लिखे एक चैक को पास नहीं करने से, सुगलती आग को हवा लग गयी है।
- उपभोक्ता कोर्ट ने इस कृत्य को बैंक की गल्ती मान कर बैंक पर पिच्यासी हजार रू. का फाइन लगाया।
- कन्नड़ भाषियों ने इस निर्णय का भारी जोश व उत्साह से स्वागत किया तथा यह भावना फैली कि, बैंक, पी.एस.यू. आदि कन्नड़ भाषी लोगों को अंग्रेजी व हिन्दी भाषी लोगों की तुलना में पूरा सम्मान नहीं देते। अतः इसका राजनीतिक इलाज होना चाहिये।
- अगर कन्नड़ भाषी लोगों के साथ दुर्व्यवहार की यह भावना और पकड़ गयी तो, भाषा विवाद कर्नाटक में भी जड़ पकड़ सकता है।

सी.ए.ए. पर सुनवाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) उदय उमेश ललित और जस्टिस रविन्द्र भट की दो जजों वाली बैंच सिटीज़नशिप (अमैण्डमैण्ट) एक्ट 2019 (सी.ए.ए.) को चुनौती देने वाली 2 सौ से अधिक याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगी। सी.ए.ए. का उद्देश्य पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के प्रवासी लोगों को भारत की नागरिकता देना था।

याचिकाएं तभी से सुप्रीम कोर्ट के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट में सी.ए.ए. को चुनौती देने वाली दो सौ याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई होगी, ये याचिकाएं जनवरी 2020 से लम्बित हैं।

डॉनल्ड ट्रम्प की 2024 के चुनाव में पुनः राष्ट्रपति बनने की संभावना नगण्य नहीं है

ट्रम्प स्वयं भी लगभग कह चुके हैं कि वे पुनः राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ेंगे 2024 में

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। वर्ष 2024 को आने दीजिए। दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र डॉनल्ड ट्रम्प की अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में वापसी देख सकता है और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी की लगातार तीसरी बार वापसी देख सकता है। लोकतंत्रों को वोटिंग के जरिए नेतृत्व परिवर्तन के लिए जाना जाता है। यदि ऐसा है तो डॉनल्ड ट्रम्प अमेरिका का सबसे बड़ा सार्वजनिक पद पुनः प्राप्त कर सकते हैं, हालांकि उन्हें जनवरी 2020 में समाप्त हुए अपने प्रथम राष्ट्रपति कार्यकाल में मनमाफिक प्रतिष्ठा नहीं मिल पायी थी।

इसके विपरीत मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा एक सर्वमान्य पार्टी बनने की हर कोशिश कर रही है, बावजूद इसके कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदायों के कथित ध्रुवीकरण और भाषा एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर समय-समय पर होने वाले हमलों को लेकर उसकी सरकार की व्यापक आलोचना है।

बिखरा हुआ विपक्ष वर्ष 2024 में मोदी को चुनौती देने के लिए मुश्किल से एकजुट होने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस, जो कि पूर्ण रूप से अव्यवस्थित है, कन्याकुमारी से कश्मीर तक की अपनी ''भारत जोड़ो'' पदयात्रा से पार्टी को पुनर्जीवित करने के प्रयास कर रही है। अमेरिका में, ट्रम्प ने घोषणा की है कि अगले राष्ट्रपति चुनाव में वह उम्मीदवार बनेंगे। वे इसमें जीतते हैं या नहीं यह अलग प्रश्न है। वे चाहे कुछ भी सोचे, हाल ही का एक सर्वेक्षण संकेत देता है कि अमेरिका के सिर्फ 30 प्रतिशत वोटर्स ही ट्रम्प को एक बड़े राष्ट्रीय व्यक्तिगत के रूप में देखना चाहते हैं।

एक हालिया प्यु रिचर्स सर्वे से पता चलता है कि 63 प्रतिशत रिपब्लिकन्स का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका अदा करना जारी रखना चाहिए, जबकि सभी डेमोक्रट्स और डैमोक्रेटिक पार्टी के प्रति झुकाव रखने वाले 94 प्रतिशत लोगों का कहना है कि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

जो रिपब्लिकन्स कहते हैं कि ट्रम्प को एक बड़ा राष्ट्रीय व्यक्तित्व बने रहना चाहिए, उनका शेयर सितम्बर 2021 के 67 प्रतिशत से गिरकर अब 63 प्रतिशत पर आ गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- नवीनतम सर्वे के अनुसार, 63 प्रतिशत रिपब्लिकन्स (ट्रम्प की पार्टी को लोग) चाहते हैं कि, ट्रम्प देश की राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका रखें।
- परन्तु फिर भी, अभी केवल 39 प्रतिशत रिपब्लिकन पार्टी चाहती है कि, ट्रम्प स्वयं राष्ट्रपति बने, जबकि बाकी 23 प्रतिशत चाहते हैं कि राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हुए ट्रम्प किसी और उम्मीदवार, जिसके विचार ट्रम्प से मेल खाते हैं, को समर्थन देकर राष्ट्रपति बनवायें।
- जहां तक वर्तमान राष्ट्रपति बाइडन को पुनः राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने की बात है, उनकी पार्टी, डैमोक्रेटिक पार्टी में उनकी उम्र पर चिंता है। बाइडन 79 वर्ष के हो चुके हैं और वे अगर दोबारा चुनाव लड़ कर राष्ट्रपति बने तो उनकी उम्र 82 वर्ष की होगी। साथ ही 2024 में क्या वे अपनी उम्र के कारण, दोबारा सत्ता में आने को तत्पर व आक्रामक, रिपब्लिकन पार्टी की चुनौती का उत्साह पूर्ण जवाब दे सकेंगे।

वासनिक को हटाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने दिल्ली के पूर्व सांसद जय प्रकाश अग्रवाल को मध्यप्रदेश का नया ए.आई.सी.सी. प्रभारी नियुक्त किया है। वह मुकुल वासनिक का स्थान लेंगे।

- कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मध्यप्रदेश के पार्टी प्रभारी का पद मुकुल वासनिक से लेकर पूर्व सांसद जे.पी. अग्रवाल को दे दिया।

कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि वासनिक ने अनुरोध किया था कि उन्हें मध्यप्रदेश की जिम्मेवारी से मुक्त किया जाए, ताकि वह संगठन के अन्य मसलों पर गौर कर सकें।

उन्होंने कहा कि वासनिक ए.आई.सी.सी. महासचिव बने रहेंगे।

विचार बिन्दु

अतिथि जिसका अन्न खाता है, उसके पाप धुल जाते हैं। –अथर्ववेद

क्या राजस्थान स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम, 2022 नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करने व पब्लिक हेल्थ और पब्लिक हेल्थ केयर के कर्त्तव्य को निभाने में सार्थक होगा?

राजस्थान राज्य स्वास्थ्य का अधिकार के हेतु राजस्थान स्वास्थ्य का अधिनियम 2022 लाने का संकल्प लिया है और अपेक्षा की है कि यह कानून राज्य सरकार का क्रान्तिकारी कदम होगा। यह कानून इस धारणा के आधार पर बनाया गया है कि इस कानून से राज्य की जनता को स्वास्थ्य का अधिकार प्राप्त होगा। अधिकारीगण यह बताते हैं कि स्वास्थ्य का अधिकार बिल 2022 में यह व्याख्या है कि यह बिल कानून बनने पर नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करेगा साथ ही संविधान में जो अधिकार दिये हैं जिनकी सहायता से नागरिकों की हेल्थकेयर में सुविधा होगी। नागरिकों को मुफ्त सलाह प्राप्त हो सकेगी, मुफ्त दवायें प्राप्त होंगी, जांच भी वे फ्री करा सकेंगे। इन्हें प्राइवेट अस्पतालों में फ्री इलाज कराने की सुविधा होगी जिन्होंने जमीन के अलॉटमेंट में कन्सेशन प्राप्त किया है। यहाँ यह लिखना भी आवश्यक है कि स्वास्थ्य सेवा या हेल्थ केयर का अर्थ बीमारी की रोकथाम और उपचार है। सार्वजनिक स्वास्थ्य को बीमारी को रोकने का विज्ञान और कला, जीवन को विस्तार देने और पर्यावरण की स्वच्छता के लिये संगठित सामुदायिक प्रयास के माध्यम से स्वास्थ्य और दक्षता को बढ़ावा देने का है।

राजस्थान स्वास्थ्य का अधिकार भारत में अपनी तरह का पहला विधेयक है। इसे राज्य सरकार 2022 में विधान सभा में पेश करेगी। इस बिल की घोषणा तो 2018 के इलेक्शन के समय काँग्रेस ने की थी। यों तो ऐसा कहा जाता है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के विश्लेष्ण से न्यायालयों ने गरिमा से जीने के अधिकार को अच्छे स्वास्थ्य के रूप में मौलिक अधिकार माना है। राज्य का कथन है कि चूंकि संविधान स्वास्थ्य के अधिकार को मौलिक अधिकार नहीं मानता अत: स्थिति स्पष्ट करने हेतु यह अधिनियम 2022 लाया जा रहा है।

राजस्थान स्वास्थ्य का अधिकार बिल को समझने के लिये हमें पब्लिक हेल्थ(लोक स्वास्थ्य) व हेल्थ केयर शब्दों को समझना होगा, इन्हें अधिनियम 2022 में क्रमश: धारा 2(बी) व धारा 2(डी) में Basic Primary Health Care Services o Comprehensive Primary Health Care Services द्वारा परिभाषित किया गया है। यहाँ 'पब्लिक हेल्थ' में Health Emergencies को भी शामिल किया गया है। पब्लिक हेल्थ अधिकारों में सेनीटेशन, पीने का पानी का अधिकार है और नये अधिकारों को कर्त्तव्यों में शामिल करने की सलाह भी दी गई है जैसे सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार आदि। इसके अतिरिक्त विधि (Centre for Legal Policy) ने अपनी यह सलाह अभिव्यक्त की है कि अधिकारियों की Accountability तथा Grievance Redressal Mechanism भी इनमें शामिल हो। विधि ने यह भी वचन दिया है कि इसके प्रावधान, वर्तमान के कानूनों से विरोधाभाषी हो तो इस संबंध में विधान सभा में चर्चा की जावे और पब्लिक हेल्थ व हेल्थ केयर को अलग अलग चेप्टर में बांटा जावे। विधि (सेन्टर फॉर लीगल पोलिसी) जो राज्य की है एक इकाई कही गई है, यह मानती है कि स्वास्थ्य ऑथोरिटी का बिल में उल्लेख मात्र है उसमें उचित संशोधन की आवश्यकता है ताकि उसे कारगर बनाया जावे। विधि मानती है कि Ombdusman की नियुक्ति की जावे वे अपील अधिकारी होंगे।

यह तो सर्वसम्मत विचार है कि स्वास्थ्य का अधिकार व्यक्ति का मूल अधिकार है। अत: स्वास्थ्य के मूल अधिकार पर चर्चा नई नहीं है अपितु इस संबंध में डब्ल्यू.एस.ओ. द्वारा सन 1946 में ही यह स्पष्ट तौर पर कहा गया था कि यह **The highest attainable standard of health as a fundamental Right of every human being.** यह स्पष्ट रूप से माना गया है कि यह मानव अधिकार है, अत: राज्य का कर्त्तव्य है कि जनता के इस मूल अधिकार को मान्यता दे। Safe and portable water, sanitation, food, housing health related information and education तथा Gender Equality सभी मूल अधिकार हैं। कमेटी ऑन इकोनोमिक, सोशल व कल्चरल राइट्स तथा यूनिवर्सल पिरियोडिक रिव्यू में स्वास्थ्य के अधिकार को मूल अधिकार माना है और सभी देशों को सलाह दी है कि वे अपने देश के घरेलू कानून अथवा संवैधानिक लॉ में इसे मूल अधिकार मानें। सतत विकास के लक्ष्यों में स्वास्थ्य का अधिकार मूल अधिकार माना है। सन 1966 की अन्तर्राष्ट्रीय संधि में, जिसका भारत हस्ताक्षर कर्ता है उसमें भी स्वास्थ्य व शिक्षा के अधिकार को स्वीकार किया गया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 की जो व्याख्या माननीय सुप्रीम कोर्ट ने की है, उसमें स्वास्थ्य का अधिकार मूल अधिकार माना है।

योजनायें तो अनेक हैं; किन्तु उनका लाभ कैसे मिले, इसकी कोई उपयोगी प्रणाली नहीं है। मरीज जो प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा रहा है उस अस्पताल को इलाज की फीस कैसे और कितने समय में मिलेगी इसकी व्यवस्था हो। कानून में प्रावधान हो कि प्राइवेट अस्पताल इलाज करने से दुर्भावनावश मना करे तो उस कृत्य की आर्थिक सजा दी जावे।

संविधान के नीति निदेशक तत्वों के अध्याय में विशेषकर अनुच्छेद 38, अनुच्छेद 39(ई) व अनुच्छेद 41, 47 में देश के नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के कानून बनाने की बात की है और संविधान की अनुसूची 11 व 12 में स्वास्थ्य की रक्षा का दायित्व पंचायत व म्यूनिसिपिलिटी पर आरोपित है। अनुच्छेद 23 में स्वास्थ्य का मूल अधिकार इसलिये माना है कि Human Trafficing and Child Labour को निषेधित किया है। हमारे संविधान ने गरिमा मय जीवन यापन के लिये अच्छे स्वास्थ व स्वच्छ पर्यावरण का मूल अधिकार माना है। यह स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है कि स्वास्थ्य का अधिकार मूल अधिकार है और जब यह मूल अधिकार है तो फिर न्यायालयों में भी प्रवर्तनकारी है।

स्वास्थ्य का अधिकार अनन्त कथा के समान है सर्वोत्तम अधिकार है और राज्य का कर्त्तव्य है नागरिकों के इस मूल अधिकार की सुरक्षा की व्यवस्था करे। जो राज्य संवैधानिक कर्त्तव्यों की पालना नहीं कर सकता उसके विरूद्ध अनुच्छेद 356 की कार्यवाही की जा सकती है।

उपरोक्त कथन के अनुसार लेखक का अपना दृष्टिकोण है कि हमें अलग से स्वास्थ्य का अधिकार संबंधित कानून बनाने की आवश्यकता ही नहीं है। राजस्थान स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम 2022 जो विधान सभा से पारित कराया जावेगा उसमें विधि (Centre for Legal Policy) के अनुसार कई खामियां हैं उन्हें सुधारना होगा, संशोधन करना होगा। जनता ने भी सुझाव दिये हैं उन्हें भी चर्चा में शामिल करना होगा।

सर्वोच्च न्यायालय ने कई निर्णयों में यह दिशा निर्देशन दिया है कि कानून साधारण भाषा में होना चाहिये जो सरल और स्पष्ट हो और उद्देश्य पूरक हो। यदि हम राजस्थान स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम 2022 को पढ़ें तो पढ़ने मात्र से यह बोध जनित नहीं लगेगा। धारा 2 में जो परिभाषायें दी हैं वे असंगत हैं, भावहीन हैं और संभवत: अग्राहय हैं। इनकी कोई आवश्यकता ही नहीं थी। Basic Public Health o Health Care Services से यह अर्थ निकलता है कि ये सेवा में केवल Health & Wellness सेन्टर्स पर ही प्राप्त होंगी और Out Patient Services वे होंगी जो समय समय पर परिभाषित की जावेंगी। यानी यदि सेन्टर ही स्थापित नहीं किये गये तो सेवा कैसे दी जा सकती है? अर्थात् सेवा संभव नहीं है। Out Patient Services वे हैं जो समय समय पर परिभाषित होंगी यानी पहली बार परिभाषित सेवा के बाद यदि शीघ्र ही सेवा परिभाषित नहीं की गई तो यह सेवा ही नहीं रहेगी। धारा 2(ए) में Out Patient Services शब्द को परिभाषित किया है जबकि स्वास्थ्य का अधिकार तो मूल अधिकार है, उसे बांधा नहीं जा सकता। अनुच्छेद 19(2) के अनुसार Affordable को अनुच्छेद 19(2) के अपवादों में नहीं लाया जा सकता है। कोई भी Catastrophic House hold Health Care की परिभाषा के अनुसार मूल्यांकन नहीं कर सकता, इसमें बहुत पेच हैं। फिर एक साधारण पढ़ा-लिखा व्यक्ति जिसे स्वास्थ्य का अधिकार तो प्राप्त है, किन्तु खर्चों का मूल्यांकन उसके बस की बात नहीं है। यह तो कुछ परिभाषाओं पर ही प्रकाश डाला है, किन्तु अन्य शब्दों व शब्दावली की स्थिति यही है कि वे असंगत व बेमानी है। Health Care Establishment राज्य में कहाँ हैं? प्राइवेट हॉस्पिटल राज्य में कितने हैं और कितनों ने भूमि पर कन्सेशन प्राप्त किया है? ऐसे हॉस्पिटल नगण्य ही मिलेंगे।

स्वास्थ्य का अधिकार जिन नागरिकों के प्राप्त होगा वे बीमा शुदा होने चाहिये, क्योंकि बिना बीमा कवर के कोई भी नागरिक स्वास्थ्य के अधिकार का लाभ नहीं ले सकता। वर्तमान में केन्द्र की तथा राज्य की स्वास्थ्य संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनायें हैं, फिर क्यों इस अधिनियम 2022 की आवश्यकता है?

क्या यही अच्छा होता स्वास्थ्य का अधिकार बिना किसी बंधन के, कंडीशन के तथा शर्तों के होना चाहिये। एक विज्ञप्ति में ही इसे बांधा जा सकता है। कमेटियां बनाने की आवश्यकता नहीं है। प्राइवेट अस्पतालों पर, वे ही जिन्होंने कन्सेशन पर जमीन प्राप्त की है वहीं स्वास्थ्य का अधिकार प्रवर्तनीय होगा। वस्तुस्थिति यह है कि राज्य में न तो आवश्यकता के अनुसार अस्पताल हैं और न यह मरीज को पता है कि वह किस अस्पताल में अपने अधिकार को प्रवर्तनीय बना सकता है और कैसे।

उचित तो यह होगा कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य का अधिकार बिना किसी शर्त, प्रतिबंध, फीस आदि के प्राप्त हो। राज्य स्तर पर प्रत्येक नागरिक का पंजीयन हो। राज्य का एक अपना विभाग हो इसके कर्मचारी घर घर जाकर रोगी को स्वास्थ्य का अधिकार के तहत् प्राइवेट अथवा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराये या उनका डॉक्टर की सलाह के अनुसार उपचार करायें। भूमि का कन्सेशन प्राप्त करने वाले अस्पतालों की संख्या बहुत कम है और वर्तमान में जो योजनायें लागू हैं, उनके कारण उक्त कन्सेशन की सुविधा प्राणहीन हो गई है। योजनायें तो अनेक हैं; किन्तु उनका लाभ कैसे मिले, इसकी कोई उपयोगी प्रणाली नहीं है। मरीज जो प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा रहा है उस अस्पताल को इलाज की फीस कैसे और कितने समय में मिलेगी इसकी व्यवस्था हो। कानून में प्रावधान हो कि प्राइवेट अस्पताल इलाज करने से दुर्भावनावश मना करे तो उस कृत्य की आर्थिक सजा दी जावे। उपरोक्त प्रक्रिया से लोगों को रोजगार भी मिलेगा तथा मरीज को उपचार भी सही प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का अधिकार सबको प्राप्त हो, त्वरित हो, नि:शुल्क हो और सुगम तथा सुलभ हो, इसका संवैधानिक दायित्व राज्य का है। संविधान का भी यही निर्देश है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भव्य भारत की गौरव गाथा लिखने वाले प्रधानमंत्री

वासुदेव देवनानी

नरेन्द्र मोदी देश को प्रगति के पथ पर ले जाने वाले और भारतीय संस्कृति में रचे-बसे भव्य भारत के स्वन्दृष्टा प्रधानमंत्री है। उनके सार्वजनिक जीवन के दो दशकों की उपलब्धियों और प्रखर व्यक्तित्व पर जाएंगे तो पता चलेगा कि कैसे किसी व्यक्ति की उदात्त दृष्टि और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता के साथ दिल जीतने की कला से देश में युग परिवर्तन हो सकता है।

यह बहुत महत्वूर्ण है कि मोदी के व्यक्तित्व पर भारत रत्न और स्वर कोकिला स्व. लता मंगेशकर ने प्रार्थना के स्वरों में कहा है कि नरेन्द्र मोदी ने देश की विकास यात्रा को जन आंदोलन बनाने का महती कार्य किया है।

पिछले कुछ समय के दौरान धर्म, अध्यात्म, सामाजिक और राजनीतिक, खेल, संस्कृति, अर्थशास्त्र आदि लगभग सभी क्षेत्रों के मर्मज्ञ विद्वानों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 20 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के कार्यकाल की बेबाक खुले मन से सराहना की है। उनका व्यक्तित्व मानवीय क्षमताओं से देश की पुरानी, ढर्रे से चली आ रही और जड हो रही स्थितियों को बदलने वाला है। विश्व भर में प्रसिद्ध अध्यात्म गुरू सद्गुरू प्रधानमंत्री को 'नरेन्द्र भाई' कहते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आरम्भिक संघर्षों को निकट से देखा है। इसीलिए वह जोर देकर कहते हैं कि नरेन्द्र मोदी ऐसे राष्ट्रीय नेता हैं जिन्होंने संघर्ष की जमीन से भारतीय लोगों का विश्वास अर्जित किया है। डॉ. देवी शेट्टी ने महामारी से जूझने के उनके जज्बे को व्याख्यायित करते हुए कहा है कि कोविड की महामारी में प्रधानमंत्री ने देश के लोगों का विश्वास कायम रखते इससे निपटने की प्रभावी रणनीति पर कार्य किया।

अजित डोभाल, मनोज लड्वा, भरत बलाई और एस.जयशंकर के अनुसार नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत के साथ विदेशों में भी अपनी रणनीति से दिल जीतने के कार्य किया है। उनकी विदेश नीति देश को वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने वाली है।

ओलम्पिक खिलाड़ी पी.वी. सिंधु ने उनके बारे में लिखा है कि युवाओं के लिए वह युवाओं की तरह सोचने वाले प्रधानमंत्री हैं। इसीलिए उन्होंने डिजिटल मीडिया और संचार की समकालीन प्रणाली राष्ट्र को प्रदान की। नंदन निलकेणी ने भी प्रौद्योगिकी से श्री मोदी के जुड़ाव के साथ शासन में इसके समुचित प्रयोग पर कहा कि वह सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के जरिए परिवर्तन की नई राहों के अन्वेषक हैं।

शोभना कमिनेनी ने कहा है कि वह महिला सशक्तिकरण को व्यवहार में परिणत करने वाले प्रधानमंत्री हैं। इसी तरह देश में निजी क्षेत्र की भूमिका के साथ सार्वजनिक क्षेत्रों के विकास पर उदय एस. कोटक ने लिखा है कि निजी क्षेत्र को अटूट समर्थन देते हुए देश में प्रमुख आर्थिक सुधारों का शुरूआत नरेन्द्र मोदी की विशिष्ट सफलता है।

अर्थशास्त्री सुरजीत एस. भल्ला ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में मोदी को एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में देखते हुए उनकी आर्थिक समझ को बहुत गहरा बताया है। इसी तरह अरविंद पनगढ़िया ने कहा है कि वह जैसा चाहते हैं, वैसा परिणाम प्राप्त करने वाले आर्थिक विषयों के भी मर्मज्ञ ज्ञाता है। डॉ. शमिका रवि ने आधार कार्ड, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत, कोविड महामारी से बचाव की रणनीति आदि के अंतर्गत जन समान्य के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों के पीछे नरेन्द्र मोदी की निर्णय क्षमता और आम जन से जुड़ी सोच को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि वह चुपचाप बहुत सारा ऐसा करते हैं, जो देश में क्रांतिकारी परिवर्तन लाता है।

सुधामूर्ति ने नरेन्द्र मोदी को बड़े व्यक्तित्व का बड़ा वृक्ष कहते हुए उनके ऐसे कार्यों की विरल व्याख्या की है जिनके अंतर्गत आम व्यक्ति के जीवन को दिशा मिलती है।

भारत के समृद्ध कृषि क्षेत्र के अंतर्गत नरेन्द्र मोदी के योगदान को अशोक गुलाटी ने गहराई से विवेचित किया है।सुप्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर ने कहा है कि कैसे सामान्य परिस्थितियों में असाधारण किया जा सकता है, यह मोदी से सीखा जा सकता है। प्रदीप गुप्ता ने नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले और बाद के आंकड़ों के आकलन में चुनाव जीतने की उनकी कला के अंतर्गत यह निरंतर स्थापित किया है कि कैसे मोदी महात्मा गांधी की तरह दिल जीतते हुए कार्य करते हैं

नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उठाए कदमों के बारे में अनंत नागेश्वरन ने बहुत महत्वपूर्ण बात यह कही है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के द्वारा देश में अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण और विकास के स्थायी मॉडल के लिए नरेन्द्र मोदी ने जो किया है, उसके दूरगामी परिणाम आएंगे।

सुप्रसिद्ध लेखक अमिश त्रिपाठी ने कहा है कि सांस्कृतिक लोकाचार को पुनर्जीवित करके नरेन्द्र मोदी ने भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर फिर से स्थापित किया है।

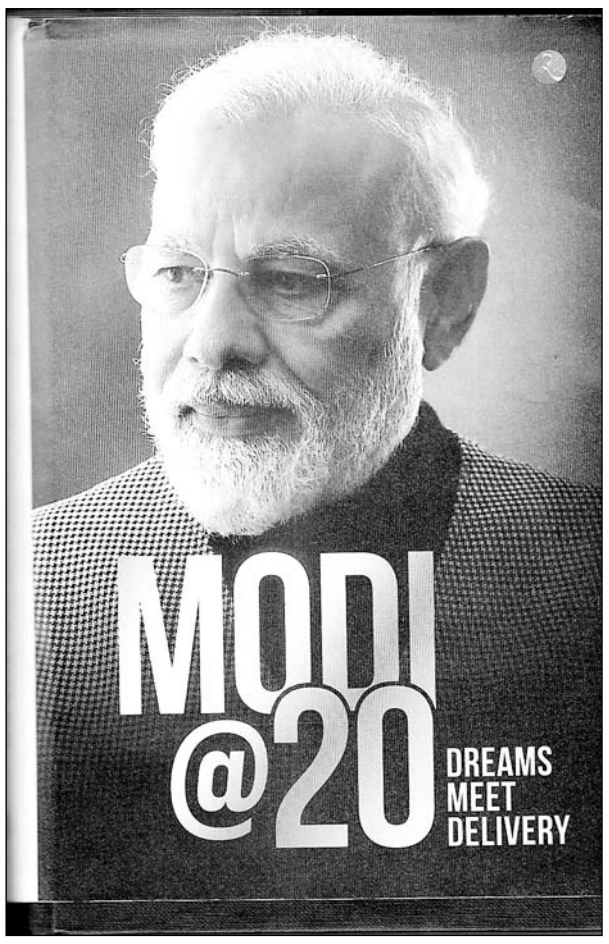

यह सच है कि नरेन्द्र मोदी का जीवन राजनीतिक व्यक्तित्व भर नहीं है, बल्कि सभी क्षेत्रों के लोगों को प्रेरणा देने वाला है। इसीलिए किसी एक क्षेत्र के विषय विशेषज्ञ नहीं बल्कि सभी उनकी कार्यप्रणाली की सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के अंतर्गत यह भी पता चलता है कि कैसे एक व्यक्ति के रूप में उनका का पूरा जीवन शुचिता, त्याग और मनसा-वाचा-कर्मणा से पवित्रता से भरा है। व्यक्तिगत मैं यह मानता हूं कि नरेन्द्र मोदी ने समृद्ध, संपन्न और तेजी से विकास की ओर अग्रसर भारत के स्वप्नद्रष्टा के रूप में जो कार्य किया है, उसके बारे में जितना कहा जाए उतना ही कम होगा।

वासुदेव देवनानी
प्रदेश संयोजक-'मोदी/20'
कार्यक्रम

क्रिस्टल का 5 मिमी ताजमहल बनाया

- **राजस्थान लघु उद्योग निगम अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने हुसैन को यह सर्टिफिकेट सुपूर्द किया**
- **क्रिस्टल शिल्पकार वकार हुसैन ने ताजमहल बनाकर रिकॉर्ड अपने नाम किया**

उदयपुर, (कासं)। जिले के अंतरराष्ट्रीय क्रिस्टल शिल्पकार वकार हुसैन पिता एजाज हुसैन ने क्रिस्टल से 5 मिलीमीटर आकार का ताजमहल बनाकर रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उनका नाम '21 सेंचुरी इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड' में दर्ज किया गया है।

गुरुवार को राजस्थान लघु उद्योग निगम अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने हुसैन को यह सर्टिफिकेट सुपूर्द किया एवं शुभकामनाएं दी। अरोड़ा ने शिल्पकार वकार हुसैन को पाग एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया एवं उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। इस दौरान कलाकार वकार हुसैन ने अब तक विभिन्न मंचों पर मिले सम्मान की जानकारी अरोड़ा को दी। कलाकार वकार हुसैन ने बताया कि इस 5 मिलीमीटर के ताजमहल को बनाने में 3 महीने का समय लगा है। शिल्पकार वकार हुसैन पिता एजाज हुसैन ने क्रिस्टल से 5 मिलीमीटर आकार का ताजमहल बनाकर रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उनका नाम '21 सेंचुरी इंटरनेशनल बूक ऑफ रिकॉर्ड' में दर्ज किया गया है।

राजस्थान प्री-वैटरनरी टेस्ट 11 को

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय में स्नातक (बी. वी. एससी. एण्ड ए. एच.) पाठ्यक्रम वर्ष 2022-23 में प्रवेश के लिए 11 सितम्बर को होने वाले प्री-वेटरनरी टेस्ट की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर निगरानी के लिए विश्वविद्यालय द्वारा पर्यवेक्षक और सहायक पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। परीक्षा के आकस्मिक निरीक्षण के लिए उड़न दस्तों का गठन किया गया है। आर.पी.वी.टी. समन्वयक प्रो. ए.पी. सिंह ने बताया कि बीकानेर (10), जयपुर (5) और उदयपुर (5) के 20 निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर लगभग 8158 अभ्यर्थी इसमें शामिल होंगे। सभी अभ्यर्थियों को ऑनलाइन प्रवेश पत्र जारी किये गए हैं। परीक्षार्थियों को प्रात: 9:30 बजे तक ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जायेगा।

अपने आत्म स्वरूप में रमण करना उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म

वर्षा अजमेरा

अध्यात्म-मार्ग में ब्रह्मचर्य को सर्वश्रेष्ठ माना गया है , क्योंकि सही मायने में वही मोक्ष का कारण है। 'ब्रह्म' यानि 'आत्मा' और 'चर्या' यानि 'रमण करना' अर्थात् समस्त विषयों में अनुराग छोड़कर अपने आत्म-स्वरूप में रमण करना या लीन रहना ही सच्चा- ब्रह्मचर्य है। उत्तम ब्रह्मचर्य व्रत में सब प्रकार के राग- द्वेष त्याग कर अपने आप में रमण करना और अपनी आत्मा का साक्षात्कार करना यह मुख्य लक्ष्य होता है। इसे 'अणुव्रत' और 'महाव्रत' दोनों ही रूप से ग्रहण किया जाता है। 'उत्तम-ब्रह्मचर्य' तो नग्न- दिगम्बर भावलिंगी-मुनियों को ही होता है। ब्रह्मचर्य धर्म हमें सिखाता है कि उन परिग्रहों का त्याग करना, जो हमारे भौतिक संपर्क से जुडी हुई हैं, जैसे जमीन पर सोना न कि गद्दे तकियों पर, जरुरत से ज्यादा किसी वस्तु का उपयोग न करना, व्यय, मोह, वासना ना रखते हुए सादगी से जीवन व्यतीत करना।

सच्चा ब्रह्मचारी कौन हैं? जो शरीर को मल का बीज मानता हुआ देखता हुआ, उसे अत्यंत वीभत्स और अपवित्र वस्तुओं का भंडार देखता हुआ जो काम से विरत होता है, वही सच्चा ब्रह्मचारी होता है। तो अपनी दृष्टि चर्म से ऊपर उठाओ, ये ऊपर का चर्म का आकर्षण हैं, थोड़ा इसके भीतर देखो, एक परत उखड जाये तो अंदर क्या हैं। जिस दिन हमारे भीतर में यह बात समझ में आ जाएगी, उस दिन हमें फिर किसी के प्रति आकर्षण नहीं होगा। जीव के परिणामों में अंतर आता है तो उसके कर्म-बंधन में भी अंतर आता है। वास्तव में देखा जाये, तो जिसका शील सुरक्षित है, उसके सब व्रतादिक 'सहज' और 'कार्यकारी' हैं। और जिसका शील सुरक्षित नहीं है, उसके व्रत-तप आदि सब निस्सार हैं।

आचार्य सकलकीर्ति जी महाराज कहते है कि मनुष्य के सभी उत्तम गुणों में ब्रह्मचर्य व्रत श्रेष्ठ है । ब्रह्मचर्य को सभी सिद्धियां होती है । ब्रह्मचर्य व्रत के बिना अन्य सभी व्रत शून्य के समान सारहीन समझना चाहिए ।

ब्रह्मचारी सदा शुचि: पवित्र होता है यह सर्वत्र पूज्य है। जीवदया, इन्द्रियदमन, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, सम्यग्दर्शन, ज्ञान, तप- ये सब 'शील का परिवार' है। हम सब भी इस शील के परिवार के सदस्य बनकर 'उत्तम-ब्रह्मचर्य-धर्म' को धारण करें- ऐसी मंगल भावना है। हमारे जीवन में ब्रह्मचर्य धर्म का बहुत महत्व है ।

वर्षा अजमेरा
दुर्गापुरा,
जयपुर

राशिफल शुक्रवार 9 सितम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, धनिष्ठा नक्षत्र दिन 11:35 तक, सुकर्मा योग सांय 6:11 तक, गर करण प्रात: 7:38 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 1:46 से आरम्भ होगा। भद्रा सांय 6:08 से रात्रि 4:48 तक रहेगी। आज अनन्त चतुरदशी व्रत, चान्द पूर्णिमा व्रत, सिंजामाता पूजन आरम्भ और पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:46 तक, लाभ-अमृत 7:46 से 10:51 तक, शुभ 12:24 से 1:57 तक, चर 5:03 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:55

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

मानसिक तनाव बना रहेगा। मन:स्थिति ठीक नहीं रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार अपने गांव 'किठाना' आए

चिड़ावा/झुंझुनूं, (निसं)। देश के उपराष्ट्रपति और के किठाना गांव में जन्में जगदीप धनखड़ बुधवार को अपने गांव किठाना पहुंचे। वे उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार अपने गांव पहुंचे थे। यहां हैलीकॉप्टर से सपरिवार पहुंचे धनखड़ का जिले की प्रभारी मंत्री ममता भूपेश ने स्वागत किया। अपने संबोधन में धनखड़ ने कहा कि जिस गांव में जन्म लिया, जहां नींव बनी, वहां भाषण देना बहुत मुश्किल है।

उन्होंने राजस्थानी अंदाज में महिला सशक्तिकरण पर स्थानीय भाषा में कहा कि- सो क्यूं बदळ ग्यो। यो बदलाव देश में ऊपर ताणी ह। उनका ईशारा मंच पर बैठी नारी शक्ति धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, प्रभारी मंत्री ममता भूपेश, जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, चिड़ावा प्रधान इंदिरा डूडी, सरपंच सुभीता की तरफ था। उन्होंने कहा कि आज देश में राष्ट्रपति पद को भी महिला सुशोभित कर रही हैं। उन्होंने अपने बचपन को याद करते हुए कहा कि छठी कक्षा के बाद लंबी दूरी तय करके स्कूल जाना पड़ता था। लेकिन आपके आशीर्वाद से इस मुकाम पर पहुंचा हूं। उन्होंने कहा कि देश में हालात बेहतर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई दिन ऐसा नहीं गया है जब किसान, गरीब, अजा-अजजा के व्यक्ति की और किठाना गांव की बात मेरे दिल में ना हो।

उन्होंने कहा कि मैं इस मिट्टी को नमन करता हूं, मैं इसी मिट्टी का लाल हूं। जो कुछ भी हुआ उसका एक ही कारण है- शिक्षा। धनखड़ यदि उन्हें सैनिक स्कूल में स्कॉलरशिप नहीं मिली होती, तो हालात कुछ और होते। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा जोर पढ़ाई पर दीजिए। धनखड़ ने कहा कि बच्चों पर तनाव मत डालें, उन्हें जो वे करना चाहें, करने दीजिए।

देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ (बीच में) का किठाना गांव में स्वागत किया।

- बोले-किठाना मेरे दिल में है, मैं जो कुछ भी हूं किठाना की वजह से हूं
- उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि जिस गांव में जन्म लिया, जहां नींव बनी, वहां भाषण देना बहुत मुश्किल है
- उपराष्ट्रपति ने शिक्षा पर दिया जोर, जलवायु परिवर्तन पर भी जताई चिंता

उन्होंने कहा कि आज जो लोग उद्योग, व्यापार में आगे बढ़ रहे हैं, उनमें से अधिकांश साधारण पृष्ठभूमि से हैं। धनखड़ ने मौजूद जनसमूह को प्रेरित करते हुए कहा कि अपनी प्रतिभा को उजागर करें। गांव के बालक-बालिकाएं शुरु में हिचकिचाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद सबकुछ उनकी मुट्ठी में होता है। उन्होंने कहा कि किठाना गांव मेरे दिल में बसता है। मैं जो कुछ हूं किठाना गांव की बदौलत हूं। किठाना गांव के पराक्रम और बुजूर्गों के आशीर्वाद की बदौलत यहां तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि बदलते भारत के हिस्से के रूप में मैं किठाना को देखना चाहता हूं। जिसमें सभी लोग गैर राजनैतिक चश्में से देखते हुए मेरी इस परिकल्पना में साथ दें। यहां के विकास और शिक्षा में कोई कमी नहीं रहने दूंगा। उन्होंने अपने दिल का दर्द भी ठ्ठामीणों के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से उनकी गाड़ी के शीशे नीचे नहीं होते। वरना उन्हें भी अच्छा लगता है कि वे शीशे उतारकर सभी से मिले। सभी का अभिवादन करें। यही नहीं उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे मुझे सूचना देकर कभी भी मिलने आए और कितनी भी संख्या में आए। क्योंकि सुरक्षा की दृष्टि से ही पहले अपाइंटमेंट का सिस्टम है। इसलिए उसे समझे। यह मुझे भी समस्या लगती है। लेकिन सुरक्षा के लिए अपनाए गए सिस्टम में मैं सहयोग दूंगा तो सभी मेरा भी सहयोग करें।

उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास की जड़ गांव में है। यदि गांव में हर व्यक्ति योजनाओं का फायदा लेकर योगदान देता है तो देश की अर्थव्यवस्था बहुत दूर तक जाएगी। उन्होंने जोहड़ों की हालत पर चिंता जताई और कहा कि हमें पौधारोपण, कृषि क्षेत्र की तरफ ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेतों की मेड़ पर पेड़ लगाने को जनआंदोलन बनाना चाहिए। इससे जलवायु परिवर्तन के संकट का हल मिलेगा। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी हूं, किठाना की वजह से हूं। गांव के किसी भी बालक-बालिका की पढ़ाई धन के अभाव में बाधित नहीं होगी। उन्होंने किठाना गांव को आदर्श गांव बनाने की कामना करते हुए कहा कि यह सभी के सहयोग से ही संभव होगा। सभा में मंच पर सांसद नरेंद्र खीचड़, जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, चिड़ावा प्रधान इंदिरा डूडी, किठाना सरपंच सुभीता भी मौजूद रहीं। वहीं उनके निजी आवास पर आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन रणदीप धनखड़, सूरजगढ़ विधायक सुभाष पूनियां मौजूद रहे।

इससे पहले उन्होंने महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के भवन का शिलान्यास किया। इस दौरान जिले की प्रभारी मंत्री ममता भूपेश और पिलानी विधायक जे.पी. चंदेलिया भी मौजूद रहे। इससे पहले उन्होंने बालाजी मंदिर जोडिया और ठाकुर जी मंदिर किठाना में सपरिवार दर्शन किए और मंगलकामना की।

छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

सादुलपुर, (निसं)। स्थानीय मोहता पी.जी. महाविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव निर्वाचन के पश्चात छात्रसंघ नवनिर्वाचित पदाधिकारियों, अध्यक्ष दीपक पूनियां, उपाध्यक्ष आफताब, महासचिव निखिल भाटी व संयुक्त सचिव माजिद के महाविद्यालय परिसर में स्थित छात्रसंघ कार्यालय का विधिवत उद्घाटन पुलिस अधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा सीआई राजगढ के मुख्य आतिथ्य, प्राचार्य डॉ. पी.एस. राठौड की अध्यक्षता तथा तहसील के अनेक प्रमुख भाई-चारा को बढावा देने वाले समाज सेवियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में देवेंद्र पूनियां, एडवोकेट चरण सिंह पूनियां, एडवोकेट राकेश राघा छोटी, किसान नेता सुनील पूनियां, हरपाल आदि रहे। मुख्य अतिथि बलौदा ने पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हे विद्यार्थियों के कल्याण में हरसंभव प्रयास के लिए प्रेरित किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अरविन्द गौड ने आगन्तुको का आभार व्यक्त किया। छात्रसंघ अध्यक्ष दीपक पूनियां में बताया कि शिक्षा और संघर्ष के नारे के साथ छात्र संघ काम करेगा तथा छात्रों की शिक्षा के लिए हम संघर्ष करेंगे। इसी दौरान बीकानेर विश्विद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अजित सिंह, कृष्ण भाकर, मुनेश पूनियां, नरेंद्र ढाका, विजय पूनियां, बिल्कूपाल पायल, अमित पायल, कुलदीप फौजी, कृष्ण भोजानिया, विकाश राहड, अरविंद डीसा, पवन डोकवा, हरीश बैरासरिया, पवन पूनिया गागडवास, संदीप लूटना, अजमेर, विजेंद्र थान मठुई, यशवीर सूरतपुरा, दिनू पूनिया धनोठी बडी, योगेश झुरिया, सुनील महला, हेमन्त सैन, अमित शर्मा, जितेंद्र दाधीच, अरविंद आदि उपस्थित रहे।

सार-समाचार

पदयात्रा का आयोजन किया

तारानगर, (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित की जा रही भारत जोड़ो यात्रा के अन्तर्गत गुरुवार को तारानगर में अम्बेडकर सर्किल से अहिंसा सर्किल तक पद यात्रा का आयोजन किया गया। इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि मुंशी खाँ तेली ने कहा कि देश में फेल रहे नफरत के माहौल को तथा विकराल रूप धारण कर रही मंहगाई के खिलाफ अपने विचार रख अंग्रेजों के खिलाफ गांधी द्वारा चलाए गए अभियान की तर्ज पर ही राहुल गांधी ने ये शुरुआत की है। देश में बढ़ती मंहगाई व बेरोजगारी और को खत्म करने के लिए कांठोस पार्टी का साथ देने में ही देश ओर देशवासियों की भलाई है। इस मौके पर पार्षद बाबू हुसैन कुरैशी, बूंदे खाँ लुहार, दीपक सोनी जयनारायण सहारण, सरीफ लुहार, प्रवीण सहारण, दिनेश सैनी सहित सेंकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

वाकपीठ का आयोजन

खेतड़ी, (निसं)। मेहाड़ा के देवनारायण बालिका आवासीय विद्यालय में गुरुवार को दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संस्था प्रधान वाकपीठ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएम सलाहकार व क्षेत्रीय विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि सीबीईईओ जितेंद्र सुरोलिया, राजेश खटाना, सरपंच प्रकाश अवाना थे। जबकि अध्यक्षता पूर्व प्रधान मदनलाल गुर्जर ने की। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने सर्वप्रथम शिक्षा की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षक ही बच्चे का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं। माता-पिता बच्चे को अंगुली पकड़कर चलना सिखा सकते हैं। लेकिन बच्चे की जिंदगी संवारने मे शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इस दौरान उपस्थित संस्था प्रधानों ने विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया। इस मौके पर होशियारसिंह, सरजीत स्वामी, निहाल सिंह, चुन्नीलाल, जिलेसिंह, शेरसिंह कृष्णियां, विद्या, रोहिताश्व, रामकुमार सिराधना, माया सांगवान, पूनम बोछवाल, सनोज मान, चंद्रप्रकाश शर्मा, प्रदीप मेहरड़ा, ब्रह्मानंद दोचानिया, जगबीर सिंह, फूलचंद मीणा, मुकेश मीणा सहित अनेक लोग मौजूद थे।

विश्व साक्षरता दिवस मनाया

झुंझुनूं, (निसं)। मंडावा रोड स्थित डूंडलोद पब्लिक स्कूल में विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक लघु नाटिका 'शिक्षित व्यक्ति, खुशिया अपार' का मंचन किया गया। प्राचार्य डॉ. सतबीर सिंह ने विद्यार्थियों का आव्हान किया कि वे मन लगा कर पढ़ाई करें, ताकि उनके अंदर बंद विद्यारूपी खजाने को खोला जा सके। उन्होंने कहा कि पढ़ा-लिखा व्यक्ति दूसरों पर बोझ नहीं बनता। वह एक सफल जीवन जीता है। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थी मानवजीत, अंशुल कक्षा 9वीं एवं शिक्षक अरूल राज ने अपने विचार प्रकट किए।

अस्मिता व पल्लवी जांगिड़ का चयन

झुंझुनूं, (कासं)। स्थानीय सेठ मोतीलाल (पीजी) महाविद्यालय में अध्ययनरत दो छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से आईसीआईसी आई बैंक के रिलेशनल ऑफिसर के रूप में चयन हुआ है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. डीएस रूहेला ने बताया कि 24 अगस्त को एनआईआईटी गुरूग्राम के माध्यम से महाविधालय में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए 91 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 20 अभ्यार्थी प्रथम लेवल में पास हुए। अंतिम चरण के बाद महाविद्यालय में अध्ययनरत अस्मिता शेखावत बीकॉम भाग तृतीय व पल्लवी जांगिड़ एमएससी गणित की छात्रा का चयन हुआ। छात्राओं के इस चयन पर महाविद्यालय प्रबंध समिति ने बधाई प्रेसित की है व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

रोहन जानू नीट-यूजी में चयनित

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के इंदिरा नगर निवासी रोहन जानूं ने नीट यूजी में सामान्य श्रैणी में 197वीं रैंक हासिल की है। रोहन बचपन से ही होनहार विद्यार्थी रहा है। रोहन की प्रारंभिक शिक्षा सीतसर झुंझुनूं में टैगोर स्कूल में हुई है तथा रोहन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा जगदीश चंद्र एवं दादी सुशीला को दिया है। रोहन के पिता डॉ. अभिजय जानूं नैत्र रोग विशेषज्ञ हैं। माता सुनिता जानूं ने प्रतिदिन तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। वहीं कारी निवासी अंकिता कुमारी पुत्री सुभाषचंद्र ने नीट में एससी वर्ग में 466वीं रैंक हासिल की है। अंकिता की सामाजिक संस्था एफर्ट्स ने स्कॉलरशिप के द्वारा मदद की थी। उन्होंने ऑल इंडिया में 26303वीं रेंक हासिल की है। अंकिता के पिता सुभाषचंद्र मजदूरी करते हैं तथा मां गृहिणी है। इस अवसर पर एफर्ट्स सदस्य व्याख्याता राजेश, डॉ. महेश माहिच एवं सीताराम बास बुडाना ने बधाई देकर खुशी जाहिर की।

व्याख्याता अंजू का सम्मान

झुंझुनूं, (कासं)। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के कारण राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2022 में राज्य सरकार द्वारा राउमावि उदयपुरवाटी की व्याख्याता अंजू कुमारी का चयन किया गया। इन्हें विभाग द्वारा शिक्षक दिवस पर सम्मानित किया गया।

सार-समाचार

जसौल धाम यात्रा रवाना

रतनगढ़, (निसं)। स्थानीय वार्ड संख्या 41 से तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा पर रतनगढ़ से जसौल धाम यात्रा संघ गुरुवार को माता के जयकारे के साथ रवाना हुआ। यात्रा आयोजन समिति के लादूसिंह शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिवसीय यात्रा में यात्रा दल बालोतरा के जसौल धाम, नागणेची धाम, ओम बन्ना धाम, पुष्कर सरोवर धाम, मेड़ता मीराबाई धाम, गुसाईं जी महाराज, हरीराम बाबाझोरड़ा धाम की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे। इस अवसर पर मान सिंह शेखावत, मुन्ना जांगिड़, गुड्डु जांगिड़, तिलोक कम्मा, किसनलाल प्रजापत, रणवीर सिंह शेखावत, प्रदीप सिंह शेखावत, पूर्णमल कम्मा, कल्याण सिंह, लिछु कम्मा, राजु सिंह, विजय जोशी, राजकुमार कम्मा, लीलाधर कम्मा, हड़मान स्वामी,पदम सिंह, छेलू सिंह आदि सहित अनेक धर्मश्रद्धालू उपस्थित थे।

पशुओं को चिकित्सा उपलब्ध कराई

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ नागरिक परिषद व पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जालान जन कल्याण ट्रस्ट कोलकोता के मुख्य ट्रस्टी पवनकुमार प्रदीप कुमार जालान के आर्थिक सौजन्य से गौ माता में फैली लम्पी स्किन डिसीज से पीड़ित निराश्रित व गरीब पशु पालकों के गोवंश का इलाज एवं बीमारी की रोकथाम के लिए गत एक माह में कुल 5030 पशुओ की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। जिस पर 68,711 रुपयों की दवा ट्रस्ट ने प्रदान की है। रतनगढ़ शहर व गांवो में बीमारी से ठास्त पशुओ का इलाज कर टिके, दवाईया व घावों पर मल्हम पट्टी की गई। परिषद के मुख्य प्रतिनिधि एडवोकेट रजनीकांत सोनी ने बताया कि एम एन पी जालान सेवा ट्रस्ट के सहयोग से इस बीमारी से पीड़ित निराश्रित व गरीब पशुपालको के गोवंश का इलाज अभी जारी रहेगा।

62वीं बार रक्तदान किया

सुजानगढ़, (नि.सं)। टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार ने निजी अस्पताल में भर्ती अनजान प्रसुता के लिए ब्लड बैंक पंहूच कर रक्तदान किया। स्वर्णकार ने 62 वीं बार रक्तदान किया है। स्वर्णकार ने बताया कि उन्होने परिवार में एक बार तथा 61 बार जरूरतमंदों के लिए रक्तदान किया है। स्वर्णकार ने आमजन से इंसानियत के नाते रक्तदान करने की अपील की। इस दौरान दानाराम ने रक्त संग्रहण किया। स्वर्णकार की प्रेरणा से जुगराज सोनी ने भी अनजान मरीज के लिए लाडनूं ब्लड बैंक में रक्तदान किया। भाजयुमो अध्यक्ष अमित मौसूण, भवानी गुलेरिया, मुकेश गुर्जर, तनसुख गोठडिया, रामनिवास भरतिया, कानाराम आदि ने सुजानगढ अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीज के लिए प्लेटलेट हेतु रक्तदान किया।

सहायता राशि के भुगतान की मांग

सुजानगढ़, (निसं)। राजस्थान मेघवाल परिषद के प्रदेशाध्यक्ष कानाराम कांटीवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र प्रेषित कर एस.सी.-एस.टी. मुकदमों में पीडित पक्ष को तुरन्त सहायता राशि का भुगतान करवाने की मांग की है। कांटीवाल ने पत्र में अनुसूचित जाति पर प्रदेश बढ रहे उत्पीडन के मामलों का उल्लेख करते हुए पीडित को सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि का न्यायालय में चालान पेश होने के बाद भी भुगतान नहीं किए जाने का आरोप लगाया है। कांटीवाल ने पत्र में पुलिस थाना सुजानगढ, छापर में दर्ज प्रकरणों का उल्लेख करते हुए बताया है कि सहायता राशि के आदेश होने के बाद भी पीडित के खाते में रकम जमा नहीं हुई तथा समाज कल्याण विभाग से जानकारी करने पर बजट नहीं होने का कारण बताया गया। कांटीवाल ने जिला स्तरीय समाज कल्याण विभाग द्वारा पीडितों को मिलने वाली प्रतिकार राशि को लम्बित रखने को अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों के साथ अन्याय बताते हुए लापरवाही करने वाले सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने एवं पीडितों को तुरन्त प्रभाव से सहायता राशि दिलवाने की मांग की है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यात्रा निकाली

सुजानगढ़, (नि.सं)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा के समर्थन में विधायक मनोज मेघवाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा वेंकटेश्वर मंदिर से ठरडा तक यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा व कांग्रेस के झंडों को लिए हुए डी.जे. की धुन पर थिरकने के साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ता भारत माता के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। यात्रा के दौरान महापुरूषों की सजीव झांकियों से एकता का संदेश दिया गया। यात्रा के दौरान जगह-जगह विधायक मनोज मेघवाल का स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा से कांग्रेस को मजबूती मिलेगी तथा देश के सभी वर्गों के बीच एकता, अखण्डता, धर्मनिरपेक्षता एवं भाईचारे का संदेश राहुल गांधी द्वारा दिया जायेगा। रैली में सभापति निलोफर गौरी, उपसभापति अमित मारोठिया, पूर्व सभापति सिकन्दर अली खिलजी, सविता राठी, प्रदीप तोदी, बजरंग सेन, पार्षद मधु बागरेचा, मुकुल मिश्रा, हितेश जाखड, प्रदेश सियोता, सरपंच कन्हैयालाल शर्मा, पूर्व उप प्रधान एवं पंचायत समिति सदस्य दीवानसिंह भानीसरिया, संतोष शर्मा, एड. सुरेश शर्मा, आयुष बागरेचा, अनुज पारीक, मोहसीन खान, पूर्व पार्षद श्रीराम भामा, राजकुमार इंदौरिया, मोहन सुराणा सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता रैली में शामिल थे।

आंगनबाड़ी में खेल सामग्री भेंट

झुंझुनूं, (कासं)। शहीद रामनिवास सोहू राउमावि जेजूसर में जयप्रकाश खींचड़ ने अपने पौत्री के जन्मदिन पर आंगनबाड़ी केंद्र में खेल सामग्री भेंट की तथा बच्चों को मिठाई बांटी। संस्था प्रधान संजय कुमार सोमरा ने भामाशाह का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

नीट यूजी में मुस्कान की बड़ी छलांग

झुंझुनूं, (कास)। जिले के झटावा खुर्द निवासी मुस्कान तेतरवाल पुत्री राजेश तेतरवाल (व्याख्याता) ने एमबीबीएस डिग्री प्रवेश के लिए नीट यूजी परीक्षा में 720 में से 682 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया में 644वीं रैंक व ओबीसी कैटेगिरी में 153वीं रैंक प्राप्त कर जिले का परचम लहराया है। मुस्कान ने अपनी सफलता का श्रेय दादा सुलतान सिंह, दादी गीता देवी, नाना दयानंद थाकन, नानी विमला देवी खिदरसर के आशीर्वाद तथा पिता राजेश तेतरवाल के मार्गदर्शन को दिया है। मुस्कान अपनी मम्मी अनीता तेतरवाल को अपना आदर्श व अपने ताऊजी कमलेश तेतरवाल एपीसी को अपना प्रेरणास्त्रोत मानती है। मुस्कान की सफलता पर महेंद्र कुलहरि, राजकुमार राहड़, डॉ. अशोक जांगिड़, धर्मवीर धांगड़, रणवीर कालेर व कपिल देव आदि ने बधाई दी है।

उदामांडी मेले में कुश्ती के दौरान विवाद हुआ

- सबसे बड़ी 31 हजार की कुश्ती के दौरान विवाद हो गया था

बुहाना, (निसं)। इलाके के उदामांडी गांव में नरसिंह मेले में शाम को कुश्ती दंगल में पहलवानों ने दमखम दिखाया। सबसे बड़ी 31 हजार की कुश्ती के दौरान विवाद हो गया।

हरियाणा के सोमवीर छिपोली व मंजीत गोठड़ा के बीच कुश्ती चल रही थी। कुश्ती के दौरान पहलवान अखाड़े से बाहर निकल गए। इस दौरान दोनों पहलवानों आपस में झगड़ा करना शुरु कर दिया। यहां तक पहलवान मारपीट पर उताऊ हो गए। विवाद बढ़ते देख पुलिस को बीच में आकर दोनों पहलवानों को आपस में छुड़ाना पड़ा। इससे पहले मेले में 100 रुपए से लेकर 31 हजार तक की कुश्ती कराई गई। कुश्ती दंगल में राजस्थान समेत हरियाणा के पहलवानों ने हिस्सा लिया। पहलवानों ने अखाड़े में कुश्ती के दांव-पेंच आजमाए। दर्शकों ने भी जमकर तालियां बजाई। अखाड़े के कई पहलवानों ने प्रतिद्वंदी पहलवानों को धूल चटाते हुए इनामी राशि पर कब्जा किया। 15 हजार की इनामी कुश्ती पहलवान रवी पंडीत ने जीती। कुश्ती के अलावा मेले में कब्बड़ी, बूढ़ा दौड़ कराई गई। इससे पहले नृसिंह महाराज मंदिर पर रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। गायक कलाकारों संजय पटेल, पिंकी सिंधी, कंचन यादव व चिराग ने एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुती दी। जागरण में गुड़गांव से आए कलाकारों ने हनूमान, शिव पार्वती, नरसिंह महाराज की जिवित झांकी निकाली। श्रदालुओं ने नृसिंह महाराज के दर्शन करके अपने परिवार की मंगल कामना की। इस मौके पर सरपंच हवाकोर, छाजूराम, चून्नीलाल, रणवीरसिंह, कप्तान हवासिंह, मनोज कुमार बिर्माण, सतवीरसिंह, उमरावसिंह, विजय कुमार मित्तल, भूपसिंह, उमरावसिंह, एडवोकेट मुकेश चौधरी, प्रवीण डूडी आदी मौजूद रहे।

गोली मारकर युवक की हत्या

तारानगर, (निसं)। तारानगर क्षेत्र के गाँव ढाणा कस्वां में गुरूवार शाम को एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार गाँव ढाणा कस्वां निवासी राजेंद्र सहारण पर एक युवक ने गोली चलाकर उसकी हत्या कर दी। गोली लगने के बाद राजेंद्र को तारानगर के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सको ने उन्हें मृत घोषित कर दिया सूचना मिलने पर तारानगर पुलिस ने सीएचसी पहुंच घटना की जानकारी ली तथा शव को मोर्चरी में रखवा दिया। देर रात तक इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं करवाया गया है।। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही है।

मजदूरी कर घर लौट रहे वृद्ध को बोलेरो ने मारी टक्कर

खेतड़ी, (निसं)। उपखंड के बीलवा के पास देर रात को मजदूरी कर अपने घर लौट रहे एक वृद्ध को बोलेरो गाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे उसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। सरपंच प्रतिनिधि शंकर बीलवा ने बताया कि टीला वाली गांव का रहने वाला गुलाबचंद (62) पुत्र गणपतराम बीती रात करीब साढ़े आठ बजे मजदूरी कर अपने घर लौट रहा था।

इसी दौरान बसंत बिहार की ओर से आ रही एक बोलेरो गाड़ी के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चला कर उसको टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलावस्था में गुलाबचंद को खेतड़ी के राजकीय अजीत अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के दौरान मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बोलेरो गाड़ी को मौके पर ही पकड़ लिया। जबकि चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। शंकर ने बताया कि गुलाबचंद चेजा पत्थर पर मजदूरी का कार्य करता था, उसके तीन पुत्र है। जिसमें बड़ा लड़का दिनेश भारतीय सेना में उत्तराखंड में तैनात है।

वहीं दूसरे नंबर का सुरेंद्र टाइल्स का मिस्त्री तो तीसरा गांव में ही ईमित्र का संचालन करता है। घटना की सूचना पर सीआई विनोद सांखला व खेतड़ी नगर पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। मृतक गुलाबचंद के शव का राजकीय अजीत अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस दौरान ठ्ठामीणों व परिजनों ने बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया हैं।

विश्व साक्षरता दिवस मनाया

डूंडलोद, (निसं)। डूंडलोद पब्लिक स्कूल में साक्षरता दिवस मनाया गया। अध्यापिका रेखा स्वामी एवं ममता यादव ने साक्षरता दिवस का महत्व एवं साक्षरता के इतिहास पर प्रकाश डाला। प्राचार्य जी. प्रकाश ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि किसी भी देश की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक व तकनीकी उन्नित इस तथ्य पर निर्भर करती है कि वहां के नागरिक किस सीमा तक शिक्षित हैं।

नाम परिवर्तन

मेरे आधार कार्ड मे मेरा नाम भूलवंश ख्यालीराम धनाराम मिस्त्री दर्ज हो गया था, जो कि गलत है। जबकि मेरे अन्य सभी दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, पहचान पत्र सहित अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम ख्यालीराम दर्ज है, जो कि सही एवं सत्य है। भविष्य में मुझे ख्याली राम के नाम से ही जाना व पहचाना जावे।

शपथ ग्रहिता
ख्याली राम पुत्र धनाराम जाति कुम्हार निवासी वार्ड नं. 02 एम.पी. चौक राजगढ़ जिला चूरू (राज.)

कार्यालयः- दीनदयाल स्वामी एडवोकेट, राजगढ़ पो. सादुलपुर जिला चूरू
दिनांकः- 07.09.2022

नोटिस सर्वसाधारण

मुझे मोहम्मद आमीन पुत्र जहांगीर खां व रहमत बानो पत्नी मोहम्मद आमीन जाति खींची मुसलमान निवासीगण वार्ड सं. 19 हाल वार्ड सं. 24, मौहल्ला धीरू खां की ढाणी कस्बा राजगढ़, तहसील राजगढ़ जिला चूरू ने अपना अधिवक्ता नियुक्त किया है। जिसकी हिदायतानुसार मैं सर्वसाधारण आमो खास को निम्न प्रकार से सूचित कर रहा हूंः-

1. यह कि मेरे मुव्किलान का पुत्र अली असगर आवारा किस्म का व्यक्ति है जो आवारागर्दी करता रहता है तथा मेरे मुव्किलान के कहने-सुनने में नहीं है, मेरे मुव्किलान जब भी अपने पुत्र को समझाने का प्रयास करते है तो वह मेरे मुव्किलान के साथ लड़ाई-झगड़ा करने लगता है तथा मेरे मुव्किलान की सेवा नहीं करता है और मेरे मुव्किलान को झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी देता रहता है व मेरे मुव्किलान को हर प्रकार से शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है। मेरे मुव्किलान का अपने पुत्र को समझाने का कोई असर नहीं होता है। इस कारण मेरे मुव्किलान अपने पुत्र अली असगर से अपने समस्त प्रकार के संबन्ध विच्छेद करते हुए अपने पुत्र अली असगर को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। आज के बाद से मेरे मुव्किलान का अपने पुत्र अली असगर से कोई संबन्ध नहीं है तथा अली असगर का भी मेरे मुव्किलान की समस्त प्रकार की चल व अचल सम्पत्ति में किसी प्रकार का कोई हक हिस्सा नहीं रहा है। मेरे मुव्किलान अपने पुत्र अली असगर को अपनी समस्त प्रकार की चल व अचल जायदाद से बेदखल करते हैं।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्किलान का पुत्र अली असगर किसी से मेरे मुव्किलान का नाम लेकर या स्वयं कोई लेन-देन का या अन्य संव्यवहार करता है तो इसमें मेरे मुव्किलान व मेरे मुव्किलान के परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। समस्त प्रकार की जिम्मेवारी लेन देन करने वाले स्वयं की होगी। सूचित रहे।

भवदीय
दीनदयाल स्वामी एडवोकेट राजगढ़ पो. सादुलपुर जिला चूरू (राज.)

पीपली में छगन मीना ने जीता कुश्ती दंगल

पीपली में दादा बिसा मंदिर प्रांगण में आयोजित मेले में विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई।

पिलानी, (निसं)। पीपली में दादा बिसा मंदिर प्रांगण में बुधवार को मेला आयोजित किया गया। मेले में विभिन्न रोचक प्रतियोगिताएं करवाई गई। महिला मटका दौड़ में रेणु कुलहरी प्रथम, उर्मिला लुणायच द्वितीय व सुनीता लुणायच तीसरे स्थान पर रही। बूढ़ा दौड़ सिंघानी के जगत सिंह ने जीती। कुलोठ के बरकत खान ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की दौड़ और लंबी कूद में बनगोठड़ी की निशा प्रथम व सानिया दूसरे स्थान पर रही। 400 और 800 मी. दौड़ में राजू पीपली ने जीत दर्ज की। ऊंची और लंबी कूद में सौरभ कस्वां ने अप्रत्याशित जीत हासिल की। सोनू कुलोठ दोनों में दूसरे स्थान पर रहा। रस्सा कसी में सूबे. डिगराम की टीम ने बाजी मारी। एक नंबर कुश्ती छगन मीना ने जीती। पीपली के रमन ने दो नंबर कुश्ती में जीत दर्ज की। तीन नंबर कुश्ती सुनील पिलानी के नाम रही। हरियाणा से पधारी लड़कियों ने भी दांव पेच दिखाते हुए मुकाबले जीते। सरपंच रेशमी देवी, पूर्व सरपंच कृष्ण कुमार, सूबे. मंदरूप, दलीप लुणायच, रणवीर श्योराण, प्रदीप शर्मा, धर्मवीर लुणायच, प्रतीक कादयान (गुड्डू), राजेश नेहरा ने विजेताओं को पुरस्कृत राशी देकर सम्मानित किया। इससे पहले रात्री को नरदेव बेनीवाल एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुतियों से दादा बिसा का गुणगान किया। आगंतुकों के लिए मंदिर परिसर में दिनभर भंडारा चला।

साधारण सभा में गर्माया मनमानी व भ्रष्टाचार का मुद्दा

बुहाना, (निसं)। पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक पंचायत समिति सभागार में प्रधान हरिकृष्ण यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विधायक सुभाष पूनियां भी मौजूद रहे। लांबी अहीर पंचायत की सरपंच नीरु यादव ने बीडीओ पर विकास कार्यों के टेंडर में मनमानी करने व भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जमकर नाराजगी जताई।

यहां तक कि सरपंच ने कहा कि मामले को लेकर वो चुप नहीं बैठने वाली। उन्होंने मामले को कोर्ट तक ले जाने की धमकी दे डाली। नीरु यादव ने बैठक में आरोप लगाया कि बुहाना पंचायत समिति की सभी ग्राम पंचायतों के टेंडर हो चुके हैं। लेकिन बीडीओ ने राजनितिक द्वेषता के चलते उनकी पंचायत का टेंडर में मनमानी व भ्रष्टाचार के चलते नहीं होने दिया। यहां तक कि बीडीओ ने जिन ठेकेदारों के कागजात अधुरे थे, उनसे मिलकर उनके आफलाइन दूसरे दस्तावेज फाइल में लगा कर उनके फाइनेशियल फीड खोल दिया। वहीं एक संसोधन आदेश जारी कर दिया गया। लेकिन बीडीओ ने उस आदेश की विज्ञप्ती न तो समाचार-पत्रों या वेबसाईड पर जारी नहीं कर सरकार को चुना लगाने का काम किया हैं।

बैठक में मौजूद विधायक सूभाष पूनिया ने भी माना कि पंचायत समिति में भ्रष्टाचार हो रहा हैं वहीं सरपंच को परेशान किया जा रहा हैं। उन्होंने अधिकारियों से मामले का निस्तारण करने की बात कहीं। इसके अलावा धूलवा सरपंच गिरधारीलाल ने नरात गांव में पानी की समस्या से निजात दिलवाने की बात कही। झारोडा सरंपच ने आबादी क्षेत्र पर से 11केवी लाइन को हटाने की बात कही जिससे आगे कोई जनहानि या बडा हादसा ना हो। गुंती सरपंच नीरज राव ने पचेरी से पथाना तक की क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत करवाने की मांग की।

वहीं ढाणी यादराम को सड़क का निर्माण कर पंचायत मुख्यालय से जोड़ने की बात कहीं। इस दौरान तहसीलदार धमेद्र जांदू, जिला परिषद सदस्य राज अहलावत, विकास अधिकारी कृष्ण कुमार चावला, उपप्रधान नीतू वर्मा, पूर्व उपप्रधान राजपालसिंह, जलदाय विभाग सहायक अभियंता अशोक कुमार, सरपंच विरेद्र कलाखरी, गुंती सरंपच नीरज यादव, धूलवा सरपंच गिरधारीलाल, डेलीगेट आचुकी, झारोडा सरंपच पूनम चौधरी, बडबर सरपंच विनोद मिश्रा, देवलावास सरंपच तुलाराम मौजूद रहे।

त्वरित हो जोधपुर में स्थाई पीठ गठित करने की कार्रवाई: राजस्थान हाईकोर्ट

जोधपुर में अधिकरण की चल पीठ अनियमित रूप से तीन दिन ही न्यायिक कार्रवाई करती है

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश संदीप मेहता और न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण की जोधपुर में स्थाई पीठ गठित करने की कार्रवाई में तेजी लाएं और उन्होंने इस बाबत अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा कि वे संबंधित अधिकारियों को सूचित करें कि जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ,जहां तक संभव हो, छह माह में गठित हो जाएं।

राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नाथूसिंह राठौड़ ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से दायर जनहित याचिका में कहा कि जोधपुर में अधिकरण की चल पीठ अनियमित रूप से तीन दिन ही न्यायिक कार्रवाई करती है,जिससे न केवल फरीको बल्कि अधिवक्ताओं को भी अत्यधिक असुविधा और परेशानी होती है सो लंबित मामलों की वृद्धि देखते हुए स्थाई पीठ गठित की जाएं।

गत 19 जुलाई को खंडपीठ ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि अधिकरण में जोधपुर क्षेत्राधिकार के 2655 प्रकरण लंबित है सो न्याय आपके द्वार की भावना से जोधपुर में स्थाई पीठ गठित करने के आदेश दिए और तब तक जोधपुर में चल पीठ को आठ दिवस प्रभावी रूप से न्यायिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह ने कहा कि न्यायालय आदेश की अनुपालना में राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने गत 8 अगस्त को हुई बैठक में जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ गठित करने का अनुमोदन कर दिया है और इसके वास्ते नए भवन,मानव संसाधन आदि वास्ते एक साल की जरूरत रहेगी।उन्होंने कहा कि सरकार ने 6 सितम्बर को यह निर्णय भी ले लिया है कि तब तक जोधपुर में अधिकरण की चल पीठ आठ प्रभावी दिन न्यायिक कार्रवाई करेगी।भारत सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल मुकेश राजपुरोहित और राजस्थान उच्च न्यायालय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डा सचिन आचार्य उपस्थित रहें।

बीएड पेपर देने जा रहे चार दोस्तों को ट्रक ने कुचला, तीन की दर्दनाक मौत

आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार सुबह ट्रक ने टक्कर मारी

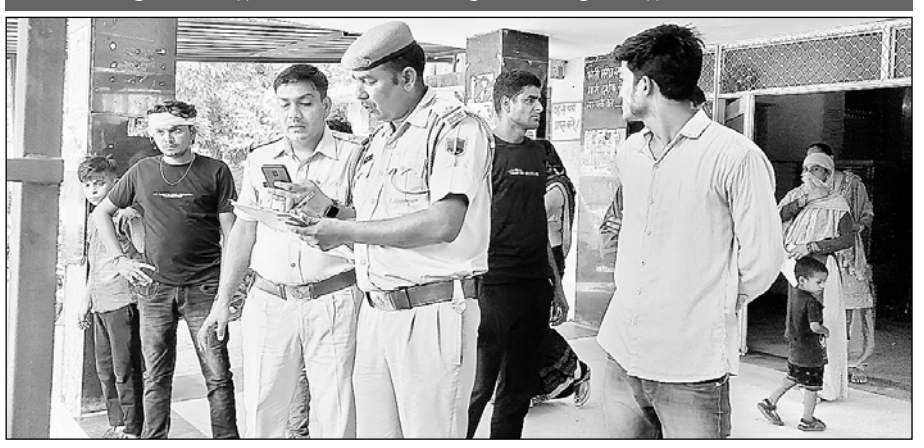

पुलिस ने घटना के बाद मौका मुआयना कर जानकारी जुटाई।

धौलपुर, (निसं)। बाइक से बीएड का पेपर देने जा रहे 4 छात्रों को धौलपुर शहर में सदर थाने के सामने आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार सुबह ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे 2 छात्रों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक घायल ने इलाज के दौरान जिला अस्पताल धौलपुर में दम तोड़ दिया।

- हाइवे क्रॉस करने के दौरान गुरुवार सुबह ट्रक ने चारों को कुचला

संदीप पुत्र बदन सिंह जाटव निवासी गांव दाहिना रूपबास भरतपुर, दीपेंद्र पुत्र जगदीश कुशवाह निवासी गढ़ी बुराना खानुआ रूपवास भरतपुर, पवन पुत्र रामेश्वर प्रसाद जाटव निवासी झाला ताला वैर भरतपुर व सचिन जाटव पुत्र सीयाराम निवासी लखेपुरा थाना कंचनपुर बाड़ी धौलपुर आपस में चारों दोस्त थे। चारों एसएन कॉलेज बड़ागांव मनियां से बीएड कर रहे थे। इस कारण संदीप, दीपेंद्र व पवन मनियां कस्बे में ही किराए पर कमरा लेकर रहते थे। फिलहाल इनके बीएड के पेपर चल रहे थे। जिसका सेंटर राजकीय कन्या महाविद्यालय धौलपुर में था। इस कारण गुरुवार सुबह चारों दोस्त एक बाइक पर सवार होकर पेपर देने के लिए निकले थे। बाइक संदीप चला रहा था। रास्ते में आगरा मुंबई हाईवे पर सदर थाना धौलपुर के सामने जैसे ही इन्होंने बाइक से हाईवे क्रॉस किया तो तेज गति से आ रहे ट्रक ने चारों को कुचल दिया। जिससे संदीप और पवन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, वही दीपेंद्र और सचिन घायल हो गए। घटना मिलते ही सदर थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार शर्मा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे, जिन्होंने तुरंत दोनों घायलों को जिला अस्पताल धौलपुर पहुंचाया, जहां दीपेंद्र ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं सचिन का इलाज जारी है।

सूचना मिलते ही सीओ सिटी प्रवेंद्र महेला भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली । घटना की सूचना मिलने पर कॉलेज छात्र भी अपना पेपर समय से पहले ही जल्दी पूरा कर के जिला अस्पताल पहुंचे। सदर थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि घटना के बाद भीड़ मौके पर तमाशबीन बनी रही। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। वही परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई

बयाना, (निसं) । बयाना उपखंड के डांग क्षेत्र के बीहडों में आज थाना गढीबाजना पुलिस व बंधबारैठा के वनविभाग के रेंजर की टीम की ओर से छापामार कार्रवाई का । इस कार्रवाही में एक भी अवैध खननकर्ता नही पकड़ा

- एक हाईड्रा व एक कम्प्रेशर ट्रैक्टर जब्त

जा सका। वह मौके का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस व वन विभाग की संयुक्त टीम ने इस दौरान अवैध खनन के कार्य में उपयोग की जा रही एक हाइड्रा मशीन व एक कम्प्रेशर युक्त ट्रैक्टर को जब्त किया। एक लम्बे अरसे बाद अवैध खनन माफिया के विरूद्ध कार्रवाई की गई।

अलवर सरस डेयरी में 1.75 लाख का मिलावटी दूध पकड़ा

अलवर, (निसं)। पिछले 2 महीने में अलवर सरस डेयरी चेयरमैन ने मिलावटी दूध पर बड़ा एक्शन लिया है। तीन जगहों से आया मिलावटी दूध प्लांट में पहुंचते ही पकड़ा गया और नष्ट करा दिया। खुद चेयरमैन ने मिलावट का संदेह वाले टैंकर का बाइक से पीछा किया। फिर प्लांट में पहुंचते ही जांच कर गुरुवार सुबह करीब 1 लाख 75 हजार रुपए की कीमत के दूध को नष्ट करा दिया।

- चेयरमैन ने मिलावट का संदेह वाले टैंकर का बाइक से पीछा किया
- एक्स्ट्रा फैट के लिए कुछ मिलाया था, जांच में सैंपल फेल होने पर नष्ट कराया

सरस डेयरी के चेयरमैन विश्राम गुर्जर ने बताया कि रामगढ से एक टैंकर में मिलावट होने का संदेह था। जिसका खुद चेयरमैन ने रात को बाइक पर पीछा किया। जब पुष्टि हो गया कि दूध में मिलावट तो सरस प्लांट में आते ही उसकी जांच की गई। जांच में दूध मिलावटी मिला। जिसमें एक्स्ट्रा फैट के लिए कुछ मिलाया गया था। जांच में सैंपल फेल होने पर पूरा दूध गुरुवार सुबह नष्ट करा दिया गया। दूध लाने वाली फर्म को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। इसके अलावा जुर्माना राशि भी वसूल होगी। ताकि आगे मिलावटी दूध सरस तक लाने की हिम्मत नहीं हो।

इससे पहले 16 जून को बहरोड की तरफ से 54 सौ लीटर और 21 जून को 9 हजार लीटर दूध नष्ट कराया था। दूध नष्ट कराने के बाद चेयरमैन विश्राम गुर्जर ने कहा कि दूध में मिलावट नहीं होने देंगे। चाहे रात-दिन जांच करानी पडे। असल में किसान व पशुपालक को अधिक से अधिक फायदा तभी होगा। जब मिलावटी दूध बंद होगा।

मॉडल उत्तर कुंजियां जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा भू-जल विभाग संवीक्षा परीक्षा 2022 के तहत कनिष्ठ भू-भौतिकविद्, कनिष्ठ भू-जल वैज्ञानिक, तकनीकी सहायक-रसायन व भू-जल विज्ञान की मॉडल उत्तर कुंजियाँ वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

आयोग द्वारा 1 व 2 अगस्त 2022 को इस परीक्षा का आयोजन किया गया था। आयोग के उप सचिव सुनील रांका ने बताया कि यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तरकुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 9 सितंबर से 11 सितंबर 2022 को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाईन दर्ज करवा सकता है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दरगाह में जियारत की

बांग्लादेश की पीएम ने प्रतिनिधिमंडल के साथ चादर चढ़ाकर अकीदत के फूल पेश किए।

अजमेर, (कासं)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने गुरूवार को महान सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में चादर चढ़ाई एवं अकीदत के फूल पेश किए। बांग्लादेश प्रधानमंत्री का अजमेर आगमन पर राजस्थानी परम्परा के अनुसार स्वागत किया गया। उनके साथ बांग्लादेश के प्रतिनिधि मंडल ने भी दरगाह में हाजिरी दी। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना गुरूवार दोपहर सर्किट हाउस पहुंची। यहां संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा, पुलिस महानिरीक्षक रूपिन्दर सिंह, जिला कलैक्टर अंशदीप, पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट एवं अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने दरगाह में जियारत की।

दरगाह आगमन पर उनका खादिम सैयद कलीमुद्दीन चिश्ती, नन्हे बच्चों, सैयद मोहम्मद कायम एवं सैयद फरीदा हाशमी ने स्वागत किया। दोनों अंजुमन, दरगाह कमेटी एवं दरगाह दीवान के उत्तराधिकारी सैयद नसीरूद्दीन चिश्ती, सैयद एतमादुद्दीन चिश्ती, गुलाम नजमी फारूकी एवं अन्य ने भी स्वागत किया। उन्हें सिपासनामा एवं आकर्षक चित्र भी भेंट किए गए। प्रतिनिधि मंडल का भी दस्तारबंदी कर स्वागत किया गया। पर्यटन विभाग द्वारा लोक कलाओं के साथ राजस्थानी परम्परा के अनुसार अभिवादन किया गया। प्रसिद्ध नगाड़ा वादक नाथूलाल सोलंकी तथा कच्छी घोड़ी लोक नृत्य की प्रस्तुति सोहन लाल भाट के दल ने दी। दरगाह में जियारत के उपरान्त संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा, पुलिस महानिरीक्षक रूपीन्दर सिंघ, जिला कलैक्टर अंश दीप एवं एसपी चुनाराम जाट ने प्रधानमंत्री शेख हसीना को जयपुर के लिए विदा किया।

प्रधानमंत्री हसीना के साथ 60 व्यक्तियों का डेलीगेशन आया। इसमें उच्चायुक्त, मंत्रीगण, उद्योग, व्यवसाय तथा प्रेस से जुड़े व्यक्ति शामिल थे। लिबरेशन एंड वार मामलात मंत्री एके एम मुजमिल हक, रेलवे मंत्री मोहम्मद नरूल इस्लाम सुजान, जल संसाधन मंत्री जहीद फारूखी, आर्थिक एवं वित्त सलाहकार डॉ. मशीउर्र रहमान, विदेश मामलात राज्य मंत्री मोहम्मद सहरयार आलम, वाणिज्य मंत्री टीपू मुंशी, वित्त मामलात सलाहकार सलमान फजलुर, आईसीटी राज्य मंत्री जूनायद अहमद पलक तथा एफबीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद जसीम उद्दीन, बंगाल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के निदेशक जेस्मीन अख्तर, उच्चायुक्त मोहम्मद इमरान एवं विक्रम के. दुरईस्वामी शामिल रहे।

टी.सी. के लिए भटक रहे छात्र व अभिभावक

बहरोड़, (निसं)। बहरोड़ कस्बे में निजी स्कूल संचालकों की दबंगई इस कदर चरम पर है कि उन्हें किसी का भय नहीं है। मनमानी फीस वसूल करना, फीस भुगतान नहीं करने पर टीसी रोक लेना जैसे मामले सामने आ रहे हैं।

ऐसा ही एक मामला तलवाड़ निवासी संदीप यादव का सामने आया है जो पिछले 15 दिन से अपने बेटे धर्मेंद्र की 11वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद टीसी लेने को भटक रहा है। अभिभावक संदीप यादव ने बताया कि स्कूल प्रबंधन को 15 दिन पहले टीसी हेतु प्रार्थना पत्र दिया था। लेकिन स्कूल प्रबंधन का कहना है कि यदि आप हमारे संस्थान में 12वीं करवाएंगे तो तय फीस ली जाएगी यदि आप यहां 12वीं नहीं करवाते तो आपको पैसा बढ़ा कर देना होगा।

संदीप यादव ने बताया तय फीस 22000 साथ में ट्रांसपोर्ट 11वीं कक्षा का बताया गया था जिसे अब स्कूल प्रबंधन 28000 प्लस ट्रांसपोर्ट देने को कह रहे हैं। वह नहीं देने पर टीसी रोक ली व टीसी देने से मना कर दिया। साथ ही कहा कि यह पैसा तुम्हें देना होगा नहीं तो तुम मुख्यमंत्री के पास भी चले जाओ तो भी टीसी नहीं दी जाएगी।

उक्त विषय में जिला शिक्षा अधिकारी अलवर से संपर्क किया गया तो कहा कि मैं बात करता हूं थोड़ी देर के बाद आपको बताता हूं लेकिन 2 घंटे बीत जाने के बाद जब जिला शिक्षा अधिकारी को संपर्क किया तो उन्होंने फोन का जवाब देना उचित नहीं समझा। यूनिक स्कूल संचालक सुमित यादव स्कूल आकर व्यक्तिगत मिलने की बात कही।

'ई-गर्वनेंस फॉर अरबन डवलपमेन्ट' प्रशिक्षण सम्पन्न

हरीशचन्द्र लोक माथुर प्रशिक्षण संस्थान में शहरी विकास पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।

जयपुर, (निसं)। हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशिक्षण संस्थान के शहरी विकास केन्द्र द्वारा आयोजित तीन दिवसीय "ई गर्वनेंस फॉर अरबन डवलपमेन्ट" प्रशिक्षण गुरूवार को कार्यक्रम सम्पन्न हो गया। इसमें 10 विभागों के लगभग 25 अधिकारियों ने भाग लिया और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप ई-गर्वनेंस के माध्यम से कार्य के विस्तार में प्रशिक्षण लिया, जिससे आम लोगों की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जा सके। ई-गर्वनेंस के द्वारा कार्य कर रहे विभिन्न विभागों के विषय विशेषज्ञों ने बताया कि ई-गर्वनेंस के माध्यम से कार्य करना बहुत आसान हो गया है ।

हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशिक्षण संस्थान के महानिदेशक सुधांश पंत के निर्देशन में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ शहरी विकास केन्द्र के टीम लीडर पूर्व संभागीय आयुक्त अजमेर डॉ. धर्मेन्द्र भटनागर ने किया। कोर्स डायरेक्टर प्रोफेसर रिपुन्जय सिंह ने विश्व, भारत व राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में ई गर्वनेंस के बारे में विस्तार से प्रजेन्टेशन दिया।

प्रशिक्षण के समापन पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक प्यारे मोहन त्रिपाठी ने "ई-गर्वनेंस फॉर अरबन डवलपमेन्ट" में मीडिया की सकारात्मक भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी और बताया कि वर्तमान में सोशल, वेब तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया ई गर्वनेंस को आम व्यक्ति तक पंहुचाने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे हैं।

शहरी विकास केन्द्र के कन्सलटेन्ट डॉ मंयक वार्ष्णेय व प्रतिभा कौशिक ने भी प्रेजेन्टेशन दिये और सभी प्रतिभागियों को "भामाशाह डाटा सेन्टर" व "भामाशाह टेक्नो हब" का भ्रमण कराकर ई-गर्वनेंस के बारे में प्रेक्टिकल जानकारी दी।

भर्ती परीक्षाओं का संभावित कलेण्डर जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा गुरुवार को विभिन्न परीक्षाओं की संभावित परीक्षा तिथि जारी की गई। आयोग द्वारा आगामी वर्ष के जनवरी से मई माह तक संस्कृत शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, महिला अधिकारिता विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा स्वायत्त शासन विभाग के कुल 1200 विभिन्न पदों की भर्ती परीक्षाओं का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि वर्ष 2023 में संस्कृत शिक्षा विभाग में वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड-द्वितीय परीक्षा 2022 के तहत 6 विषयों के कुल 538 पदों के लिए माह जनवरी 2023 के द्वितीय सप्ताह में तथा महिला अधिकारिता विभाग में संरक्षण अधिकारी के 4 पदों के लिए चतुर्थ सप्ताह में परीक्षा का आयोजन किया जा सकता है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में हॉस्पिटल केयर टेकर के 55 पदों के लिए फरवरी 2023 के द्वितीय सप्ताह में तथा ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट के 24 पदों के लिए मार्च 2023 के द्वितीय सप्ताह में परीक्षाएं आयोजित की जा सकती हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग में वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्यापक के 461 पदों के लिए अप्रैल 2023 के चतुर्थ सप्ताह में परीक्षा का आयोजन किया जाना संभावित है। इसी तरह मई 2023 के द्वितीय एवं तृतीय सप्ताह में स्वायत्त शासन विभाग में अधिशाषी अधिकारी वर्ग चतुर्थ के 63 पद, राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय के 14 पद एवं सहायक अभियंता-सिविल के 41 पदों की परीक्षाओं का आयोजन प्रस्तावित है।

आयोग द्वारा पूर्व में जारी किए गए संभावित परीक्षा कार्यक्रमानुसार इस वर्ष अक्टूबर से दिसंबर 2022 तक विभिन्न विभागों के 15862 पदों के लिए परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें माध्यमिक शिक्षा विभाग में 26 विषयों के कुल 6000 पदों की स्कूल लेक्चरर परीक्षा 2022 का आयोजन 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2022 तथा वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड द्वितीय परीक्षा 2022 के तहत 8 विषयों के कुल 9760 पदों के लिए परीक्षा दिनांक 17 दिसम्बर से 24 दिसम्बर 2022 तक आयोजित किया जाना संभावित है।

एएसआई व कांस्टेबल 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, डूंगरपुर द्वारा गुरूवार को ट्रेप की कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना आसपुर मे एक एएसआई और एक कांस्टेबल को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस उप अधीक्षक हेरम्ब जोशी ने बताया कि परिवादी प्रवीण कुमार पटेल ने गत 7 सितंबर बुधवार को एसीबी कार्यालय में आकर एक शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में उसने बताया था कि उसके और उसके मामा मणिलाल के खिलाफ आसपुर थाने में दर्ज प्रकरणे में एफआर लगाने की एवज में आसपुर थाने के एएसआई सुरेंद्रसिंह पुत्र नाथू सिंह निवासी पीपलादा थाना सदर ने 1 लाख रुपए रिश्वत की मांग की।

एसीबी की गिरफ्त में आरोपी।

वही कांस्टेबल विजयपाल सिंह ने उसके खिलाफ दर्ज प्रकरण संख्या 199/2021 को हल्का करने व राहत देने के बदले में 40 हजार रुपए की मांग कर रहे है। रिश्वत मांगने के मामले का गत 7 सितंबर को सत्यापन करवाया गया। जिसमे एएसआई सुरेंद्रसिंह और कांस्टेबल विजयपाल सिंह ने दोनों मामलों का मिलाकर 1 लाख 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगने की पुष्टि की। इसके बाद एसीबी ने गुरुवार को ट्रैप की कार्रवाई के लिए जाल बिछाया। एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई के लिए परिवादी को रूपए लेकर भेजा। परिवादी प्रवीण कुमार ने रिश्वत के रूप में 50 हजार रुपए एएसआई सुरेंद्र सिंह को ले जाकर दे दिए। इशारा मिलते ही एसीबी की टीम मौके पर पहुंच गई। एसीबी ने एएसआई सुरेंद्र सिंह की जेब से रिश्वत के रूप में लिए 50 हजार रुपए बरामद कर लिए। वही कांस्टेबल विजयपाल सिंह को भी रिश्वत मांगने के मामले में गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने कांस्टेबल विजयपाल सिंह के थाने के टेबल की दराज की तलाशी ली तो उसमे किया फाइलें मिली। एसीबी ने उन फाइलो को खंगालना शुरू किया तो उसमे से रुपए निकलने लगे। एसीबी ने फाइलों से संदिग्ध 22 हजार रुपए बरामद किए है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सपत्नीक सालासर बालाजी महाराज की पूजा की

मंदिर में एडीजीपी बीजू जॉर्ज जोसेफ, कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग, एसपी दिगंत आनन्द और जयपुर इंटेलिजेंस की टीम मौजूद रही

चूरू, (का.सं.)। सालासर मन्दिर में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ महावीर पुजारी, मीठनलाल पुजारी, मांगीलाल पुजारी, आत्माराम पुजारी आदि ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सपत्नीक को सालासर दरबार में बालाजी महाराज की पूजा-अर्चना करवाई। इसके बाद मंदिर के सत्संग भवन में उपराष्ट्रपति धनखड़ को सपत्नीक को पुजारी ने श्रीबालाजी महाराज की प्रतिमा भेंट की।

इस अवसर पर मंदिर परिसर में पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वासुदेव चावला, गोवर्धन सिंह रूकनसर, अख्तर खान, महेन्द्र चन्दूवा, दयानन्द खोखेवाला, नंदलाल सैनी, मांगीलाल गोयल, हरिप्रकाश शर्मा, रामनारायण चौधरी व जितेन्द्र सिंह सिंघानिया आदि ने उप राष्ट्रपति धनखड़ का स्वागत किया। मंदिर में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, सांसद राहुल कस्वां, रतनगढ़ विधायक अभिनेष महर्षि, सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल आदि उप राष्ट्रपति के साथ थे। हनुमान सेवा समिति की ओर से अध्यक्ष यशोदानंदन पुजारी, उपाध्यक्ष मनोज पुजारी, प्रकाश पुजारी, गौरीशंकर पुजारी, भंवरलाल पुजारी, संजय पुजारी आदि ने उप राष्ट्रपति का स्वागत किया।

मंदिर में जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग, एडीजीपी बीजू जॉर्ज जोसेफ, एसपी दिगंत आनन्द, जयपुर इंटेलिजेंस एडिशनल एसपी शालिनी अग्रवाल, एडिशनल राजेन्द्र कुमार मीणा व उप निरीक्षक अलका आदि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के आगमन से पूर्व मंदिर की सुरक्षा का जायजा लिया। इसी प्रकार पर हेलीपैड पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सालासर बालाजी मंदिर यात्रा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, सांसद राहुल कस्वां, पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां, सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल, रतनगढ़ विधायक अभिनेष महर्षि, जिला प्रमुख वंदना आर्य, पूर्व विधायक खेमाराम मेघवाल, पूर्व विधायक अशोक पिंचा, पूर्व विधायक संजीव बेनीवाल, कुलदीप धनखड़, पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण, प्रदेशकार्यकारी सदस्य वासुदेव चावला, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मवीर पुजारी, बलबीर विश्नोई, बसंत शर्मा, प्रधान दीपचन्द राहड़, पंस विक्रम कोटवाद, पूर्व प्रधान अमर सिंह पूनियां, हरिराम गर्ग आदि ने बुके भेंट कर स्वागत किया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ को सालासर मंदिर के पुजारियों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना करवाई।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बाबा श्याम के दर्शन किए

खाटूश्यामजी, (निसं)। उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद पहली बार शेखावाटी दौरे पर आए जगदीप धनखड़ गुरुवार ने दोपहर 2.18 बजे श्याम मंदिर पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन कर पूजा अर्चना की तथा देश में खुशहाली की कामना की।

श्री श्याम मंदिर कमेटी के ट्रस्टी प्रताप सिंह चौहान ने उपराष्ट्रपति का तिलकार्चन किया तथा श्याम बाबा की चौखट पर स्वास्तिक बनावाए । वहीं मंदिर कमेटी के अध्यक्ष शंभूसिंह चौहान, कोषाध्यक्ष कालू सिंह चौहान व प्रताप सिंह चौहान ने श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर कर व बाबा श्याम की तस्वीर भेंटकर अभिनन्दन किया। इस दौरान राजस्थान सरकार में मंत्री ममता भूपेश, पूर्व जिला प्रमुख रीटा ने भी उपराष्ट्रपति व उनकी पत्नी डॉ सुदेश धनखड से शिष्टाचार भेंट की और स्वागत किया।

हेलीपैड पर सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व राज्यमंत्री बंशीधर बाजिया, जिला महामंत्री प्रभूसिंह गोगावास, चेयरमैन ममता मुण्डोतिया ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इसके पश्चात सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने सभी का परिचय करवाया। वहीं अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, आईजी उमेश चंद्र दत्ता, जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव, एसपी कुंअर राष्ट्रदीप, एडीएम अनिल महला, एडिशनल एसपी रतन लाल भार्गव, डीवाईएसपी कन्हैयालाल सहित जिले के आला अधिकारियों ने अगवानी की।

उपराष्ट्रपति दर्शन के पश्चात 2 बजकर 44 मिनट पर खाटूश्यामजी से रवाना हो गए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खाटूश्यामजी दौरे को लेकर पुलिस, प्रशासन, नगरपालिका सतर्क नजर आई। रींगस रोड से लेकर मंदिर तक के मार्ग को छावनी में तब्दील कर दिया गया और मैन सड़क पर आने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस बल तैनात किया गया।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि

राज्य में गुरूवार को 251 नए संक्रमित मिले, इससे पहले बुधवार को इनकी संख्या 193 रही थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में गुरूवार को एक बार फिर नए करोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस दौरान राज्य में 251 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं 31 मरीज ठीक भी हुए हैं। राहत की बात यह है कि राज्य में पिछले छह दिनों से करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में गुरूवार को 23 जिलों में 251 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले बुधवार को 193 मरीज पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में सर्वाधिक 36 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा दौसा में 28, अजमेर व जोधपुर में 27-27, अलवर में 25, पाली व सीकर में 18-18, कोटा में 14, बीकानेर में 13, भीलवाड़ा में 8, झुंझुनूं में 6, चित्तौड़गढ़ व उदयपुर में 5-5, हनुमानगढ़ व नागौर में 4-4, राजसमंद व टोंक में 3-3, धौलपुर में 2 तथा भरतपुर, डूंगरपुर, जालोर, झालावाड़ और सिरोही में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में जांच के लिए 19 हजार 34 सैम्पल लिए गए हैं।

- **पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 36 मरीज जयपुर में मिले हैं।**
- **राहत की बात यह है कि पिछले छह दिनों से इस बीमारी से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।**

प्रदेश में लगातार नए संक्रमितों से अधिक मरीज ठीक हो रहे हैं। राज्य में गुरूवार को भी 301 संक्रमित रिकवर हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 1705 रह गए हैं। जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 128 मरीजों के स्वस्थ्य होने से 413 एक्टिव केस रह गए हैं। इसके अलावा अलवर में 171, जोधपुर में 170 और अजमेर में 103 लोगों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में गुरूवार को छठे दिन भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9628 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में गुरूवार को 23 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा बगरू, बस्सी और सांगानेर में 3-3 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा चांदपोल, जगतपुरा, झोटवाड़ा, शास्त्री नगर व वैशाली नगर में 2-2 तथा आमेर, बरकत नगर, सी-स्कीम, दुर्गापुरा, गांधी नगर, गंगापोल, घाटगेट, हवा सड़क, मालवीय नगर, पुरानी बस्ती, सोड़ाला, विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं इस बीच राजभवन में भी एक करोना संक्रमित सामने आया है। वहीं 4 संक्रमितों का पता गलत मिला है।

एम्स की रिपोर्ट के आधार पर नियुक्ति देने के आदेश

जयपुर। हाईकोर्ट ने फोरेस्ट रेंज ऑफिसर और एसीएफ भर्ती-2018 में एम्स, जोधपुर की रिपोर्ट के आधार पर अभ्यर्थी को पात्र मानते हुए उसे मेरिट के अनुसार नियुक्ति देने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश सुरेन्द्र कुमार की याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि आरपीएससी ने वर्ष 2018 में वन विभाग में रेंज ऑफिसर और एसीएफ पदों के लिए भर्ती निकाली थी। याचिकाकर्ता लिखित परीक्षा के बाद साक्षात्कार में भी पास हो गया। वहीं विभाग ने उसके शारीरिक दक्षता में चेस्ट की नाप तय सीमा से कम होने के आधार पर चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया। पूर्व में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने एम्स, जोधपुर को याचिकाकर्ता का नाप लेने के आदेश दिए थे। जिसकी पालना में एम्स की ओर से हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि याचिकाकर्ता की सीने की नाप तय मापदंड से काफी अधिक है। विभाग की ओर से कहा गया कि विभाग की ओर से दक्षता परीक्षा में याचिकाकर्ता के सीने की नाप तय मापदंड से कम आई थी। इसलिए उसे नियुक्ति नहीं दी गई।

बुनाई कलाकारों के लिए वीव वॉक कल

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ व (बायें से दायें) पर्यटन निदेशक संध्या, संयुक्त निदेशक डॉ.रश्मि शर्मा, डॉ.पुनीता सिंह और साधना गर्ग ने वीव वॉके के बारे में जानकारी दी।

जयपुर। राजस्थान के बुनाई कलाकारों के शिल्प कौशल को बेहतर बनाने और प्रदर्शित करने के लिए साधना गर्ग द्वारा क्यूरेट किया गया वीव वॉक का दूसरा संस्करण 10 सितंबर को होटल फेयरमौट में आयोजित किया जाएगा। रघुकुल ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम पर्यटन विभाग, राजस्थान द्वारा समर्थित है। विश्व स्तर पर संस्कृति के जार कहे जाने वाले और एशियाई हेरिटेज फाउंडेशन के अध्यक्ष, राजीव सेठी कीनोट एड्रेस देंगे। कोविड-19 के बाद देश के अन्य हिस्सों से राजस्थान में हेरिटेज शिल्प कला ने बाजार का एक बड़ा हिस्सा खो दिया है जो पहले से ही संकट में था। महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसाय, विशेष रूप से हस्तशिल्प खंड जहां महिलाओं की भारी उपस्थिति थी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

हमारी टैग लाइन जीवित परंपराओं को बढ़ावा देना के अनुसार हम अपनी प्रदर्शन कला और शिल्प कला के व्यावसायीकरण से परे देखना चाहते हैं। हम स्थानीय शिल्प कला समुदायों को प्रोत्साहन प्रदान करें और ऐसा करते हुए इंक्लूसिव पर्यटन को बढ़ावा देना चाहते है। हम वीव वॉक में उन हेरिटेज स्थलों को प्रदर्शित करेंगे जो कम प्रचलित हैं। बॉलीवुड फेम कोरियोग्राफर शाय लोबो, जो मनीष मल्होत्रा के शो भी करते हैं, इस इवेंट को कोरियोग्राफ करेंगे। शो की स्टाइलिस्ट जयपुर निवासी संध्या होंगी। जयपुर की 40 प्रमुख महिलाओं के साथ शिल्प कलाकार रैंप वॉक करेंगे। महिला जयपुराइट पूरे राजस्थान से बुनी कम ज्ञात साड़ियों में रैंप वॉक करेंगी, जैसे पट्टू, आवा, रासिका रेड, इंडिगो, बधरू, कोटा जरी, मोजामाबाद, आजरक आदि। वॉक पेशेवर मॉडल द्वारा नहीं बल्कि जयपुर हेडलाइनर्स द्वारा होगा, जैसे डॉक्टर, शिक्षाविद, गृहिणी, उद्यमी, इंजीनियर, डिजाइनर, डिजिटल रणनीतिकार। शो में हेरिटेज सिंगर लोक संगीत की प्रस्तुति भी देंगे। ऐसा करने से कारीगर और कलाकार के समुदायों पर ध्यान केंद्रित होगा व साथ ही पर्यटन पर फिर से विचार करने में लाभ उत्पन्न होगा।

राजस्थान के पीड़ित निवेशकों की रकम लौटाने में केंद्र सरकार मदद करें : उदयलाल आंजना

जयपुर। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि आदर्श, संजीवनी, नवजीवन जैसी मल्टी स्टेट क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटियों द्वारा राजस्थान के छोटी बचत करने वाले लाखों लोगों की गाढी कमाई को हडपा गया है। इन सब पीडित परिवारों के साथ बडा धोखा हुआ है, यह बहुत ही व्यथित करने वाला है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राजस्थान के पीडित निवेशकों की राशि लौटाने में मदद करें।

आंजना गुरूवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सहकारिता मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न केन्द्रीय एजेन्सियां जैसे ईडी, इन्कम टैक्स विभाग आदि आपस में सहयोग एवं समन्वय कर पीड़ित निवेशकों को राहत दें। ईडी एवं इनकम टैक्स विभाग ने मांग आपूर्ति हेतु सम्पत्तियों को जब्त कर रखा है इससे छोटे निवेशकों को भुगतान में बाधा आ रही है, पहले सर्वप्रथम निवेशकों को राहत देनी चाहिये। उन्होंने आग्रह किया कि केंद्र सरकार इन एजेंसियों को निर्देशित करें।

- **दिल्ली में सहकारिता मंत्रियों के सम्मेलन में आंजना ने मल्टी स्टेट क्रेडिट सोसायटियों की धोखाधड़ी का मुद्दा उठाया**

सहकारिता मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सामने जैसे ही यह विषय आया तत्काल ही राजसहकार पोर्टल खोला गया और पीड़ितों की शिकायतें ली जा रही हैं। अब तक 01 लाख से अधिक शिकायतें आ चुकी हैं। निवेशकों के हित में डेजिग्नेटेड कोर्ट घोषित कर 7 हजार इस्तगासे अभी तक दर्ज किये जा चुके हैं। उन्होंने भारत सरकार के सहकारिता मंत्री अमित शाह को ध्यान दिलाया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पीड़ित निवेशकों का पैसा लौटाने एवं इन सोसायटियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के लिए भी आग्रह किया हैं।

आंजना ने कहा कि मल्टी स्टेट क्रेडिट सोसायटियों के खिलाफ राज्य को दी शक्तियां सीमित है ऐसे में केंद्र सरकार बड्स एक्ट 2019 एवं मल्टी स्टेट को-आपरेटिव सोसायटीज एक्ट, 2002 में संशोधन करें ताकि राज्य सरकारों के स्तर से भी इन सोसायटियों के खिलाफ ठोस कार्यवाही की जा सके। सहकारिता मंत्री ने सम्मेलन में नाबार्ड द्वारा रियायती दर पर उपलब्ध करवाई जा रही 40 प्रतिशत ऋण राशि को बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने की मांग की ताकि किसानों को अधिक से अधिक ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा सके।

वाटर क्वालिटी मॉनिटरिंग व मैनेजमेंट के गुर सिखाए

जयपुर, (का.सं.)। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के तहत जयपुर में आयोजित की जा रही दो दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन रसायनज्ञों को जल गुणवत्ता प्रबंधन के गुर सिखाए गए। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पानी की गुणवत्ता बनाए रखने की जिम्मेदारी संभालने वाले 30 रसायनज्ञों को विभिन्न तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुख्य अभियंता के.डी. गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में पानी की गुणवत्ता बनाए रखने में एन.ए.बी.एल. अप्रूव्ड प्रयोगशालाओं की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन का क्रियान्वयन राजस्थान जैसे भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य के लिए काफी चुनौतिपूर्ण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कार्यशाला में सीखी गई बातें रसायनज्ञों के लिए काफी लाभदायक होंगी।

तस्करी करने वाले को सजा

जयपुर, (का.सं.)। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने मादक पदार्थ डोडा-पोस्त की तस्करी करने वाले अभियुक्त विजय कुमार को सात साल की सजा सुनाई है।

वहीं अदालत ने कश्मीर निवासी इस अभियुक्त पर सत्तर हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा है कि इस दंड आदेश की अपील करने की मियाद पूरी होने के बाद तस्करी में शामिल ट्रक को नीलाम कर प्राप्त होने वाली राशि को राजकोष में जमा कराया जाए।

लंपी संक्रमण से अप्रभावित इलाकों में तेजी से टीकाकरण करें : लालचंद कटारिया

जयपुर, (का.सं.)। पशुपालन मंत्री लालचन्द कटारिया ने राज्य में लम्पी स्किन डिजीज को फैलने से रोकने के लिए संक्रमण से अप्रभावित इलाकों में तेजी से टीकाकरण करने के निर्देश दिए। प्रदेश में अभी तक 6 लाख 87 हजार पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है।

पश्चिमी राजस्थान में संक्रमण एवं मृत्यु दर में लगातार गिरावट आ रही है और जैसलमेर जिले में पिछले एक सप्ताह से लम्पी रोग से किसी जानवर के मरने की रिपोर्ट नहीं मिली है।

- **गौशालाओं का पुनः निरीक्षण करने के निर्देश**

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने गुरुवार को पंत कृषि भवन में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों सहित सभी संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बैठक की।

कटारिया गुरुवार को यहां पंत कृषि भवन में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों सहित सभी संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बैठक कर लम्पी स्किन डिजीज की स्थिति एवं रोकथाम के लिए किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा कर रहे थे।

पशुपालन मंत्री कटारिया ने कहा कि प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन एवं पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गौवंशीय पशुओं में टीकाकरण किया जा रहा है उन्होंने बताया कि अब तक अजमेर जिले में 53209, कुचामन सिटी में 37697, भरतपुर में 56410, चित्तौड़गढ़ में 43476, अलवर में 73535, जयपुर में 29957, बांसवाड़ा में 53000, कोटा में 40232, बूंदी में 34979, बारां में 75571, झालावाड़ में 34118, प्रतापगढ़ में 44866, उदयपुर में 33255 सहित 27 जिलों में 6 लाख 87 हजार 375 पशुओं में टीकाकरण किया गया है।

उन्होंने बताया कि राज्य में पर्याप्त मात्रा में टीके उपलब्ध है और डेयरी फेडरेशन के माध्यम से 25 लाख टीके और खरीदने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने संक्रमण रहित क्षेत्र को चिन्हित कर टीकाकरण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने और तेजी से टीकाकरण करने के निर्देश दिए।

कटारिया ने कहा कि रोगी पशुओं के उपचार के लिए किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिलों में स्थानीय स्तर पर दवाइयों की खरीद के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा कॉन्फेड के माध्यम से जिलों की मांग अनुरूप औषधियों की आपूर्ति भी की जा रही है। उन्होंने प्राप्त औषधियों को जिला औषधि भंडार में अनावश्यक नहीं रखकर तुरंत संस्थाओं को भिजवाने के निर्देश दिए।

पशुपालन मंत्री ने अधिकारियों को सभी गौशालाओं का पुनः निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में मानसून का दौर फिर से सक्रिय होने की संभावना के दृष्टिगत गौशालाओं में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें ताकि संक्रमण को रोकने में मदद मिल सके। उन्होंने जन प्रतिनिधियों के सम्पर्क में रहकर लम्पी रोग के रोकथाम के प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए।

कटारिया ने इस संक्रमण काल के दौरान गौवंश को इस बीमारी से बचाने के लिए आगे आए भामाशाहों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं तथा जन प्रतिनिधिगण से मिले सहयोग की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया।

जगदीप धनखड़ का राजभवन में स्वागत

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ देश के उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद गुरुवार दोपहर पहली बार सपत्नीक राजभवन आए। यहां राज्यपाल कलराज मिश्र ने उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ का भावभरा स्वागत किया। उन्होंने उपराष्ट्रपति से मुलाकात कर प्रदेश और प्रदेश के विकास से जुड़े विषयों पर उनसे चर्चा की।

इससे पहले उपराष्ट्रपति के सांगानेर एयरपोर्ट पहुंचने पर राज्यपाल कलराज मिश्र ने अगवानी की और पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभीना स्वागत करते हुए उनका अभिनंदन किया। कला एवं संस्कृति मंत्री बी.डी. कल्ला, महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश, मुख्य सचिव उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक एम. एल. लाठर ने भी उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को राज्यपाल ने शाम को सांगानेर एयरपोर्ट पर भावभीनी विदाई दी। मंत्री बी.डी. कल्ला, सांसद राम चरण बोहरा, मुख्य सचिव उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक एम. एल. लाठर ने भी विदाई दी।

नवजात बच्चों और प्रसूताओं का डीएनए टेस्ट के लिए सैम्पल लिए

जयपुर, (कासं)। राजधानी के के सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में सप्ताह भर पहले बच्चे बदलने के मामले में पुलिस ने डीएनए टेस्ट के लिए सैम्पल लिए हैं।

लालकोठी थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की मौजूदगी में अस्पताल में दोनों बच्चों और प्रसूताओं के डीएनए टेस्ट के लिए ब्लड के सैम्पल लिए। शुक्रवार को जॉच के लिए इन सैम्पल को एफएसएल लैब भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि मामला नवजात बच्चों का और संवेदनशील होने के कारण एफएसएल से जल्द रिपोर्ट देने के लिए आग्रह किया जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद बच्चों के सही माता-पिता का पता चल सकेगा। हॉस्पिटल के डॉक्टर्स का कहना है कि इस तरह का ये पहला मामला है जब इसे सुलझाने के लिए डीएनए टेस्ट करवाया जा रहा है।

गौरतलब है कि एक सितम्बर को जयपुर के घाटगेट निवासी रेशमा और करौली की रहने वाली निशा की डिलीवरी हुई थी। इस दौरान दोनों बच्चों के टैग को लेकर गफलत हो गई और बच्चों की अदला-बदली हो गई।

कार में बेहोश मिले प्रोपर्टी कारोबारी की मौत, शरीर पर चोट के निशान भी मिले

परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मुरलीपुरा थाने में हंगामा किया, समझाइश पर माने

जयपुर (कासं)। सीकर रोड पर बुधवार देर शाम कार में बेहोश मिले प्रॉपर्टी कारोबारी की मौत हो गई। व्यापारी के शरीर पर कई जगह चोट के निशान भी मिले है। मुरलीपुरा पुलिस ने गुरुवार दोपहर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए है।

मृतक के परिजनों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर गुरुवार शाम थाने में हंगामा किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच करने का आश्वासन देकर लोगों से समझाइश की और उन्हें शांत करवाया।

- **पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से साक्ष्य जुटाये, सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की**
- **सीकर रोड पर अलका टॉकीज के पीछे स्थित अरोमा बीयर बार के सामने खड़ी कार में बेहोश मिला था मृतक**

मृतक के हाथ पर चोट के निशान

प्रोपर्टी कारोबारी के परिजनों और स्थानीय लोगों ने मुरलीपुरा थाने में हंगामा किया।

मुरलीपुरा थानाधिकारी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि मृतक हनुमान सैनी (44) पुत्र गोपाल लाल सैनी मुरलीपुरा के रहने वाले थे। वह प्रॉपर्टी का कारोबार करते थे। बुधवार शाम करीब 7 बजे सीकर रोड पर अलका टॉकीज के पीछे स्थित अरोमा बीयर बार के सामने खड़ी कार में वह बेहोश की हालत में मिले। बीयर बार के गार्ड से हनुमान ने अपने घर पर कॉल करवाया था। कॉल कर उन्हें खुद को लेने अरोमा बीयर बार आने की कहा। उनका बेटा तनिष (16) वहां पहुंचा तो हनुमान सैनी अपनी कार में बेहोश की हालत में मिले। गंभीर हालत में बेटा उन्हें लेकर प्राइवेट हॉस्पिटल पहुंचा। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह प्रॉपर्टी कारोबारी हनुमान सैनी की मौत की सूचना पर मुरलीपुरा थाना पुलिस हॉस्पिटल पहुंची। पुलिस ने कावंटिया हॉस्पिटल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने टीम की मदद से कार के अंदर से सबूत जुटाए। शाम करीब 5:30 बजे परिजन 150 से अधिक स्थानीय लोगों के साथ मुरलीपुरा थाने पहुंचे। थाने के बाहर लोगों ने प्रॉपर्टी कारोबारी हनुमान की मौत को लेकर हंगामा किया। परिजनों का कहना है कि हनुमान सैनी के शरीर पर चोट के निशान मिले है। हनुमान की हत्या का अंदेशा जताते हुए परिजनों ने शिकायत दी। पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच करने का आश्वासन देकर मामले को शांत करवाया। पुलिस ने बताया कि बुधवार दोपहर को हनुमान अरोमा बीयर बार पहुंचे थे। बीयर पीने के बाद पेमेंट कर बाहर आ गए। बाहर खड़ी अपने कार में आकर बैठ गए। बीयर बार के गार्ड ने बताया कि दोपहर भर हनुमान अपनी कार में ही सोते रहे। इस बीच एक बार उसने उन्हें पानी भी पिलाया है। जिसके बाद शाम को हनुमान के कहने पर गार्ड ने अपने मोबाइल से कॉल किया और हनुमान की परिवार के लोगों से बात करवाई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने की विधायक गंगादेवी के खिलाफ नारेबाजी

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस के राज में कांग्रेस विधायकों के क्षेत्र में काम नहीं होने को लेकर अब आमजन के साथ खुद कांग्रेस कार्यकर्ता भी विरोध में खड़े होने लगे हैं। इस विरोध का असर यह है कि कांग्रेस कार्यकर्ता अपने विधायक के खिलाफ हैं, सड़कों पर उतर आए हैं। जयपुर के प्रताप नगर सेक्टर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के ऐसे ही विरोध का सामना बगरू विधायक गंगा देवी को करना पड़ा।

यहां हाउसिंग बोर्ड के कार्यक्रम में बगरू विधायक गंगादेवी आई थी तो उनके खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ही प्रदर्शन शुरू कर दिया और क्षेत्र में विकास कार्य नहीं होने का आरोप लगाया। दरअसल कॉलोनी में सड़क का काम पिछले 4 साल से अधूरा पड़े रहने और पीने की पानी की समस्या को लेकर लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है।

- **विकास कार्य नहीं होने से खफा हैं प्रताप नगर के कांग्रेसजन और आम लोग**

जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव गजेन्द्र सिंह तंवर के नेतृत्व में प्रताप नगर सेक्टर 17 के लोग कार्यक्रम में पहुंचे और विधायक गंगादेवी के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और विधायक पर जनता की सुनवाई न करने का आरोप लगाया। तंवर ने बताया कि सेक्टर 173 में करीब 500 मकान है और यहां कॉलोनी में सड़कें पिछले 4 साल से जर्जर पड़ी हैं।

कुछ जगहों पर सड़क बनाने के लिए मोरम और गिट्टियां डाली गई, लेकिन डामरीकरण अब तक नहीं किया। इसको लेकर हम कई बार विधायक गंगादेवी को भी ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन वे एक बार भी न तो हमारे क्षेत्र में लोगों की समस्याएं देखने आई और न ही उन्होंने नगर निगम, हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को सड़क बनवाने के निर्देश दिए। तंवर ने बताया कि कांग्रेस के कार्यकर्ता होने के बावजूद कांग्रेस की सरकार में कोई सुनवाई नहीं हो रही।

विरोध कर रहे लोगों ने सड़क के अलावा पानी की सप्लाई नियमित नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रताप नगर एरिया में पानी बहुत कम प्रेशर के साथ और 20 से 25 मिनट ही सप्लाई हो रहा है, जबकि अन्य जगहों पर तेज प्रेशर के साथ 45 से 60 मिनट तक पानी सप्लाई होता है। यही नहीं कई बार तो पानी की सप्लाई ही नहीं होती। पीएचईडी के अधिकारी एईएन एक्सईएन भी कोई ध्यान नहीं दे रहे।

देश के विकास के लिए साक्षरता अहम बुनियादी आवश्यकता : चौहान

चूरू, (कासं)। देश के विकास के लिए साक्षरता एक अहम बुनियादी आवश्यकता है। यह विचार जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरीराम चौहान ने व्यक्त किए। वे जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग की ओर से जिला परिषद के सभागार में गुरुवार को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि कुछ व्यक्ति अपनी पारिवारिक एवं आर्थिक परिस्थितियों के कारण लिखने पढ़ने से वंचित रह जाते हैं। जिसके कारण उनको अपने जीवन में कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोगों की निरक्षरता के कलंक को मिटाने के लिए हमारी सरकार की ओर से साक्षरता के कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष 2030 तक सम्पूर्ण भारत को निरक्षरता से मुक्त करना है। विशिष्ट अतिथि सैनिवृत प्राचार्य प्रो. हनुमानाराम ईसरान ने अपने विचार प्रकट करते हुए इस वर्ष की साक्षरता की थीम. ट्रांसफोरमिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेज को रेखांकित करते हुए कहा कि साक्षरता का अर्थ केवल कक्षा कक्ष तक सीमित नहीं रखकर बल्कि घर, आफिस, कारखाना, बाजार, मंदिर, मस्जिद, चर्च आदि जीवन के सभी क्षेत्रों तक फैलाना है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि नेहरू युवा केंद्र के अधिकारी मंगल जाखड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि जिला रोजगार अधिकारी वर्षा जानू ने साक्षरता संदेश का वाचन किया और शिक्षाविद् ओमप्रकाश तंवर ने साक्षरता संकल्प पढ़कर सुनाया। जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश फगेडिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पीपीटी के माध्यम से नवसाक्षरता कार्यक्रम का परिचय दिया एवं प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा साक्षरता शपथ दिलाई। प्रोजेक्टर के माध्यम से ओमप्रकाश तंवर द्वारा लिखित बहू बेटी डिजिटल साक्षरता केंद्र का प्रर्दशन किया गया जिसकी दर्शकों ने बहुत सराहना की। परिचय सत्र में मुख्य मंत्री युवा सम्बलन योजनान्तर्गत साक्षरता अभियान में इन्टर्नशिप कर रहे 180 युवा स्नातकों ने अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। श्रेष्ठ कार्यों के लिए ममता रांकावत, प्रियंका प्रजापत और रोहित शर्मा को साक्षरता ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त कर अतिथियों द्वारा उनका सम्मान किया गया। ममता रांकावत ने साक्षरता गीत की प्रस्तुति दी गई। सरस्वती के चित्र के अगरबत्ती प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से प्रारंभ हुए कार्यक्रम के अंत में साक्षरता मानव श्रृंखला के साथ समापन हुआ। शिक्षाविद ओमप्रकाश तंवर ने समारोह का संचालन किया।

चूरू जिला परिषद सभागार में सीईओ हरिराम चौहान (बीच में) ने साक्षर बनाये जाने की शपथ दिलाई।

- जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस आयोजित

साक्षरता दिवस का आयोजन

झुंझुनूं, (कासं)। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर जिला स्तरीय समारोह जेके मोदी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में उल्लासपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व उप सभापति बिमला बेनीवाल रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला साक्षरता अधिकारी लियाकत अली द्वारा की गई। समारोह में जिला साक्षरता अधिकारी कुलदीप खरबास द्वारा नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का परिचय देते हुए साक्षरता कार्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उदबोधन में लियाकत अली ने स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात चले साक्षरता कार्यक्रमों एवं उनसे साक्षरता दर में हुई वृद्धि के बारे में बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एडीईओ प्रमोद कुमार आबूसरिया व महिला अधिकारिता विभाग में पीओ राजेंद्र सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा रंगोली का निर्माण किया गया एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी गई। जिला साक्षरता कार्यालय द्वारा प्रस्तुति देने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया।

सार-समाचार

नन्हें-मून्ने बच्चों में दिखा उत्साह

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं एकेडमी विज्डम सिटी स्थित जीवेम स्पोर्ट्स स्कूल के खेल मैदानों पर चल रही जीवेम स्पोर्ट्स मीट का दूसरा दिन झुंझुनूं एकेडमी मान नगर के नाम रहा। जानकारी देते हुए प्रधानाचार्या मिनाक्षी शर्मा ने बताया कि स्पोर्ट्स मीट का आगाज कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गणितज्ञ डॉ. घासीराम वर्मा, पार्षद प्रमोद जानूं, सरिता तुलस्यान, डॉ. केके बाजिया, आईडीबीआई बैंक मैनेजर सत्येंद्र, डॉ. जावेद एवं सैफुद्दीन एवं जीवेम डायरेक्टर आशुतोष मोदी द्वारा विद्यालय ध्वज के ध्वजारोहण के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा लय एवं ताल के साथ सूर्य नमस्कार एवं एयरोबिक्स की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत पर भी एक शानदार नृत्य प्रस्तुत किया गया। डायरेक्टर आकाश मोदी ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। इसके पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा सैकड़ों तिरंग गुब्बारे आसमान में एक साथ छोड़े गए और स्पोर्ट्स मीट की शानदार शुरूआत की गई। स्पोर्ट्स की जानी-मानी कंपनी दी स्पोर्ट्स गुरूकुल द्वारा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की खेलकुद गतिविधियों का आयोजन किया गया। विभिन्न गतिविधियों में विजेता रहे विद्यार्थियों को गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रोन्ज मैडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जीवेम चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, हॉस्टल निदेशक कुरड़ाराम धींवा ने विद्यार्थियों को स्पोर्ट्स मीट की शुभकामनाएं दीं।

बेजुबान गौवंश की सेवा की

चूरू, (कासं)। नन्दिनी गौपुत्र गौसेवा समिति भानीनाथ आश्रम तारानगर रोड स्तिथ गौशाला में समाज सेवी व पर्यावरण प्रेमी बाबूलाल तुनगरिया ने लंपी वायरस को भगाना है गौवंश को बचाना है जनजागरूकता अभियान के तहत नन्दिनी गौपुत्र गौसेवा समिति के अध्यक्ष देवनाथ महाराज एसचिव ध्याननाथ महाराज व कोषाध्यक्ष सुरेश सैनी के सानिध्य में लंपी वायरस से संक्रमित गौवंश को मक्खी-मच्छर से सुरक्षा के लिए घर पर ही तैयार किए गए मच्छरदानीनुमा कवर ओढ़ाए। इस दौरान तुनगरिया ने गौसेवकों को कपड़े के मास्क और नीम की साबुन भेंट की। समिति के अध्यक्ष देवनाथ जी महाराज ने तुनगरिया के इस नेक कार्य की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन ही सुखमय जीवन होता है और गाय का दूध हमें स्वस्थ बनाता है। गाय हर प्रकार से सुख को प्रदान करने वाली होती है। उनके बछड़े खेत और खलियान जोतते है जिनसे अनाज और सब्जी पैदा होती है। आज हम सब को लंपी रोग से ग्रसित बेजुबान गौवंश की तकलीफ को समझकर उनकी सेवा करनी चाहिए। पर्यावरण प्रेमी तुनगरिया ने कहा कि एक बहुत बड़ी संख्या में गाय इसलिए भी मर जाती है क्योंकि हम और आप सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करते हैं। शहर में कई गायें सिंगल यूज प्लास्टिक खा कर मर रही है। जरूरी है प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करें। इस अवसर पर गौसेवक मनोज सैनी, सुरेश श्रावगी, मुकेश ठठेरा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

चूरू, (कासं)। रणधीसर पहाड़ी खनन क्षेत्र, माताजी मन्दिर के पास चिकित्सा विभाग एवं खनन व क्रेशर समिति की ओर से सिलिकोसिस व टीबी स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनोज शर्मा ने बताया कि खनन क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों, स्थानीय ग्रामीणों के स्वास्थ्य का परीक्षण करके आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाई गई। शिविर में सिलिकोसिसए श्वास रोग, ब्लड प्रेशर, शुगर आदि के 180 खान श्रमिकों एवं ग्रामीणों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। इनमें से 30 श्रमिकों को स्पूटम एवं एक्सरे जांच हेतु रेफर किया गया। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. वेद प्रकाश ने बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर टीबी जागरूकता लाने हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय प्रतिनिधि व ग्रामीणों द्वारा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के पोस्टर का विमोचन किया गया। शिविर में डॉ. अनिता डूडी, सीएचओ रामकिशन, अंजू, अनिता एननएम, एलटी रविन्द्र सिंह, एसटीएस ओम प्रकाश जांगिड़, एसटीएलएस राम प्रसाद माली, मनोज स्वामी व टीबी क्लिनिक, रतनगढ़ के सुरेन्द्र जांगिड़, जिला पीपीएम कॉर्डिनेटर चिन्तन सिंह एवं खनन विभाग की टीम व क्रेसर एसोसियन के कार्यकताओं ने अपनी सेवायें दी। माताजी मन्दिर के किशोर पुजारी ने ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का सन्देश दिया।

म्यूजियम का अवलोकन किया

कोलसिया, (निसं)। बुगाला के गणेश सर्व दर्शन अखाड़ा मंडावा महंत ब्रह्मचारी गणेश चैतन्य के सानिध्य में सिद्धि आश्रम महंत छाजूनाथ की समाधि स्थल पर सत्संग किया गया। बीदसर के राजेश पूनियां ने एक से बढ़कर एक धार्मिक भजनों की प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर महंत की स्मृति में भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. सुमन कुलहरि गढ़वाल ने आश्रम में महंत की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर अशोक के पौधे भी लगाए। इस दौरान मोहननाथ, रुड़ाराम सैनी, जयराम सैनी, नरेश जांगिड़, कोमल शर्मा,सन्तोष, विमला, अंजू, सन्तरा सहित अनेक भक्त मौजूद रहे। इसके बाद डॉ. कुलहरि बावलिया बाबा मंदिर में दर्शन कर म्यूजियम का भी अवलोकन किया। मंदिर पुजारी गोपालदास व भंवरसिंह शेखावत ने बाबा की जीवनी व चमत्कारों पर जानकारी दी। डॉ. सुमन ने भी अपने साथ घटित बाबा के चमत्कार को उपस्थित लोगों को साझा किया।

पूनियां का किया स्वागत

सादुलपुर, (निसं)। गुरूवार को धमाणा जोहड नेशल छोटी स्थित प्रसिद्ध देव स्थान 'भौमिया'जी मंदिर में दर्शन कर पास के श्रद्धालुओं से खचा खच भरे पांडाल में मंदिर के मंहत सहित नेशल के सरपंच प्रतिनिधि व आसपास के विशिष्ट जनो द्वारा भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष वेदपाल पूनियां का माल्यार्पण कर एवं दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया। इसी दौरान भाजपा नेता वेदपाल पूनियां ने कहा कि आज जो मुझे सम्मान दिया गया उसके लिए हृदय सभी नेशल के ग्रामीणजनों का आभारी हूं। इसी दौरान उन्होंने प्रतिवर्ष भरने वाले मेले के कोरोना काल के बाद इस वर्ष भरने पर खुशी व्यक्त करते हुए क्षेत्र में सुख स्मृद्धि एवं खुशहाली की कामनाएं की तथा भौमिया जी के दर्शन कर अपने आप को सौभाग्यशाली समझा। इस अवसर पर मानसिंह राठौड सहित नेशल ग्राम पंचायत के अनेक गणमान्यजनों तथा मेले में दर्शनार्थ आये हजारों लोग उपस्थित रहे।

लम्पी की रोकथाम के लिए ज्ञापन दिया

तारानगर, (निसं)। गायों में फैली लम्पी वायरस की रोकथाम के लिए अखिल भारतीय किसान सभा ने कॉमरेड निर्मल कुमार के नेतृत्व में नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी अरुण कुमार सोनी को ज्ञापन सौंपा। निर्मल कुमार ने बताया कि गायों में लंपी वायरस बहुत तेजी से फ़ैल रहा है। हम सरकार से मांग करते है कि लैंपी वायरस के पुख्ता इंतजाम किए जाए और पशु चिकित्सालय में निशुल्क दवाइयां उपलब्ध हो। लंपी वायरस से मरने वाली गौवंश के शवों का निस्तारण सही तरीके से जमीन में दफना कर किया जाए। ग्राम सेवक और पशुधन सहायको की बाते मानकर सरकार उनकी हड़ताल तुड़वाए। मोटना जोहड़ा में बालाजी सेवा समिति द्वारा संक्रमित गायों के लिए बनाए गए क्वॉरैंटाइन सेंटर पर एक डॉक्टर और निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जाए। ज्ञापन देने वालों में पार्षद शिव कुमार शर्मा, देवकीनन्दन शर्मा, विशाल पंडित, मनोज शर्मा, सुमित नोखवाल, संजय शर्मा, किशन शर्मा, अशोक शर्मा, हनुमान शर्मा, आशाराम शर्मा, नरेश शर्मा सहित बालाजी गौशाला समिति की पूरी टीम मौजूद रही।

शंभू शाह का अभिनंदन किया

झुंझुनूं, (निसं)। गोरखपुर में गीता होलसेल मार्ट के संचालक एवं विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े हुए सामाजिक कार्यकर्ता शंभू शाह का गोरखपुर में शाह कॉलोनी स्थित उनके निज निवास पर श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था की ओर से ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान द्वारा स्वागत अभिनंदन करते हुए उन्हें दुपट्टा ओढाकर राधाकृष्ण का प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर मंडेला निवासी सूरत प्रवासी विश्व हिंदू परिषद सूरत महानगर अध्यक्ष एवं रूगंटा बिल्डर्स के चेयरमैन अनिल रुंगटा आदि मौजूद थे।

महर्षि आज चूरू आएंगे

चूरू, (कासं)। रतनगढ़ विधायक अभिनेष महर्षि आज चूरू में अनेक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। महर्षि आर जे एस में चयनित शिखा शर्मा के आवास जाकर शुभकामनाएं प्रेषित करेंगे। इसके पश्चात प्रतिभा नगर में अयोजित भगवान शिव के सवामनी प्रसाद में शामिल होंगे।

सार-समाचार

10 सितंबर को होगा कवि सम्मेलन

चूरू, (कासं)। राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर एवं मंसूर अकादमी चूरू के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 10 सितंबर को रात 9.00 बजे राणाजी का नोहरा मस्जिद चेजारान के पास भाईजी चौक में ऑल राजस्थान मुशायरा एवं कवि सम्मेलन होगा, जिसमें राजस्थान भर के नामचीन शायर और कवि अपनी प्रस्तुतियां देंगे। मंसूर अकादमी चूरू के सेक्रेटरी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शमशाद अली और संयोजक अब्दुल मन्नान मजहर ने बताया कि सांप्रदायिक सौहार्द बढाने के लिए आयोजित होने जा रहे मुशायरे के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर चूरू एवं अध्यक्षता राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के अध्यक्ष डॉ दुलाराम सहारण करेंगे। पीर सैयद मोहम्मद अनवार नदीमुल क़ादरी शहर इमाम चूरू और रामगोपाल बहड़ पूर्व सभापति एवं ट्रस्टी नगर श्री साहित्य संस्थान चूरू के विशिष्ट सानिध्य में आयोजित होने जा रहे मुशायरे मे जयपुर, बीकानेर, नागौर और झुंझुनू सहित राज्यभर से नामवर शायर और कवि अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सांप्रदायिक सौहार्द का पैगाम देंगे।

गणेश पूजा महोत्सव आयोजित

चूरू, (कासं)। स्थानीय गांधी नगर कॉलोनी में स्थित श्री श्याम केटरिंग गोडाउन में चल रही गणेश पूजा महोत्सव में चूरू के वैद्य श्याम सुंदर शर्मा ने पूजा अर्चना की। आचार्य प्रमोद कुमार शर्मा ने अमन चैन की कामना की। इस दौरान शर्मा ने कहा कि मौजूदा समय में गौ माता पर जो संकट आया है, वह विचारणीय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को गोमाता की सेवा करने का मौका मिला है। इस मौके पर चूरू के जाने-माने कलाकार विनोद ओझा, नीरज गौड, आंचल शर्मा, काजल व पायल ने शानदार भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में सुशील शर्मा, योगेश शर्मा, दीपक शर्मा, नंदलाल, रविंद्र चौहान, रजत खींचा, मुकेश खींची, गजानंद, पुरुषोत्तम, निखिल, हर्षित आदि ने आयोजकीय भूमिका अदा की। संस्था के अध्यक्ष श्याम लाल शर्मा ने सभी का आभार जताया।

विवेक सेठीया युवा जिलाध्यक्ष बने

चूरू, (कासं)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री गुरुग्राम के पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल व प्रदेश अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल व जिला अध्यक्ष रघुनाथ खेमका का की अनुशंसा पर जिला महामंत्री एडवोकेट नरेश सराफ ने सरदारशहर के युवा विवेक सेठिया को अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन का युवा जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। सेठिया को शीघ्र ही अपनी कार्यकारिणी गठन करने का निर्देश देते हुए संगठन व समाज की मजबूती के लिए कार्य करने का निर्देश दिया। इनके मनोनयन पर जिले के प्रदीप सरावगी, टी सी सर्राफ, मोहन भलेरीवाला, प्रदीप सरोठिया, विकास बांठिया, अरविंद बगडिया, श्रीराम बुबना, सुरेश मुरारका, रमेश किला, रजनीकान्त सोनी, संतलाल सरावगी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की और युवा अध्यक्ष को बधाई दी।

गौशाला का निरीक्षण किया

चूरू, (कासं)। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने लम्पी रोग की रोकथाम के तहत श्री गोपाल गौशाला समिति, रायपुरिया का निरीक्षण गुरुवार को किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर गौशाला पदाधिकारियों को लम्पी रोग के रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। डॉ.शर्मा ने बताया कि गौशाला में गौवंश के रख-रखाव के तहत पशु आवास व पशु आहार सहित अन्य व्यवस्था संतोषजनक पाई गई एवं लम्पी रोग से पीड़ित गौवंश के लिए गौशाला समिति की ओर से अलग से आईसोलेशन वार्ड बनाया गया जिसमें रोग से पीड़ित गौवंश को रखा गया है तथा उनका उपचार किया जा रहा हैं। लम्पी रोग से पीडित गौवंश रिकवर हो रहे हैं। साथ ही गौशाला पदाधिकारियों को लम्पी रोग की रोकथाम के लिए 2 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराइड का नियमित छिड़काव गौशाला परिसर में करने, मच्छर व मक्खी से बचाव के लिए कपूर, नीम, गुग्गल धूप को जलाकर पशु आवास में नियमित धुवा करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही गौशाला के प्रवेश द्वार पर चूने का छिड़काव करने के लिए कहा गया है।

अजीतसर के राहुल का नीट में चयन

चूरू, (कासं)। जिले के सरदारशहर ब्लॉक के अजीतसर गांव के राहुल सहारण ने नीट परीक्षा में सरदारशहर 9414वीं रैंक अर्जित कर सफलता हासिल की है। राहुल के मामा विपिन राहड़ ने बताया कि राहुल के पिता गजेंद्र सिंह सहारण आर्मी से रिटायर्ड हैं तथा माता विमला गृहिणी हैं। वर्तमान में जिला मुख्यालय पर सैनिक कॉलोनी निवासी राहुल ने पिछले साल बारहवीं उत्तीर्ण की थी तथा सीकर में सीएलसी से इस परीक्षा की तैयारी की थी। राहुल ने बताया कि उसका उद्देश्य डॉक्टर बनकर पीड़ित मानवता की सेवा करना है। राहुल की इस सफलता पर उसके दादा लक्ष्मण सिंह सहारण, नाना सेवानिवृत्त एएसआई रामकरण राहड़ घांघू, मामा प्रेमचंद, विनित, विपिन सहित परिवारजनों, शुभचिंतकों, मित्रों, ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

सम्मान के लिए मांगे आवेदन

चूरू, (कासं)। राज्य के सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजनों एवं विशेष योग्यजनों के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों व संस्थाओं को अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 3 दिसंबर को सम्मानित करने के लिए निदेशालय विशेष योग्यजन, राजस्थान सरकार की ओर से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अरविंद ओला ने बताया कि इसके लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्रए विशेष योग्यजनों के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य का प्रमाण पत्रध्प्रशस्ति पत्र एवं अन्य उपलब्धियों के संबंध में संधारित दस्तावेजों की आवश्यकता होगी।

कायममखानी महासभा ने ज्ञापन भेजा

चूरू, (कासं)। राजस्थान कायममखानी महासभा चूरू ने अमीन खान कायममखानी प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान उर्दू शिक्षक संघ के निलंबन के विरोध में आज जिलाध्यक्ष मुंशी खां चांदखानी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर कायमखानी के निलंबन की कड़ी निंदा की है और मुख्यमंत्री द्वारा इस मामले में हस्तक्षेप कर शीघ्र ही निलम्बित कार्मिक को बहाल करने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में सत्तार खां जोइया, भंवरू खां ठेकेदार, महमूद खान, आसिफ खान, शकील दुर्रानी, सिकंदर खान एलमान, इमरान खान दिलावरखानी, सलामू खां मास्टर आदि शामिल रहे।

शहरी रोजगार योजना का शुभारंभ आज

झुंझुनूं, (कासं)। जिले में शुक्रवार से शहरी क्षेत्र के लोगों को भी इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में वर्ष में 100 दिवस रोजगार की गारंटी मिलेगी। इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना का जिला स्तरीय शुभारंभ 9 सितम्बर को नगर परिषद् झुंझुनूं की सभापति नगमा बानो एवं जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुड़ी द्वारा किया जाएगा। नगर परिषद आयुक्त और एसडीएम शैलेश खैरवा ने बताया कि कार्यक्रम में सम्मानित पार्षदगण एवं जन प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इसके पश्चात झुंझुनूं शहर के चिह्नित कार्य का शुभारंभ वार्ड नं. 58 में मेड़तनी जी बावड़ी के पास दोपहर 1 बजे किया जाएगा। शुभारंभ की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। कार्य योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए झुंझुनूं नगर परिषद् तथा 11 नगर पालिकाओं में कुल 405 प्रकार के कार्यों के लिए कुल 2627.14 लाख रूपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। जिसमें कुल 8,41,979 मानव दिवस सृजित किए गए है। अब तक कुल 3862 जॉब कार्ड जारी किए जा चुके है।

खेत में लगी बोरिंग एवं सोलर प्लेटों की केबल की चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। किसानों के खेत में लगी बोरिंग एवं सोलर प्लेटों की केबल की चोरी करने वाले आरोपी को पाटन पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पाटन थाना अधिकारी राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 29 अगस्त को दीपचंद गुर्जर पुत्र बल्लाराम निवासी बेंवा तन धांधेला द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 12 अगस्त को रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा खेत में लगे सोलर प्लेटों की 65 मीटर केबल काट कर चोरी कर ले गए, माला गुर्जर पुत्र गणेश राम गुर्जर निवासी बेंवा के कुए पर लगी सोलर प्लेट दो बार चोरी की गई तथा 100 मीटर केबल काट कर ले गए। वहीं जगदीश गुर्जर पुत्र गणेश राम निवासी बेंवा की 175 मीटर केबल चोरी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। महानिरीक्षक पुलिस रेंज जयपुर चंद्र दत्ता, पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप के निर्देशानुसार संपत्ति संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेते हुए संपत्ति संबंधी अपराधों का खुलासा कर वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी व चोरी किए गए सामान की बरामदगी के निर्देश प्राप्त हुए थे। प्राप्त आदेशों की पालना में रतन लाल भार्गव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमकाथाना, गिरधारी लाल शर्मा पुलिस उप अधीक्षक नीमकाथाना के निकटतम सुपरविजन में टीम का गठन किया गया। गठित टीम में थानाधिकारी राजेश कुमार, सहायक उपनिरीक्षक जालू राम, हेड कांस्टेबल पवन शर्मा, कांस्टेबल गजेंद्र, विनोद, योगेंद्र द्वारा आस-पड़ोस के सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया। सूचना जुटाई गई जिसमें कृष्ण कुमार उर्फ मिर्च्या पुत्र राजेंद्र जाति ब्राह्मण निवासी भारुवाला तन न्योराणा को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक दर्जन चोरी की वारदात करना स्वीकार किया।

पाटन थाना पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

गणेश चतुर्थी महोत्सव का समापन

सुजानगढ़, (निसं)। गणेश मंदिर में आयोजित गणेश चतुर्थी महोत्सव का गणेश प्रतिमा विसर्जन के साथ समापन हुआ। महोत्सव के समापन से पूर्व व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचक गोविन्द भैया ने भागवत का महात्म्य बताते हुए कहा कि कथा श्रवण से मनुष्य का जन्म सुधर जाता है तथा भगवान का संकीर्तन करने से इह लोक और परलोक दोनो से व्यक्ति पार हो जाता है। यजमान पवन मौसूण, गिरधारी लाल जांगिड, सरंक्षक मोतीलाल सोनी, अध्यक्ष अरविन्द सोनी, सचिव सुरेश अरोडा, कोषाध्यक्ष गोपाल सोनी ने विशिष्ट जनों का स्वागत किया। कथा समापन के पश्चात मूर्ति विसर्जन यात्रा निकाली गई। जिसमें गणेश मूर्ति के साथ ही दिल्ली के रवि ओम त्रिशुली एण्ड पार्टी द्वारा कृष्ण-राधा व सखियों की झांकी, अघोरी बाबा की झांकी सहित सजीव झांकियों का प्रदर्शन व नृत्य किया गया।

चिड़ावा : शहर की हृदय स्थली विवेकानंद चौक में गांधीचौक के राजा की आज भव्य शोभायात्रा के साथ विदाई हुई। इससे पूर्व आज छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया गया। इसके बाद हवन हुआ। हवन में गणपति, नवगृह, गायत्री, शिव महामृत्यंजय मंत्र व देवी मंत्रों की आहुतियां दी गई। यज्ञ के बाद शाम को मूर्ति को गणपति के जयकारों के मध्य ट्रेक्टर में विराजित कराया गया। इसके बाद शोभायात्रा तिरंगा स्थल, मुख्य बाजार, कल्याणराय मंदिर, विवेकानंद चौक, राजकला कॉम्प्लेक्स, पूनिया कॉम्प्लेक्स, पुरानी तहसील रोड, कबूतर खाना स्टैंड, पिलानी रोड होते हुए भगिनिया जोहड़ पहुंची। जहां पर विधिविधान से पूजन किया गया।

'खेल को अनुशासन में रहते हुये खेलकर राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का नाम रोशन करें'

चूरू, (कासं)। जिला स्टेडियम, सांई खेलो इंडिया सेंटर के इंडोर स्टेडियम में जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन द्वारा तृतीय राजस्थान राजस्थान राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस चेम्पियनशिप 2022 के मैचों में 11 व 13 वर्षीय बालक एवं बालिका के विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष सुरेश पूनिया ने कहा कि खेल को अनुशासन में रहते हुये खेलकर राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का नाम रोशन करें। खेलों में भाग लेने से खिलाडियों के स्वास्थ्य में भी इससे सुधार होता है। इसलिए प्रत्येक जन को खेलों में भाग लेना चाहिए।

- राजस्थान टेबल टेनिस के यूथ अंडर 13 में भावित पूनिया कोटा व समृद्धि व्यास साई ने खिताब जीता

चूरू जिला टेबल टेनिस सचिव ध्रुव पूनियां ने बताया कि तृतीय राजस्थान राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस चेम्पियनशिप के यूथ बालिका अण्डर 11 में पुर्वाषा सिंह भीलवाडा प्रथम, मानविका सिंह जयपुर द्वितीय, आदिश्री जयपुर तृतीय स्थान पर रही। बालक वर्ग यूथ अण्डर 11 में भावित सिंह बिष्ठ जयपुर प्रथम, विहान टांक जयपुर द्वितीय एवं समृद्ध बागड़ा व आराध्य शेखावत तृतीय स्थान पर रहे। जिसमें प्रथम को 1200 द्वितीय को 600 एवं तृतीय को 300 नगद ईनामी राशि, मोमेन्टो एवं प्रमाण पत्र मुख्य अतिथि सुरेश पूनिया द्वारा वितरित किये गये। बालिका यूथ अण्डर 13 में समृद्धि व्यास साई जयपुर प्रथम, प्रियांषी शर्मा टोक द्वितीय एवं राधिका सैनी जयपुर व पुर्वाषा सिंह भीलवाड तृतीय स्थान पर रहे। बालक वर्ग यूथ अण्डर 13 में भावेष पूनिया कोटा प्रथम, हर्षवर्धन सिंह जयपुर द्वितीय एवं आरव आचार्य जयपुर व सेजान खान चूरू तृतीय स्थान पर रहे। विजेता खिलाडियों को प्रथम स्थान पर 2000, द्वितीय स्थान को 1000 एवं तृतीय स्थान को 500 नगद ईनामी राशि, मोमेन्टो एवं प्रमाण पत्र से मुख्य अतिथि समाजसेवी यषपाल रणवा ने वितरित किये।

साई प्रशिक्षक रमेश पूनिया ने बताया कि बालिका अण्डर 15 लीग मुकाबले में जयश्री पारीक चूरू, आध्या सिन्हा जयपुर, प्रियांषी सिंन्हा कोटा, समृद्धि व्यास साई जयपुर, प्रत्युषा शर्मा जयपुर, रिया फोगाट अलवर, अंजलि सिंह बीकानेर, राधिका सोनी जयपुर एवं बालक अण्डर 15 वर्ग के लीग मुकाबले में लक्ष्य तोषनीवाल कोटा, अबिर लीला जयपुर, हर्षवर्धन जयपुर, अरमान बीकानेर, आरव आचार्य जयपुर, सौरभ कपूर जयपुर, अरिहन्त जयपुर, अबेल बानो कोटा, भवित सिंह जयपुर, तुषार रामचन्दानी साई जयपुर, सिद्धार्थ सिंह नागोर, भावेष पूनिया कोटा, देवान्षु जोधपुर, वीर यादव जयपुर, निखिल सिंह नागोर, आर्य शर्मा जयपुर, रूद्राक्ष सिंह राठौड़ अजमेर, प्रान्षु स्वामी बीकानेर, नील रामचन्दानी साई जयपुर, यष जोषी, दिव्याषु सौनी जयपुर ने प्रथम स्थान हासिल कर अगले राउण्ड में प्रवेश किया।

जिला स्टेडियम, सांई खेलो इंडिया सेंटर के इंडोर स्टेडियम में बालक एवं बालिका के विजेताओं को अतिथियों ने सम्मानित किया।

मैं पूरी तरह से सरप्राइज हूं कि इतने बड़े टूर्नामेंट के लिए मोहम्मद शमी को भारतीय टीम में क्यों नहीं चुना गया। **-रवि शास्त्री**

पूर्व हेड कोच, मोहम्मद शमी को एशिया कप में शामिल नहीं किये जाने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रवि शास्त्री

ओलंपिक रजत पदक विजेता पहलवान रवि दहिया की नजरें आगामी विश्व चैंपियनशिप और अगले साल चीन के हांगझोऊ में होने वाले स्थगित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की है। रवि 10 सितंबर से बेलग्रेड में शुरू होने वाले विश्व चैम्पियनशिप की तैयारियों के लिए रूस में प्रशिक्षण ले रहे हैं। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले रवि ने एक विज्ञिप्त में कहा, खिलाड़ी के रूप में मेरे जीवन का एकमात्र उद्देश्य अपने देश का नाम रोशन करना है। मेरा तात्कालिक लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है।''

क्या आप जानते हैं ?... जिम्माब्वे के तातेदु ताएब ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

बायर्न ने चैम्पियंस लीग में इंटर मिलान को हराया

मिलान, 8 सितंबर। बायर्न म्यूनिख ने सैन सिरो में इंटर मिलान को 2-0 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का अपना पहला मैच जीतने की परंपरा को जारी रखा। लेरॉय साने ने बायर्न को 25वें मिनट में बढ़त दिलाई और दूसरे गोल में भी उनकी भूमिका रही। इंटर के डिफेंडर डेनिलो डिएम्ब्रोसियो ने 66वें मिनट में सासने के शॉट पर गेंद को अपने ही गोल में डाल दिया। यह लगातार 19वीं बार है जब जर्मनी की टीम ने प्रतियोगिता में अपना पहला मैच जीता है और 17वीं बार उसके खिलाफ कोई गोल नहीं हुआ।

प्रणवी ने महिला पेशेवर गोल्फ टूर खिताब जीता

हैदराबाद, 8 सितंबर। प्रणवी उर्स ने अपना दबदबा बरकरार रखते हुए गुरुवार को यहां पांच शॉट के बड़े अंतर से महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 12वें चरण का खिताब जीत लिया। प्रणवी ने अंतिम दौर में दो ओवर 72 का स्कोर बनाया। स्थानीय गोल्फर स्नेहा सिंह ने एक ओवर 71 के स्कोर से एमेच्योर कृति चौहान के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहीं। कृति ने अंतिम दौर में तीन ओवर 73 का स्कोर बनाया। मौजूदा सत्र में 12 प्रतियोगिताओं में यह प्रणवी की पांचवीं जीत है जिससे उन्होंने आर्डर आफ मेरिट में भी अपनी बढ़त मजबूत कर ली है। प्रणवी ने कुल 12 लाख 24 हजार 500 रुपये की इनामी राशि जीती है जबकि हिताशी बख्शी आठ लाख 62 हजार 700 रुपये की इनामी राशि के साथ दूसरे स्थान पर हैं। सहर अटवाल आठ लाख 23 हजार 350 रुपये की इनामी राशि के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

ड्रेसिंग रूम में तनावपूर्ण माहौल के बीच नसीम पर भरोसा था : बाबर

शारजाह, 8 सितंबर। अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के 'सुपर फोर' चरण में एक विकेट की रोमांचक जीत दर्ज करने के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने बुधवार को कहा कि उन्हें 10वें क्रम के बल्लेबाज नसीम शाह पर भरोसा था। पाकिस्तान को 20वें ओवर में जीत के लिए 11 रन की जरूरत थी और क्रीज पर उसकी आखिरी जोड़ी थी। नसीम ने फजलहक फारूकी की शुरुआती दो गेंदों पर छक्का लगाकर पाकिस्तान को यादगार जीत दिला दी। मैच के बाद बाबर ने पुरस्कार समारोह में कहा, ''सच कहूं तो ड्रेसिंग रूम में काफी तनावपूर्ण माहौल था। हम पिछले कुछ मैचों की तरह इस मुकाबले में भी साझेदारियां नहीं बना सके। नसीम ने हालांकि जिस तरह से मैच खत्म किया, उसके बाद आप सकारात्मक माहौल को महसूस कर सकते है।'' उन्होंने नसीम के छक्के की तुलना जावेद मियांदाद की इसी मैदान में भारत के खिलाफ 1986 में आखिरी गेंद पर लगाये छक्के से करते हुए कहा, '' मैंने नसीम को इस तरह बल्लेबाजी करते देखा है, इसलिए मुझे थोड़ा विश्वास था। इसने मुझे इसी मैदान पर मियांदाद के द्वारा लगाये छक्के की याद दिला दी।''

जैम्पा के पंजे से ऑस्ट्रेलिया विजयी

केर्न्स, 8 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ (61) के अर्द्धशतक के बाद एडम जैम्पा (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड को दूसरे एकदिवसीय मैच में गुरुवार को 113 रन से मात देकर शृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को 82 रन पर समेट दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया और पहले मैच की तरह ही इस मैच में भी ऑस्ट्रेलिया के ऊपरी क्रम को जल्द पवेलियन लौटाया। ऑस्ट्रेलिया के 54 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद स्मिथ ने ग्लेन मैक्सवेल के साथ 49 रन की बहुमूल्य साझेदारी की। मैक्सवेल ने 50 गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाकर 25 रन बनाये, जबकि स्मिथ ने 94 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की बदौलत 61 रन की पारी खेली।

कोहली का विराट शतक, भारत ने जीत के साथ समाप्त किया एशिया कप अभियान

दुबई, 8 सितंबर। भारत ने विराट कोहली (122 नाबाद) के बहुप्रतीक्षित शतक के बाद भुवनेश्वर कुमार (चार रन, पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत अफगानिस्तान को एशिया कप के सुपर-4 मैच में गुरुवार को 101 रन से मात दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 212 रन बनाये थे, जिसके जवाब में अफगानिस्तान पूरे ओवर खेलकर 111 रन ही बना सकी।

कोहली ने आखिरकार अपना 71वां सैकड़ा जमाते हुए 61 गेंदों पर 12 चौकों और छह छक्कों की बदौलत 122 रन बनाये। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में कोहली का पहला शतक है। कोहली का यह अंतरराष्ट्रीय शतक 1020 दिनों के लंबे इंतजार के बाद आया है, जबकि उनका आखिरी शतक 23 नवंबर 2019 को बंगलादेश के खिलाफ खेले गये टेस्ट मैच में आया था।

यह फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी भारतीय टीम का एशिया कप 2022 में आखिरी मैच था, जिसे जीतकर उसने अपने अभियान को समाप्त किया।टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को केएल राहुल और विराट कोहली ने शानदार शुरुआत दिलायी और पहले विकेट के लिये 119 रन जोड़े। राहुल ने आउट होने से पहले 41 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की बदौलत 62 रन बनाये।

तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी करने उतरे सूर्यकुमार यादव ने पहली गेंद पर छक्का लगाया लेकिन दूसरी गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद विकेट पर आये ऋषभ पंत ने कोहली का साथ दिया और दोनों ने चौथे विकेट के लिये 42 गेंदों पर 87 रन की साझेदारी की। पंत ने इस साझेदारी में सिर्फ 20 रन बनाये। कोहली ने 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का जडकर 84 पारियों बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 रन का आंकड़ा छुआ।

कोहली ने आखिरी ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाकर भारत को 20 ओवर में 212 रन तक पहुंचाया।अफगानिस्तान कोहली की पारी से उभरी भी नहीं थी कि दूसरी पारी में भुवनेश्वर कुमार ने उनके ऊपरी क्रम को ढेर कर दिया। भुवनेश्वर ने नयी गेंद से अपना कमाल दिखाते हुए एक मेडेन सहित चार ओवर डालकर पांच विकेट लिये।

भुवनेश्वर ने हज़रतुल्लाह ज़ज़ई, रहमानुल्लाह गुरबाज़ और नजीबुल्लाह ज़ादरान को शून्य पर आउट किया, जबकि करीम जन्नत को दो रन पर स्लिप में कैच करवाया। अर्शदीप ने भुवनेश्वर का साथ देते हुए अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी को आउट किया, जिसके नतीजे में छह अफगान बल्लेबाज 21 रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गये।

इब्राहिम ज़ादरान ने अफगानिस्तान के लिये सर्वाधिक 64 (59) रन बनाये और अफगानिस्तान की पूरे 20 ओवर खेलने में मदद की। मुजीब उर रहमान ने 18 (13) रन बनाये जबकि राशिद खान ने 15 (19) रन का योगदान दिया। दिनेश कार्तिक ने 20वां ओवर डालकर 18 रन दिये लेकिन यह अफगानिस्तान की जीत के लिये काफी नहीं था और भारत ने 101 रन की विशाल विजय हासिल की। भुवनेश्वर के पंजे के अलावा अर्शदीप, रविचंद्रन अश्विन और दीपक हुड्डा को भी एक-एक विकेट हासिल हुआ।

हॉकी विश्व कप के लिए ड्रॉ घोषित

इंग्लैंड, वेल्स और स्पेन भारत के पूल में

भुवनेश्वर, 8 सितंबर। भारत को ओडिशा के भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के लिये पूल-डी में इंग्लैंड, वेल्स और स्पेन के साथ रखा गया है। एफआईएच ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

एफआईएच ने विश्व कप 2023 के लिये यहां जारी ड्रॉ में टीमों को चार पूलों में बांटा है। हॉकी की शीर्ष संस्था ने बताया कि एक जून 2022 की रैंकिंग के आधार पर भारत, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और नीदरलैंड को अपने-अपने पूल के शीर्ष पर रखा गया है।

मेजबान भारत पूल-डी की अगुवाई करेगा। भारत (विश्व नंबर-5) इस पूल में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीम है। यहां उसका सामना इंग्लैंड (विश्व नंबर-6), स्पेन (विश्व नंबर-14) और विश्व कप में पहली बार भाग ले रही वेल्स (विश्व नंबर-16) से होगा।

पूल-ए में अर्जेंटीना, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका के साथ विश्व की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया है जिसने विश्व कप 2018 में कांस्य पदक जीता था।

विश्व की नंबर दो टीम और गत चैंपियन बेल्जियम को 2006 विश्व चैंपियन जर्मनी, कोरिया और जापान के साथ पूल-बी में जगह दी गई है। पूल सी की अगुवाई विश्व कप 2018 की फाइनलिस्ट नीदरलैंड करेगी। वह इस पूल में न्यूजीलैंड और मलेशिया के साथ-साथ चिली का भी सामना करेगी, जो वेल्स की तरह ही पहली बार एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप में भाग ले रही है।

एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेल की निगरानी में हुए ड्रॉ समारोह में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन

पटनायक और एफआईएच के कार्यकारी अध्यक्ष सेफ अहमद के साथ-साथ ओडिशा खेल और युवा सेवाएं मंत्री तुषारकांति बेहरा मौजूद रहे।

पटनायक ने ड्रॉ जारी होने के बाद कहा, हमें इस तरह के उत्कृष्ट आयोजन के लिए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ हॉकी टीमों और खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए हमेशा बहुत गर्व होता है। इस बार हम दुनिया को भुवनेश्वर के हमारे शानदार कलिंगा स्टेडियम के साथ-साथ राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में भी आमंत्रित कर रहे हैं। यह नया स्टेडियम हॉकी के प्रति हमारी मजबूत प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है। एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप का आयोजन ओडिशा के भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 जनवरी 2023 से किया जाएगा।

नेपोली ने चैम्पियंस लीग में लीवरपुल को 4-1 से हराया

नेपल्स, 8 सितंबर। नेपोली ने चैंपियन्स लीग फुटबॉल में पिछले सत्र के उप विजेता लीवरपूल पर बुधवार को 4-1 की आसान जीत दर्ज की। ग्रुप के पहले दौर के मैच में नेपोली ने पहले हाफ मे तीन जबकि दूसरे हाफ में एक गोल दागा। नेपोली को पियोत्र जीलिंस्की ने पेनल्टी पर गोल दागकर बढ़त दिलाई जिसके बाद आंद्रे फ्रेंक जेंबो एनगुइसा ने टीम की बढ़त को दोगुना किया। एटलेटिको मैड्रिड के कोच डिएगो सिमियोन के बेटे जियोवानी सिमियोन ने इसके बद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरकर गोल दागा और नेपाली को 3-0 से आगे किया। मध्यांतर के दो मिनट बाद जीलिंस्की ने एक और गोल दागकर नेपोली को 4-0 की बढ़त दिला दी। लीवरपूल की ओर से मैच का एकमात्र गोल 49वें मिनट लुई डियाज ने किया। लीवरपूल की नेपल्स के स्टेडियो डिएगो अर्माडो माराडोना में चार मैच में चौथी हार है।

मैराथन मुकाबले में अल्काराज ने सिनर को मात दी

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर। स्पेन के युवा सनसनी खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने गुरुवार को ऐतिहासिक मुकाबले में इटली के जैनिक सिनर को मात देकर यूएस ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में जगह बनायी। अल्काराज़ ने पांच घंटे 15 मिनट चले क्वार्टरफाइनल मैच में सिनर को 6-3, 6-7(7), 6-7(0), 7-5, 6-3 से हराया। यह मैच अमेरिकी समयानुसार देर रात 2:50 बजे समाप्त हुआ जो यूएस ओपन के इतिहास में सबसे ज्यादा देर तक चला मैच है। इससे पहले तीन मैच देर रात 2:26 बजे तक खेले जा चुके हैं। यूएस ओपन इतिहास का सबसे लंबा मैच 1992 में स्टेफन एडबर्ग और माइकल चैंग के बीच खेला गया सेमीफाइनल था जो पांच घंटे 26 मिनट बाद समाप्त हुआ था। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ चौथे सेट में 4-5 पर मैच पॉइंट बचाया और एटीपी रैंकिंग में सबसे कम उम्र का नंबर एक खिलाड़ी बनने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। अल्काराज ने मैराथन मुकाबले में जीत के बाद कहा, ''मुझे अब भी नहीं पता कि मैंने यह कैसे किया। आपको अपने ऊपर विश्वास करना होता है। मैंने अपने खेल पर विश्वास किया। मैच को समाप्त करना बहुत मुश्किल था। मैंने शांत रहने की कोशिश की, हालांकि यह उस समय बहुत कठिन था।''

उन्होंने कहा, ''मैं ग्रैंड स्लैम में अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंचने की उपलब्धि का आनंद लूंगा, और कल मेरे पास मैच के बारे में सोचने का समय होगा।'' अल्काराज़ फ्लशिंग मीडोज़ के सेमीफाइनल में अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो का सामना करेंगे जो क्वार्टरफाइनल में 7-6(3), 7-6(0), 6-4 से हराकर आ रहे हैं।

हार के बाद रैकेट तोड़ने के लिये किर्गियोस पर लगा जुर्माना

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस पर यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल में कारेन खचानोव से हारने के बाद रैकेट तोड़ने के लिये 14,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। खचानोव ने बुधवार को खेले गये क्वार्टरफाइनल में किर्गियोस को 7-5, 4-6, 7-5 6-7(3) 6-4 से मात दी थी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने हार के बाद झुंझलाकर दो रैकेट आर्थर ऐश स्टेडियम में पटककर तोड़ दिये थे। यह जुर्माना इस साल टूर्नामेंट में लगाया गया सबसे बड़ा जुर्माना है और न्यूयॉर्क में अपने इन पांच अपराधों के लिए किर्गियोस पर कुल 32,500 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है।

स्वियातेक साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर। विश्व की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियातेक ने यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को हराकर साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली है। स्वियातेक ने बुधवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में आठवीं सीड पेगुला को 6-3, 7-6(4) से हराया। पोलैंड की स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन 2022 खिताब जीतने से पहले साल के पहले ग्रैंड स्लैम आयोजन ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक सफर किया था। स्वियातेक 2016 में सेरेना विलियम्स के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टॉप सीड खिलाड़ी हैं। अब वह सेमीफाइनल में अरीना सबालेंका का सामना करेंगी, जो चेक गणराज्य की कैरोलीना प्लिस्कोवा को हराकर आ रही हैं।

टी-20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड से भारत वार्मअप मैच खेलेगा

दुबई, 8 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से पहले सभी 16 टीमों के लिये अभ्यास (वॉर्म अप) मैचों की घोषणा की। आईसीसी ने बताया कि ये सभी मैच ब्रिस्बेन और मेलबर्न में खेले जाएंगे। पहले दौर की टीमें अपने वॉर्म अप मैच 10 और 13 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड और जंक्शन ओवल में खेलेंगी। सुपर-12 राउंड में सीधे प्रवेश करने वाली टीमें अपने वॉर्म-अप मुकाबले 17 और 19 अक्टूबर को ब्रिस्बेन के गाबा में खेलेंगी, जिसमें भारत भी शामिल है।

पहला अभ्यास मैच 10 अक्टूबर को जंक्शन ओवल में वेस्टइंडीज और संयुक्त अरब अमीरात के बीच होगा। स्कॉटलैंड फिर नीदरलैंड और श्रीलंका के साथ एक ही दिन में दो अन्य मैचों में उसी स्थान पर जिम्बाब्वे से खेलेगा। भारतीय टीम अपना पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 17 अक्टूबर को खेलेगी। रोहित शर्मा की टीम दो दिन बाद 19 अक्टूबर को न्यूजीलैंड का सामना करेगी।

जयपुर, बीकानेर और पाली सेमीफाइनल में

जयपुर, 8 सितम्बर। जय क्लब के टेनिस प्रांगण में चल रही राजस्थान राज्य जूनियर ओपन व अंतर जिला टेनिस प्रतियोगिता के प्री क्वार्टरफाइनल में आज जयपुर ने चित्तौड़ को 2-0 से प्रथम एकल टीम मैच में फरहान (जयपुर) यश सिसोदिया (चित्तौड़गढ़) को 8-2 से, दूसरे एक एकल वरुण रस्तोगी (जयपुर) ने मनशीज गुप्ता चित्तौड़ को 8-1 से हराया। बीकानेर ने झुनझुनु को 2-1 से प्रथम एकल में, गंगनदीप (बीकानेर) में जीवम ओला (झुनझुनु) को 8-7 (7-5) से व दूसरे एकल में रचित केडिया (झुनझुनु) ने पार्थ शर्मा (बीकानेर) को 8-4 से तथा निर्णायक युगल में पार्थ व गगनदीप (बीकानेर) ने रचित केडिया व जीवाओला (झुनझुनु) को 8-1 से हराया। पाली ने उदयपुर को 2-1 से हराया। परथम एकल में धनराज चौधरी (पाली) ने कार्तिक मेहता (उदयपुर) को 8-0 से दूसरे एकल में भाविक रीमती (उदयपुर) ने हर्ष तायल (पाली) को 8-5 से व निर्णायक मुकाबले में हर्ष तायल धनराज (पाली) ने भाविक एवं कार्तिक (उदयपुर) को 8-1 से हराया एकल मुकाबलों में ओपन 18 वर्ष आयुवर्ग प्रथम दौर के मुकाबले में भाविक ने विवान को 8-1 से, निलेश्वर ने युगानंतर को 8-0 से, मैदांश ने दक्ष जैन को 8-3 से संदीप सिंह ने मोक्ष गुप्ता 8-0 से, बीलाल खान ने बद्री को 8-0 से, साध ने गगदीप को 8-7 (7-4) से, गर्वित ने रौनक मंगल को 8-0 से मुकुल चौधरी ने सईद को 8-3 से, वरुण रस्तोगी ने अश्वीन को 8-1, यथाथर ने अरुणादित्य को 8-4, दक्षा मेहता ने हर्मन को 8-2 से यश सिलोदिया ने शौर्यवीर को 8-0 से प्रियांशु चौधरी ने मनन गुप्ता को 8-4 से, धनराज ने अमित गोदारा को 8-4 से कुशल ने निकुज को 8-0 से, हर्ष ने प्लांश को 8-3 से, फरहान ने लक्ष्य जैन को 8-0 से, हर्ष तायल ने रुद्र को 8-1 से, उज्जवल ने अधर्व देव को 8-1 से हराया।

मेरे अंदर छक्के जड़ने का आत्मविश्वास था : नसीम

शारजाह, 8 सितंबर। पाकिस्तान के निचले क्रम के बल्लेबाज नसीम खान ने एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम ओवर में लगातार दो छक्के जड़ने का श्रेय आत्मविश्वास और नेट पर अभ्यास सत्र को दिया।

नसीम के लगातार दो छक्कों से पाकिस्तान ने सुपर चार के मुकाबले में अफगानिस्तान को हराकर फाइनल में जगह बनाई। यह 22 वर्षीय खिलाड़ी टूर्नामेंट में अपनी तेज गेंदबाजी से पहले ही प्रभावित कर चुका है लेकिन बुधवार को उसने बल्ले से भी कमाल दिखाते हुए न सिर्फ पाकिस्तान को एक विकेट की रोमांचक जीत दिलाई बल्कि चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को भी टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

नसीम ने मैच के बाद कहा, ''जब मैं बल्लेबाजी करने गया तो मुझे छक्के मारने का विश्वास था। मैं अभ्यास करता हूं (छक्के मारने का) और मुझे पता था कि वे यॉर्कर फेंकेंगे क्योंकि उन्होंने क्षेत्ररक्षक अंदर खड़े किए हुए थे। मैंने बस कोशिश की और इसे अंजाम दिया।''

उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास की जरूरत है कि हम बड़े शॉट खेल सकते हैं, हम नेट पर अभ्यास करते रहते हैं और मैंने अपना बल्ला भी बदल दिया, यह काम कर गया।'' नसीम ने कहा, ''जब आप नौवां विकेट खो देते हैं तो कोई भी आपसे जीतने की उम्मीद नहीं करता लेकिन मुझे विश्वास था कि मैं कर सकता हूं। मैं बड़े शॉट खेलने का बहुत अभ्यास करता हूं। यह मेरे लिए एक यादगार मैच रहा। हर कोई भूल गया कि मैं एक गेंदबाज हूं।'' नसीम जब क्रीज पर उतरे तब पाकिस्तान को 10 गेंद में 20 रन चाहिए थे और दो विकेट बचे थे। इस 10वें नंबर के बल्लेबाज ने इससे पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में सिर्फ एक गेंद खेली थी। जब आसिफ अली 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हुए तो टीम मुश्किल में घिर गई। पाकिस्तान को अंतिम ओवर में 11 रन चाहिए थे और नसीम ने लगातार दो छक्के जड़कर टीम को जीत दिला दी।

बड़ी टीमों के खिलाफ मनोवैज्ञानिक समस्या को दूर करने की जरूरत : फेरांडो

कोलकाता, 8 सितंबर। एटीके मोहन बागान के मुख्य कोच जुआन फेरांडो ने यहां एएफसी कप अंतर क्षेत्र सेमीफाइनल में कुआलालंपुर सिटी एफसी के खिलाफ अपनी टीम की निराशाजनक हार को महाद्वीप के बड़े क्लब का सामना करते हुए 'मनोवैज्ञानिक समस्या' बताया। सभी चीजें एटीके मोहन बागान के पक्ष में थीं- दर्शकों का समर्थन, 78 प्रतिशत समय गेंद पर कब्जा और गोल पर 19 शॉट (प्रतिद्वंद्वी टीम की तुलना में दोगुने) लेकिन 2021 की तरह टीम को एक बार फिर 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

बुधवार को सॉल्ट लेक स्टेडियम में एटीके मोहन बागान की हार के बाद फेरांडो ने कहा, ''यह एक मनोवैज्ञानिक समस्या है लेकिन एक बड़े क्लब के लिए खेलते समय जज्बा दिखाना आवश्यक है। यहां तक कि अगर आप एक अवसर पर चूक जाते हैं तो आपको काम जारी रखना होगा।'' उन्होंने कहा, ''मेरी तरह खिलाड़ी भी बहुत निराश हैं लेकिन समाधान यह है कि हम काम करना जारी रखें।''

जापान में शिनहैन डोंगहेई ओपन में संधू शीर्ष भारतीय

नारा (जापान), 8 सितंबर। भारतीय गोल्फर अजितेश संधू गुरुवार को यहां पहले दौर में तीन अंडर 68 के स्कोर के साथ 38वें शिनहैन डोंगहेई ओपन में संयुक्त 34वें स्थान पर चल रहे हैं। संधू ने प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे चार भारतीयों के बीच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। शिव कपूर और एसएसपी चौरसिया दोनों दो अंडर 69 के समान स्कोर के साथ संयुक्त 58वें स्थान पर हैं जबकि 2016 में यहां खिताब जीतने वाले गगनजीत भुल्लर एक ओवर 72 के स्कोर से संयुक्त 105वें पायदान पर चल रहे हैं। कनाडा के रिचर्ड टी ली ने नौ अंडर 62 के कोर्स रिकॉर्ड के साथ बढ़त बना ली है।

सारस्वत निर्विरोध हॉकी संघ के अध्यक्ष चुने गये

जयपुर, 8 सितम्बर। हॉकी राजस्थान के आज करौली में संपन्न हुए चुनाव में करौली के अरुण कुमार सारस्वत को सर्वसम्मति से पुन: निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया सचिव पद पर जयपुर के मित्रानंद पूनिया एवं कोषाध्यक्ष हनुमानगढ़ के मलकीत सिंह मान को चुना गया। अन्य चुने गए पदाधिकारियों में महिपाल सिंह (पाली), देवेंद्र सिंह शेखावत(अजमेर) मोहम्मद यूसुफ चौहान (चूरू) मदन सिंह राठौर (जालौर) रंजी स्मिथ (सिरोही) सत्येंद्र शर्मा (बारां) गणेश बोहरा (बीकानेर) डॉ. आरती सिंह (सवाईमाधोपुर) एवं आमना खातून (चित्तौडगढ़) को उपाध्यक्ष लोकेश मीणा (अलवर) सुमेर सिंह (कोटा) मोनिका सिंह (उदयपुर) एवं वर्षा कुमारी (दौसा) को संयुक्त सचिव शहज़ाद खान (नागौर) गणेशराम यादव (सीकर) कुलदीप सिंह गौड (राजसमंद) को सर्वसम्मति से कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। बैठक में हॉकी इंडिया के पर्यवेक्षक^ राजेश चौधरी राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के पर्यवेक्षक डॉ. दिनेश चौधरी एवं राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ के पर्यवेक्षक डॉ. रमेश इंदौलिया की उपस्थिति में निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश शर्मा सर्वसम्मति से चुने गए पदाधिकारियों की घोषणा की। इससे पूर्व साधारण सभा की बैठक में गत बैठक की पुष्टि वार्षिक लेखा का अनुमोदन, महासचिव का वार्षिक प्रतिवेदन सर्वसम्मति से पास किये गये। एवं आगामी राज्य प्रतियोगिताओ का आवंटन किया गया। जिसमे सीनियर पुरुष राजसमंद सीनियर महिला जयपुर जूनियर पुरुष एवं महिला बाड़मेर सबजूनियर पुरुष अलवर सबजूनियर महिला सीकर मिनी सबजूनियर प्रतियोगिता हनुमानगढ़ जिले मे आयोजित की जायेंगी।

चौबे ने महिला फुटबॉल के विस्तार के लिये अंडर-17 लीग की घोषणा की

कोलकाता, 8 सितंबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने गुरुवार को महिला फुटबॉल का विस्तार करने और कम उम्र में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए अंडर-17 महिला लीग शुरू करने की अपनी योजना की घोषणा की।

चौबे ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम जल्द ही भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से भारत में अंडर-17 महिला लीग शुरू करने जा रहे हैं। चौबे ने भारतीय फुटबॉल में पूर्ण लैंगिक समानता बनाए रखने का संकेत देते हुए कहा कि महासंघ की भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) में खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम वेतन कैप शुरू करने की योजना है। उन्होंने कहा, यह सही नहीं है कि फुटबॉलरों के मानदेय में पुरुषों और महिलाओं के स्तर पर भारी अंतर हो। संतुलन बहाल करने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। चौबे ने कहा कि नव-निर्वाचित समिति भारतीय लाइसेंस प्राप्त कोचों और पेशेवर फुटबॉलरों को एक ऐसे स्तर पर ले जाना चाहती है जहां विश्व स्तर पर उनकी सबसे अधिक मांग हो।

उन्होंने कहा, आज भारतीय व्यवसायी, कॉर्पोरेट अधिकारी, वैज्ञानिक आदि दुनिया में शीर्ष पदों पर काबिज हैं, फिर हमारे कोच और खिलाड़ी ऐसा क्यों नहीं कर सकते? हमारा मानना है कि सही शिक्षा और निर्देश दिए जाने पर वे भी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ साबित हो सकते हैं। हमें इसके लिए प्रयास करना चाहिए। चौबे ने कहा कि राज्य स्तर पर खेल में सुधार भारतीय फुटबॉल को आगे ले जाने का सबसे अच्छा मार्ग है, और भविष्य में संतोष ट्रॉफी और अन्य अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप को बहुत महत्व दिया जाएगा। उन्होंने कहा, वर्षों से, भारतीय फ़ुटबॉल के कुछ बेहतरीन नाम इन मुकाबलों से उभरे हैं। हम इन टूर्नामेंटों का पोषण करना जारी रखेंगे।

यह स्पष्ट करते हुए कि फुटबॉल में धन के दुरुपयोग को रोका जाना चाहिए और सबसे सख्त तरीके से निपटा जाना चाहिए, चौबे ने कहा, हमारा उद्देश्य खेल को स्कूलों तक ले जाना है। भारत में 25 करोड़ छात्रों के साथ 16 लाख सरकारी स्कूल हैं। इनमें से अधिकांश स्कूलों में प्रत्येक में एक फुटबॉल मैदान है। यदि हम उस क्षेत्र तक पहुंचकर अपने लाइसेंस प्राप्त प्रशिक्षकों को स्कूल में भौतिक प्रशिक्षकों के साथ जोड़ सकते हैं, तो ऊर्जा और संसाधनों को बर्बाद किए बिना बहुत कुछ किया जा सकता है।

चौबे ने कोचिंग, स्काउटिंग और खिलाड़ियों के चयन जैसे कई मुद्दों को अंतिम रूप देने के लिए एआईएफएफ की तकनीकी समिति की बैठक बुलाने की घोषणा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय टीम और क्लबों के हितों के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत है क्योंकि दोनों ही भारतीय फुटबॉल को एक साथ आगे ले जाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। एआईएफएफ अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा कि महासंघ पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कारों के लिए अपने नामांकित व्यक्तियों के नाम 15 सितंबर तक भेजेगा।

बच्चों को डैन्डेलियन फूल बहुत पसंद होते हैं। रोएंदार सफेद भाग पर फूंक मारने से इनके बीज उड़कर चारों तरफ फैल जाते हैं। डैन्डेलियन के बीज जमीन पर किसी नई जगह पर गिरने से पहले मीलों तक का सफर कर लेते हैं। लेकिन बच्चों की मदद के बिना भी बीज उड़ते हैं और शोधकर्ताओं ने हाल ही में पता लगाया है कि डैन्डेलियन किस प्रकार अपने बीजों का प्रकीर्णन (फैलने की प्रक्रिया) करते हैं। इससे यह समझने में भी मदद मिलेगी कि वे जलवायु परिवर्तन से कैसे डील करते हैं। हरेक बीज 100 के लगभग रोओं से जुड़ा होता है और दोनों को मिलकर पैराशूट जैसी संरचना बन जाती है, जिससे बीजों को फैलने में मदद मिलती है। जब बीज फूल के शीर्ष से अलग होते हैं तो पैराशूट जैसी संरचनाए हवा के सहारे बीज को उड़ा ले जाती हैं। शोध लेखक नाओमी नाकायामा (इम्पीरियल कॉलेज लंदन) ने कहा, ''हमने देखा कि सुबह जब कोहरा होता है तब डैन्डेलियन पैराशूट्स बंद रहते हैं पर जब धूप खिल जाती है तो वे खुल जाते हैं। नाओमी ने कहा, हमने अध्ययन किया कि डैन्डेलियन कैसे उड़ते हैं, फिर हमने यह पता लगाने की कोशिश की कि पैराशूट के बंद होने से इनकी उड़ान पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसके बाद हमने यह देखने का प्रयास भी किया कि रुप बदलने की इस प्रक्रिया को कैसे नियंत्रित किया जाता है। जब हवा में नमी होती है तो रोएंदार पैराशूट बंद हो जाता है, क्योंकि हवा में नमी का अर्थ है हवा धीमी होना। जब खुश्की होती है तो हवा भी तेज चलती है इस समय पैराशूट खुल जाते हैं और बीज उड़ जाते हैं। नेचर कम्युनिकेशन्स नामक जर्नल में छपे नतीजों के अनुसार शोधकर्ताओं ने पाया कि पैराशूट जैसी ये संरचनाएं गति देने वाली एक डिवाइस (प्रवर्तक) का प्रयोग करके खुलती बंद होती हैं। एक ऐसी डिवाइस जो एनर्जी व सिग्नल को गति में तब्दील करती है। लेकिन यह ऊर्जा का इस्तेमाल नहीं करती। यह जानने के बाद कि, बीज फैलाने के लिए डैन्डेलियन का उत्प्रेरक (ट्रिगर) क्या है, वैज्ञानिकों को यह समझने में आसानी होगी कि ये क्लाइमेट चेंज से कैसे निपटते हैं। इससे वैज्ञानिकों को नए सॉफ्ट रोबॉट्स बनाने में मदद मिल सकती है। नाकायामा ने कहा, डैन्डेलियन इकोसिस्टम की नींव हैं, ये कीड़ों व पक्षियों का भोजन हैं और पर्यावरण के प्रति भी संवेदनशील हैं।

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री के यहां आयकर विभाग की कार्यवाही दूसरे दिन भी जारी रही

सर्च के दौरान फर्जी कम्पनियों से जुड़ी जानकारी सामने आई, आधा दर्जन जगहों से बड़ा कैश भी बरामद

- **गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव के कई रिश्तेदारों पर आयकर विभाग का शिकंजा कसा जा रहा है।**
- **ज्ञातव्य है, कि मिड डे मील में अनियमितताओं के मामले में राजस्थान के गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव के राजस्थान सहित तीन अन्य राज्यों में मौजूद ठिकानों पर आयकर की जांच चल रही है।**

जयपुर, 8 सितम्बर (का.प्र.)। मिड डे मील में अनियमितताओं के मामले में राजस्थान के गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव के राजस्थान सहित तीन अन्य राज्यों में कई ठिकानों पर चल रहा आयकर विभाग का सर्व दूसरे दिन भी जारी रहा। बताया जा रहा है कि, गृह राज्य मंत्री के कई नजदीकी रिश्तेदारों पर आयकर विभाग शिकंजा कसा जा रहा है। अभी तक बड़ी संख्या में टैक्स चोरी के दस्तावेज बरामद हुए हैं। आईटी सर्च के दौरान फर्जी कंपनियों से जुड़ी जानकारी भी सामने आई है। आधा दर्जन जगहों से भी सर्च के दौरान बड़ी मात्रा में कैश बरामद हुआ है।

ऐसा माना जाता है कि, राजेन्द्र सिंहयादव मुख्यमंत्री गहलोत के बेहद विश्वासपात्र मंत्री हैं। राजेन्द्र यादव के कोटपुतली, जयपुर, गुडगांव, उत्तराखंड की फैक्ट्री और घरों पर यह सर्च चल रहा है। कोटपुतली स्थित राजस्थान फ्लैक्सिबल पैकिंग लिमिटेड कंपनी है, जहां पर आटा पैकिंग का काम किया जाता था। यहीं से अन्य जिलों और राज्यों में सप्लाई दी जाती थी। मिड डे मील योजना की सप्लाई में अनियमितता पाई गई, जिस पर आयकर विभाग की टीमें काम कर रही हैं। तापड़िया ग्रुप, जेवीएम फूड कंपनी और तांबी ग्रुप के खिलाफ भी आयकर विभाग के छापे की कार्रवाई जारी हैं। जानकार सूत्रों की मानें तो इनकम टैक्स इस मामले में अनुमति देने वाले अधिकारियों और सलाहकारों पर भी शिकंजा कस सकती हैं। जानकारी के अनुसार सर्च ऑपरेशन के बाद शुक्रवार को आयकर विभाग की टीमें बैंक खातों और लॉकर की तलाशी ले सकती हैं।

इन आयकर छापों को लेकर गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र यादव ने मीडिया के सामने फिर दोहराया कि, उनके द्वारा किसी भी प्रकार की कोई अनियमतत्ता नहीं की गई है। यह फैक्ट्री 1950 में उनके पिता ने लगाई थी, जिस पर मेहनत करके उन्होंने इसे और आगे बढ़ाया गया। राजनीति में आने के बाद दोनों बेटे और भाई इस काम सम्भाल रहे हैं। साथ ही कुछ परिवार के लोग भी हैं,जो इस काम को कर रहे हैं। 700 से अधिक लोग कोटपूतली और एक हजार से अधिक लोग उत्तराखंड में काम करते हैं। आयकर को लेकर फाइल हर वर्ष तैयार होती है।

यादव ने यह भी कहा कि उनका कोई मिड डे मील का काम नहीं है। उनका केवल आटा मिल, कोल्ड स्टोरेज और दूसरी कम्पनी के माल का स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन का काम है। ऐसी कोई चीज उनकी फैक्ट्री में नहीं है जो मिड डे मील से मिलती- जुलती हो।

नेताजी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों आदि के लिए उनकी स्पष्ट प्रतिक्रिया होती थी- ये आज़ादी झूठ है।''

अधिक असाधारण बात यह है कि वामपंथियों ने अपने सैद्धान्तिक रूख को लेकर सुभाष चन्द्र बोस की भी आलोचना की थी और अब भी जो थोड़े बहुत सच्चे वामपंथी बचे हैं, वे अपने निजी वार्तालापों में तो जापान सरकार और जर्मनी के हिटलर का समर्थन मांगने को लेकर बोस की आलोचना करते हैं।

लेकिन दूसरे विश्व युद्ध के शुरूआती दौर में जब सोवियत यूनियन ने जर्मनी के नाज़ी शासन से मेल जोल बढ़ ाना शुरू किया था उसे लेकर भारत के कम्युनिस्ट परेशान नहीं होते, उनकी नज़रों में यह एक रणनीतिक और चतुराई पूर्ण कदम था, लेकिन बोस इसी संदर्भ में घृणित थे।

भावनाओं की वर्षों तक की गई अनदेखी और स्वतंत्रता दिवस समारोह के बड़े कार्यक्रमों को ना मनाए जाने ने इन स्मृतियों को आधा तो विस्मृत कर ही दिया हैं।

नई पीढ़ ी के लिए स्वतंत्रता संघर्ष अब एक तरफ से इतिहास के पन्नों में हैं युवा पीढ़ी जीवन के तय कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए बाध्य हैं। युवा वर्ग स्वयं के लिए एक सहज जीवन सुनिश्चित करने की प्रतिस्पर्धा में है और इसी सोच से घिरा हुआ है।

स्वतंत्रता आंदोलन की फिर से यादें ताजा करने और दशकों तक इसका नेतृत्व करने वाले महापुरूषों की कहानियों को कहने की अब शायद ही कोई जरूरत हैं।

वास्तव में पहले स्कूल के बच्चों द्वारा पहले मार्चपास्ट किया जाना और स्वतंत्रता संघर्ष की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किया जाना, अब दुर्लभ वस्तु बन चुका हैं।

अम्बेडकर लॉ युनिवर्सिटी के वी.सी. की नियुक्ति के खिलाफ सुनवाई जारी

- **वी.सी. डॉक्टर देव स्वरूप की ओर से पैरवी कर रहे वकील अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने कहा कि, क्योंकि केन्द्र सरकार ने प्रथम वी.सी. की नियुक्ति के विषय में कोई स्पष्ट कानून नहीं बनाया है, इसलिए अदालत को राज्य सरकार द्वारा पारित एक्ट, (जिसके तहत प्रथम वी.सी. को नियुक्त किया गया है,) को केन्द्र सरकार के कानूनों के साथ समंजस्य बिठाकर पढ़ना चाहिये।**
- **वहीं याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने कहा कि यू.जी.सी. ने 2018 में लिखित गाईडलाइन पारित की थी, जिसमें स्पष्ट लिखा है कि वी.सी. का चयन करने के लिए गठित सर्च कमेटी में यू.जी.सी. का प्रतिनिधि होना चाहिये, उन्होंने कहा कि अम्बेडकर लॉ युनिवर्सिटी के वी.सी. की नियुक्ति में इस नियम को पूरी तरह अनदेखा किया गया और अयोग्य व्यक्ति को वी.सी. के पद पर चुना गया।**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान हाईकोर्ट में भीमराव अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी के वी.सी. की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई आज भी जारी रही। अदालत ने शुक्रवार को भी दोपहर तीन बजे से सुनवाई जारी रखने को कहा।

सुनवाई के दौरान भीमराव अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी के वर्तमान वी.सी. की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने अदालत को कहा कि जिस एक्ट के तहत इस विश्वविद्यालय का गठन किया गया है, उस एक्ट में प्रथम वी.सी. को चुनने के लिये बोर्ड मेम्बर्स के विषय में स्पष्ट जानकारी दी गई है।

जैसा कि विदित है कि प्रथम वी.सी. की चयन प्रक्रिया के लिये कॉलेज प्रशासन के प्रतिनिधि बोर्ड में शामिल हो ही नहीं सकते। इसीलिये प्रथम वी.सी. का चयन ट्रांजिशनल (अवस्था परिवर्तन कालिक) प्रक्रिया है, जब तक कि कॉलेज में पढ़ाने वाले सभी शिक्षक और प्रशासन अधिकारी नियुक्त नहीं किये जाते और यू.जी.सी. से मान्यता प्राप्त नहीं की जाती। उन्होंने आगे कहा कि क्योंकि केंद्र के किसी भी कानून में प्रथम वी.सी. की नियक्ति के विषय में कोई कानून नहीं है, इसीलिये अदालत को राज्य सरकार द्वारा पारित भीमराव अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी एक्ट, 2019 को केंद्र के कानून के साथ सामंजस्य के साथ पढ़ना चाहिये।

वहीं याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने अदालत को बताया कि यू.जी.सी., जो सभी विश्वविद्यालयों के लिये मापदंड तय करती है, ने 2018 में नई गाइड लाइन जारी की थी जिसके तहत वी.सी. के चयन प्रकिया के संबंध में विस्तृत नियम कायदे लिखे गये हैं। इस गाइड लाइन में स्पष्ट लिखा है कि वी.सी.का चयन करने के लिये सर्च कमेटी में यू.जी.सी.का प्रतिनिधि भी शामिल होना चाहिये। उन्होंने बताया कि अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी जयपुर के वी.सी. के चयन के लिये गठित सर्च कमेटी/बोर्ड में यू.जी.सी. की 2018 की गाइड लाइन को बिलकुल अनदेखा कर दिया गया और यू.जी.सी. के प्रतिनिधि को इस सर्च कमेटी का हिस्सा नहीं बनाया गया। इसलिये एक ऐसे व्यक्ति को वी.सी. के पद पर चयनित किया गया, जो विधि स्नातक भी नहीं है। अदालत में इस मामले में शुक्रवार को भी बहस जारी रहेगी।

मजबूत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभावित है क्योंकि यह निर्यातों की तुलना में स्थानीय मांग पर अधिक निर्भर है। कई लोग इस उपलब्धि का श्रेय सरकार की नीतियों को भी देते हैं, जिनमें सार्वजनिक खर्च में दी गई वृद्धि तथा देनदारों व क्रेडिट गारन्टर्स को दी गई राहत शामिल है और जिसकी वजह से महंगाई को तुलनात्मक रूप से नियंत्रित करने और जनता को आर्थिक सदमे से उबारने में मदद मिली है। पश्चिमी देशों की इच्छा के विपरीत रूप से कम कीमत पर तेल खरीदने ने ऊर्जा की कीमत वृद्धि पर लगाम कसने में मदद की है।

डेटा: भारतीय अर्थव्यवस्था अब दुनिया में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। उसने अपने पूर्व उपनिवेशवादी ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है।

चुनौतियां: शिक्षित होकर प्रतिवर्ष नौकरी की तलाश में बेरोजगारों की जमात में जुड़े युवाओं को पर्याप्त नौकरियां देने में भारतीय अर्थव्यवस्था असमर्थ बनी हुई है और विश्लेषकों के अनुसार आर्थिक वृद्धि की लय को बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। आर्थिक वृद्धि के अगले वर्ष करीब 6 प्रतिशत नीचे गिरने का अनुमान लगाया जा रहा है।

चावल के एक्सपोर्ट पर 20% एक्साइज़ ड्यूटी लगेगी

सरकार का कहना है कि, फसल खराबे के कारण बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए यह फैसला किया गया है

- **गौरतलब है कि, यू.पी. और बिहार में बारिश की भारी कमी के कारण इस बार चावल की फसल बहुत कम हुई है।**

नई दिल्ली, 8 सितंबर। भारत में चावल की कीमतों को कंट्रोल में लाने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम फैसला लिया है। सरकार ने चावल के विभिन्न ग्रेड के निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाया है। दरअसल, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख चावल उत्पादक राज्यों में औसत से कम बारिश की वजह से चावल के उत्पादन में दिक्कत आने की आशंका है।

हालांकि, इससे पहले केंद्र सरकार ने कहा था कि चावल के निर्यात पर कोई प्रतिबंध लगाने की योजना नहीं है। सरकार की ओर से कहा गया था कि घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त बफर स्टॉक है। बता दें कि चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 21.2 मिलियन टन चावल का निर्यात किया था। हालांकि, इस साल कम बारिश के कारण धान की बुवाई का रकबा 6 प्रतिशत घटकर 367.55 लाख हेक्टेयर रह गया है। चालू खरीफ सीजन के 26 अगस्त तक, झारखंड में 10.51 लाख हेक्टेयर, पश्चिम बंगाल (4.62 लाख हेक्टेयर), छत्तीसगढ़ (3.45 लाख हेक्टेयर), उत्तर प्रदेश (2.63 लाख हेक्टेयर), बिहार से धान का कम रकबा बताया गया है।

डॉनल्ड ट्रम्प ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिपब्लिक का 63 प्रतिशत को ट्रम्प को एक बड़ा व्यक्तित्व बने रहना देखना चाहता है, उसमें 39 प्रतिशत वे हैं जो ट्रम्प को वर्ष 2024 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में देखना चाहते हैं। शेष 23 प्रतिशत का कहना है कि जहां वे ट्रम्प के एक राष्ट्रीय राजनीतिक व्यक्तित्व रूप में बने रहना पसन्द करेंगे, लेकिन वहीं वे यह भी चाहेंगे कि ट्रम्प अपने कद का उपयोग राष्ट्रपति पद के ऐसे किसी अन्य उम्मीदवार का समर्थन करने में करे जो उनके विचारों से सहमति रखता हो।

जहाँ स्नातक एवं इससे ज्यादा ऊँची शिक्षा प्राप्त आधे रिपब्लिकन कहते हैं ट्रम्प एक बड़ी राजनैतिक हस्ती बने रहने चाहिये, वहीं कम शिक्षित 69 प्रतिशत रिपब्लिकन ऐसा चाहते हैं। कॉलेज स्नातकों की अपेक्षा, कॉलेज शिक्षा तक पहुँचे तथा और भी कम शिक्षित रिपब्लिकन इस बात को ज्यादा कहते हैं कि ट्रम्प को राष्ट्रपति चुनाव एक बार फिर लड़ना चाहिये। कम पढ़े-लिखे 45 प्रतिशत लोग कहते हैं कि 2024 में राष्ट्रपति चुनाव स्वयं ट्रम्प को ही लड़ना चाहिये, जबकि ऐसा कहने वाले रिपब्लिकन कॉलेज ग्रेजुएट केवल 26 प्रतिशत ही हैं। अनुदार तथा रूढ़िवादी रिपब्लिकनों की तुलना में नरमपंथी तथा उदार रिपब्लिकन ऐसा कम ही कहते हैं कि ट्रम्प को राष्ट्रीय राजनैतिक परिदृश्य में बने रहना चाहिये। (52 प्रतिशत बनाम 69 प्रतिशत)।

जहाँ तक बाइडन का प्रश्न है, डेमोक्रेट 2024 में राष्ट्रपति की उम्र तथा पुनरुत्थान रिपब्लिकन पार्टी का सामना करने की उनकी सामर्थ्य को लेकर बहुत चिन्तित हैं। राष्ट्रपति 79 वर्ष के हो चुके हैं तथा अब तक के सर्वाधिक उम्रदराज राष्ट्रपति हैं। अगर वे दोबारा चुनाव लड़ते हैं तथा चुनाव जीत जाते हैं, तो जनवरी 2025 में, जब वे राष्ट्रपति के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल शुरु करेंगे, उनकी उम्र 82 वर्ष हो चुकी होगी।

पश्चिमी मीडिया की रिपोर्ट इस बात पर जोर दे रही है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख मुद्दों से संबंधित प्रमुख विधेयकों को पारित कराने में उनके बार-बार विफल होने से राष्ट्रपति के समर्थन की रेटिंग गिर रही है। प्रमुख डेमोक्रेटिक मुद्दों में शामिल हैं- मतदान अधिकार टैक्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश तथा जलवायु परिवर्तन-फंडिंग। इसके अतिरिक्त, उनकी प्रशासनिक कमजोरी का संदेश भी जनता तक जा रही रहा है। लम्बी खिंचती जा रही कोविड-19 महामारी, महँगाई तथा यूक्रेन युद्ध जैसे अन्य वैश्विक मुद्दे, जो बाइडन की पकड़ से बाहर हो गये हैं, के कारण भी उपभोक्ता-आत्मविश्वास कमजोर हो गया है तथा पूरे देश की मन:स्थिति निराशावादी हो गई है।

सी.ए.ए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समक्ष लंबित हैं। इनमें कहा गया है कि सी.ए.ए. गैर मुस्लिमों को नागरिकता प्रदान करने में उदारता बरतता है और इस प्रोसैस को फास्ट-ट्रैक करता है, लेकिन यह धर्म आधारित भेदभाव को प्रोत्साहित करता है, जिसकी भारतीय संविधान में अनुमति नहीं है।

सरकार ने वर्ष 2020 में प्रस्तुत अपने शपथ-पत्र में कहा था कि ''सी.ए.ए. एक विशिष्ट संशोधन है जिसका तात्पर्य अतिविशेष देशों में मौजूद विशेष समस्या का निराकरण करना है, पानी कि अति विशेष देशों में धर्मशासित संवैधानिक स्थिति के कारण हो रहा धार्मिक उत्पीड़न और भारत में पहले से रह रहे मुस्लिमों का इससे कोई लेना देना नहीं है।''

शपथ पत्र में आगे स्पष्ट किया गया था कि संशोधन से पूर्व में विद्यमान रहे किसी भी नागरिक के अधिकार पर सी.ए.ए. अतिक्रमण नहीं करता है और किसी भी रुप में किसी भी भारतीय नागरिक के विधिक, लोकतांत्रिक या धर्मनिरपेक्ष अधिकारों को प्रभावित करने का इसका मन्तव्य नहीं है।

'सिखों की पगड़ी और कृपाण से हिज़ाब की तुलना उचित नहीं'

सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ताओं ने दलील दी कि, संवैधानिक योजनाओं में हिज़ाब का कोई उल्लेख नहीं है

- **याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने दलील दी कि, इसका कहां उल्लेख है कि, हिज़ाब पहनने ना पहनने से किसी की इज्जत कम हो रही है। लेकिन राज्य की सुरक्षा का अधिकार वहां की सरकारों को है, इस हेतु वे जैसा चाहें उचित फैसला ले सकती हैं।**

नयी दिल्ली,8 सितंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि सिखों द्वारा पहनी जाने वाली पगड़ी की तुलना मुस्लिम महिलाओं के हिज़ाब के इस्तेमाल से करना उचित नहीं होगा। शीर्ष न्यायालय ने यह टिप्पणी शैक्षणिक संस्थानों में हिज़ाब पहनने पर प्रतिबंध को बरकरार रखने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाले विभिन्न अपीलकर्ताओं द्वारा उसके समक्ष दायर अपीलों पर सुनवाई के दौरान की।

न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता ने पीठ का नेतृत्व करते हुए कहा कि इस न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि पगड़ी और कृपाण सिखों के लिए आवश्यक है। इसलिए, सिखों द्वारा पहनी जाने वाली पगड़ी से तुलना करना अनुचित होगा क्योंकि सिखों के लिए पांच-चिजों को अनिवार्य माना गया है।

याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए वकील निजामुद्दीन पाशा की सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने इसका अवलोकन किया। फ्रांस के विपरीत, यहां सिख लड़के स्कूल जाने के लिए पगड़ी पहनते हैं और इससे स्कूल के अनुशासन में कोई बाधा नहीं आती है।

न्यायमूर्ति गुप्ता ने पाशा से कहा कि कृपया हिज़ाब की तुलना सिख धर्म से न करें क्योंकि यह (सिख धर्म) पूरी तरह से भारतीय संस्कृति में समाया हुआ है। एक अन्य याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने कहा कि राज्य धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए कानून बना सकता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम एक सामाजिक कल्याण कानून है और फिर वे कहते हैं कि हिज़ाब को प्रतिबंधित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक शिक्षा अधिनियम की प्रस्तावना में कहा गया है कि अधिकार पर कोई भी प्रतिबंध प्रत्यक्ष और निकट होना चाहिए न कि अप्रत्यक्ष या अनुमानित।

'इतना गुस्सा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर इतनी चिंतित क्यों थी।

मैं विदेशी मामलों और दिपक्षीय मसलों पर बात करना नहीं चाहती हूं पर मैंने देखा कि जब भी मुझे किसी बाहरी देश ने निमंत्रण दिया है भारत सरकार ने उसमें रूकावट डाली है। मैं जानना चाहती हूं केन्द्र सरकार को विदेशी अतिथियों से मेरे मिलने में किस बात का डर है।''

उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की एक विशेष मीटिंग को संबोधित करते हुये कहा, ''बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं लेकिन (केन्द्र) ने उनकी यात्रा का हिस्सा बनने के लिये मुझे आमंत्रित नहीं किया।''

ऐसा लगता है कि ऐसी दो घटनाओं, जिन्हें उनके ''अपमान'' के रूप में देखा जा रहा है, ने बनर्जी को ऐसा कहने के लिये बाध्य कर दिया है। बनर्जी ने कहा कि वे तथा पड़ोसी राज्यों के अन्य मुख्यमंत्री 2024 में भाजपा को हराने के लिये एकजुट होंगे।

पार्टी मीटिंग में, उन्होंने अपने प्रिय नारे ''खेला होबे'' को दोहराया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया- ''आपके ''मन की बात'' शीघ्र ही ''मन की व्यथा'' बन जायेगी।''

बंगाल की मुख्यमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस नेताओं का आव्हान किया कि वे भाजपा के खिलाफ संघर्ष के लिये सक्रिय हो जायें।

उन्होंने अपने पार्टीजनों को हार्दिक साधुवाद देते हुये तथा उनकी प्रशंसा करते हुये कहा, ''उन्होंने हर विधायक को 10 करोड़ रू. की पेशकश करते हुये, सरकार गिराने की कोशिश की थी। मैंने उन्हें रँगे हाथों पकड़ लिया था। हमने झारखंड बचा लिया। ''खेला होवे।'' हम पंचायत चुनाव शान्ति पूर्वक सम्पन्न करेंगे, और फिर देखना, 2024 के चुनावों के लिये हम किस तरह खेल खेलते हैं।''

ममता बजर्नी ने कहा, ''खेल की योजना बंगाल में बनेगी। अब हम सब साथ हैं। नीतीश कुमार हैं, अखिलेश यादव हैं, हेमन्त सोरेन हैं। मैं हूँ। हम सब मित्र एक साथ है। सभी दल एकजुट हैं और 280-300 सीटों का उनका घमंड ही उनकी सजा बन जायेगा। याद रखिये, राजीव गांधी के पास 400 सीटें थी, लेकिन वे रही नहीं।''

उन्होंने कहा कि केवल पाँच राज्यों में ही, जिनकी सूची उन्होंने बनाई है, भाजपा अपनी 100 सीटें गँवाएगी। उन्होंने कहा, ''सरकार कैसे बना पायेंगे।''

झारखंड के तीन कांग्रेस विधायक 30 जुलाई को उसक समय गिरफ्तार कर लिये गये थे, जब उनकी कार पश्चिम बंगाल के हावड़ा नगर में इन्टरसैप्ट की गई थी तथा करीब 49 लाख रू. का कैश उनके पास गया था। उन विधायकों ने दृढ़तापूर्वक कहा था कि यह पैसा उनके राज्य में आयोजित होने वाले एक आदिवासी उत्सव के लिये साड़ियाँ खरीदने के लिये है।

कांग्रेस, जो झारखंड की जे.एम.एम. के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा है, ने दावा किया था कि भाजपा, विधायकों को 10 करोड़ रू. तथा मंत्री पद की पेशकश करे हुये, हेमन्त सोरेन सरकार को गिराने की कोशिश कर रही थी।

ममता बनर्जी ने कहा, ''भाजपा सोचती है कि वह हमें सी.बी.आई. तथा प्रवर्तन निदेशालय की धमकियों से डरा सकती है। वह इस प्रकार की चालबाजी जितना ज्यादा करेंगे, अगले साल होने वाले पंचायत चुनावों तथा 2024 के लोकसभा चुनावों में, वह हार के उतनी ही ज्यादा नजदीक जायेगी।''

उन्होंने कहा, ''99 प्रतिशत टी.एम.सी. साफ-स्वच्छ, ईमानदार तथा सामाजिक कार्य के प्रति समर्पित है। अगर एक-दो लोग कुछ गलत करते भी हैं, तो उनसे निबटने के लिये कानून है। पार्टी (ऐसे लोगों के खिलाफ) कार्यवाही करेगी।''

कर्नाटक में भी भाषा विवाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भेज दिया गया। चैक का विवरण, जिसमें अंक भी शामिल थे, कन्नड़ भाषा में अंकित था।

हुआ यह कि चैक में भाषा का अवरोध आ गया तथा सम्भवत: इसी कारण, कन्नड़ भाषा में लिखे अंकों की पहचान में कुछ त्रुटि हो गई। अंकों की गलत पहचान के फलस्वरूप, चैक एस.बी.आई. की कलियाल शाखा ने डिसऑनर कर दिया। इसके बाद, इनामदार ने कंज़ूमर फोरम में इसकी शिकायत की तथा बुधवार को फोरम ने एस.बी.आई. को सेवा की कमी का दोषी माना तथा बैंक पर जुर्माना कर दिया। फोरम में, अध्यक्ष इशप्पा भूते के अतिरिक्त, दो सदस्य वी.ए.बोलिशेट्टी तथा पी.सी. हीरेमत थे।

कन्नड़ भाषा-समर्थक ऐक्टिविस्टों ने कंज़ूमर फोरम के इस निर्णय के स्वागत में जश्न मनाए। ये लोग, उनके अनुसार ''हिन्दी के दबदबे तथा हिन्दी थोपने'' के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। वे ऐसे बहुत से उदाहरण देते हैं कि राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा केन्द्र सकार के दफ्तरों में किस तरह से ''कन्नड़ भाषा में बोलने वाले लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया गया।'' कन्नड़ डैवलपमैंट अथॉरिटी के चेयरमैन टी.एस. नागभरन ने कहा कि यह फैसला एक नज़ीर बन सकता है। उन्होंने कहा, ''पी.एस.यू. तथा केन्द्रीय ऑफिस क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान नहीं करते।''

बैंक सेवाओं के लिये दी जाने वाली अर्जियाँ अगर कन्नड़ में लिखी होती हैं, तो या तो वे अटका दी जाती हैं या उन पर ध्यान नहीं दिया जाता तथा ऐसी ग्रामीण लोगों, जो हिन्दी या अंग्रेजी नहीं जानते, को प्राय: अपमानजनक तरीके वहाँ से चले जाने के लिये कह दिया जाता हैं। एक कन्नड़ ऐक्टिविस्ट ने कहा कि चूँकि राष्ट्रीयकृत बैंकों के बहुत से कर्मचारी कर्नाटक से बाहर के होते हैं, इसलिये उन्हें स्थानीय भाषा कन्नड़ नहीं आती, किन्तु दुख की बात यह है कि वे स्थानीय भाषा सीखने की कोशिश भी नहीं करते।

उसे ऐक्टिविस्ट ने कहा कि कई बैंकों में, चालान हिन्दी तथा अंग्रेजी में होते हैं तथा इसलिये बहुत से ग्रामीण लोगों के सामने मार्गदर्शन की समस्या आती हैं।

वस्तुत: कर्नाटक में भी भाषा का मुद्दा बार-बार जोर पकड़ लेता है, हालांकि इस मामले में तमिलनाडु ज्यादा बदनाम है क्योंकि वहाँ हिन्दी थोपे जाने के खिलाफ 1960 के दशक में बड़े आन्दोलन हुये थे। दरअसल उस समय की कांग्रेस सरकार ने तमिलनाडु में हिन्दी थोपने की कोशिश की थी तथा उसे चुनाव में इसका खामियाजा भुगतना पड़ा था। उस समय के बाद, कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में कभी नही आ सकी। आज भी, कांग्रेस को अपने राजनैतिक अस्तित्व के लिये दोनों में से किसी की एक द्रविड़ पार्टी पर निर्भर रहना पड़ता हैं।

कर्नाटक में भी जब-तब हिन्दी-विरोधी आन्दोलन हो जाते हैं। 2017 में, एक कन्नड़-समर्थक ग्रुप, जिसका नाम ''कर्नाटक रक्षाना वेदिके'' था, बैंगलुरू के एक मॉल में स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर हिन्दी और अंग्रेजी में लिखे सूचना-पट तोड़ दिये थे और इसके बाद राज्य में हिन्दी-विरोधी माहौल जोर पकड़ गया था। बेंगलुरू मेट्रो में हिन्दी के साइन बोर्डो का विरोध कर रहे ऐक्टिविस्टों का प्रश्न था- दिल्ली में कन्नड़ भाषा के साइन बोर्ड क्यों नहीं हैं, जबकि यहाँ हिन्दी में साइन बोर्ड लगाने पड़ते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600